मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वादशी , संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-42, 15 दिसम्बर - 21 दिसम्बर, 2021 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

दुनिया से जुड़कर भी मोबाइल माला से हम हो रहे अकेले!

सटीक

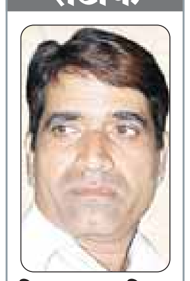

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

मोबाइल ने आज माला को गायब कर दिया है। एक जमाना था तब भगवान में अटूट विश्वास रहता था। हर समय इंसान ईश्वर को याद रखता था। ईश्वर से डरता था कि कहीं कोई पाप न हो जाए। दुनिया में पाप और पुण्य दोनों बराबर-बराबर चलते हैं। हमारी संस्कृति में पाप और पुण्य के साथ भगवान के नाम का जप प्राथमिकता के साथ किया जाता है। कहीं भगवान की पाठ पूजा होती है तो वहां मंत्रों का जप जरूर होता है। एक समय था जब घर में भगवान के नाम की माला जरूर फेरी जाती थी। माला जपने की इस आदत में बड़े बुजुर्ग हमेशा एक माला गौमुखी अपने हाथ में लिए रहते थे। कुछ अपवाद स्वरूप अब भी दिखाई दे जाएंगे। इसी विषय में किसी कवि ने एक दोहा भी लिखा था कि-

माला फेरत जुग गया, गया न मना का फेर।
कर का मनका छोड़ दे, मन मनका फेर।।

अब ऐसा फेर चला है कि सब के हाथ से माला तो छूट गई और मोबाइल हाथ में आ गया। मोबाइल हाथ में क्या आ गया। सोने तक और प्रातः उठते ही यहां तक कि कभी-कभी तो कुछ लोग रात्रि को उठकर भी मोबाइल चैक करने लगते हैं। मोबाइल के पीछे घरों में कलह होने लग गई। घर में छोटे से लेकर बड़े तक मोबाइल में लगे रहते हैं। मोबाइल में ऐसा क्या आ गया है, या ऐसा क्या ढूंढ़ते हैं जो सुबह से शाम तक ढूंढ़ते हैं मगर वह खोज पूरी होती ही नहीं है। अगर एक घर में चार परिजन एक साथ बैठे हैं तो सब के सब अपने-अपने मोबाइल में लगे रहते हैं। एक-दूसरे से बात तक करने की जुर्रत नहीं समझते। कहीं भी देखो रास्ते में चलते हुए लड़के-लड़कियां, युवा और बच्चे भी मोबाइल में बतियाते हुए चलते हैं। कुछ न कुछ ढूंढ़ते दिख जाएंगे। ऑफिसों में काम के दौरान मोबाइल में लगे रहेंगे। शहर के चौराहों पर ड्यूटी के दौरान महिला हो चाहे पुरुष पुलिस कर्मचारी भी मोबाइल में नजर गडाए देखे जा सकते हैं। कई ऑफिसों में तो मोबाइल को कार्यस्थल से अलग रखवा देते हैं और ड्यूटी समाप्ति पर वापस दिया जाता है। कई बार मोबाइल से बात करते हुए या गाना सुनते हुए चलते रहते हैं और पता ही नहीं चलता कि आगे-पीछे क्या हो रहा है। रेल पटरियों पर इसी के चलते कई युवक-युवतियां अपनी जान गंवा चुके हैं। अब माला का मनका तो छूट गया मगर मोबाइल का की बोर्ड ऐसा हाथ से चिपके जा रहा है कि पता ही नहीं कब और कहां जाकर पीछा छोड़ेगा। यहां तक कि घर में अगर कोई मेहमान भी बैठा है तो बजाए आपस में बातचीत करने के मोबाइल में मशगूल रहते हुए शांति से की-बोर्ड चलता रहता है और हम दुनिया से जुड़कर भी मोबाइल माला के चलते हम अकेले होते जा रहे हैं।

shivdayalmishra@gmail.com

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी...

जनता के प्रति सरकार का रुख़ परिवार जैसा हो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय काशी दौरे पर हैं। यहां प्रधानमंत्री ने भाजपा शासित 12 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। तकरीबन चार घण्टे चली इस बैठक में सरकार की नीतियों, योजनाओं के प्रचार-प्रसार, आगामी विधानसभा चुनाव, जनता से जुड़ाव जैसे तमाम बिंदुओं पर गहन मंथन हुआ है। बैठक में मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों के विकास कार्यों के बारे में पीएम मोदी को दी जानकारी। पीएम मोदी ने बैठक में मौजूद मुख्यमंत्रियों से विकास कार्यों में तेजी लाने, पारदर्शिता बनाए रखने और पार्टी कार्यकर्ताओं के सुझावों को लेकर उस पर अमल करने को कहा। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति सरकार का रुख परिवार जैसा होना चाहिए।बैठक में पीएम मोदी ने विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने का निर्देश दिया है।

बनारस देश को नयी दिशा दे रहा है-प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने कहा कि वाराणसी देश को नई दिशा दे रहा है। पहले वाराणसी की बदहाली देख लोग निराश हो जाते थे, लेकिन अब असल परिवर्तन दिखता है। सड़के सुधर गई हैं, तेज गति से नई सड़कें बन रही हैं, बिजली के तारों को अंडरग्राउंड कर दिया गया है।

शहीद कुलदीप के परिवार को 1 करोड़ देगी गहलोत सरकार

परिवार के लिए घोषित की गई सहायता कारगिल पैकेज की तरह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सीडीएस बिपिन रावत के साथ हेलिकॉप्टर हादसे में शहीद हुए स्क्वॉड्रन लीडर कुलदीप सिंह के परिवार को राजस्थान सरकार एक करोड़ की सहायता देगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसकी घोषणा की है। इसके लिए जल्द आदेश जारी किए जा रहे हैं। स्क्वॉड्रन लीडर कुलदीप सिंह सीडीएस बिपिन रावत के हेलिकॉप्टर के को-पायलट थे। शहीद कुलदीप सिंह के परिवार के लिए घोषित की गई सहायता कारगिल पैकेज की तरह ही है। मिलिट्री या पैरामिलिट्री ऑपरेशन में शहीद सैनिकों के परिजनों को करगिल पैकेज के अनुसार सहायता राशि और पैकेज दिया जाता है। झुंझुनू जिले के घरड़ाना खुर्द गांव के रहने वाले शहीद कुलदीप सिंह की बहन भी कोस्ट गार्ड में हैं। उनके पिता नेवी में रहे हैं।

पुलवामा शहीदों के लिए नकद सहायता 50 लाख तक की थी

गहलोत सरकार ने फरवरी 2019 में पुलवामा हमले में शहीद हुए राजस्थान के जवानों के परिजनों के लिए सहायता राशि और पैकेज बढ़ाने की घोषणा की थी। शहीद के परिवार को अब 50 लाख रुपए नकद या 25 लाख नकद के साथ इंदिरा गांधी नहर क्षेत्र में 25 बीघा जमीन या 25 लाख नकद के साथ हाउसिंग बोर्ड का मकान लेने का विकल्प रखा गया है। शहीद के एक परिजन को नौकरी और बच्चों को शुरू से लेकर कॉलेज-यूनिवर्सिटी स्तर तक मुफ्त शिक्षा दिलाने का प्रावधान है। शहीद के परिजनों के लिए रोडवेज यात्रा मुफ्त है। सार्वजनिक स्थानों और भवनों का नाम शहीद के नाम पर करने का प्रावधान है।

jagrukjanta.net
जागरूक सिटी
जागरूक जनता • जयपुर, बुधवार, 15 दिसम्बर - 21 दिसम्बर, 2021 • पेज 02

तापमान	अधि.	न्यू.
जयपुर	23°C	11°C
जोधपुर	27°C	09°C
अजमेर	23°C	10°C
उदयपुर	24°C	11°C

सूर्योदय ▸ प्रात : 07 :17 बजे सूर्यास्त ▸ सांय : 05 :19 बजे चन्द्रोदय ▸ 02 : 55 बजे चन्द्रास्त ▸ 03 : 37 बजे

महंगाई हटाओ महारैली

हिन्दू और हिन्दुत्ववादी की परिभाषा समझाई

देश हिन्दुओं का है, हिन्दुत्ववादियों का नहीं

मैं सच्चाई का साथ देता रहूंगा

देश गरीब, किसान, छोटे दुकानदारों का है, ये ही लोग ही रोजगार दे सकते हैं-राहुल

मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो मुख्यमंत्री के पत्र का जवाब नहीं देते हैं-गहलोत

रैली में सिर्फ सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के ही होर्डिंग्स नजर आए।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को जयपुर में कांग्रेस की राष्ट्रीय रैली में मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरा देश चार-पांच उद्योगपतियों के हाथ में है। हर संस्थान एक संगठन के हाथ में है। मंत्रियों के ऑफिस में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओएसडी हैं। देश को जनता नहीं चला रही है, तीन-चार पूंजीपति चला रहे हैं और हमारे प्रधानमंत्री उनके काम कर रहे हैं। रैली में सोनिया गांधी भी शामिल हुईं, लेकिन उन्होंने भाषण नहीं दिया।

राहुल ने कहा कि दो शब्दों का एक मतलब नहीं हो सकता। हर शब्द का अलग मतलब होता है। देश की राजनीति में आज दो शब्दों के मतलब अलग हैं। एक शब्द हिंदू दूसरा शब्द हिंदुत्ववादी। ये एक चीज नहीं है, ये दो अलग शब्द हैं और इनका मतलब बिल्कुल अलग है। मैं हिंदू हूं, लेकिन हिंदुत्ववादी नहीं हूं। महात्मा गांधी हिंदू थे और नाथूराम गोडसे हिंदुत्ववादी थे। उन्होंने कहा कि हिंदू और हिंदुत्ववादी में फर्क होता है। हिंदू सत्य को ढूंढता है। मर जाए, कट जाए, फिर भी हिंदू सच को ढूंढता है। उसका रास्ता सत्य रहा। पूरी जिंदगी वो सच को ढूंढने में निकाल देता है। जबकि हिंदुत्ववादी पूरी जिंदगी सत्ता को ढूंढने और सत्ता पाने में निकाल देता है। वह सत्ता के लिए किसी को भी मार देगा। हिंदू का रास्ता सत्याग्रह होता है और हिंदुत्ववादी का रास्ता सत्ताग्रह होता है। राहुल ने कहा कि देश की सरकार कहती है कि कोई किसान शहीद ही नहीं हुए। मैंने पंजाब के लिए, हरियाणा से नाम लिए, पांच सौ लोगों की लिस्ट संसद में दी। उनसे कहा कि पंजाब की सरकार ने कंपनसेशन दिया है, आप भी दीजिए। उन्होंने नहीं दिया। राहुल ने कहा कि आप सब हिंदू हो, हिंदुत्ववादी नहीं। ये देश हिंदुओं का देश है, हिंदुत्ववादियों का नहीं। आज देश में दर्द है, महंगाई है तो ये काम आज हिंदुत्ववादियों ने किया है। उन्हें किसी भी हालत में सत्ता चाहिए। राहुल ने कहा कि 700 किसान शहीद हुए, यहां हमने दो मिनट मौन रखा, संसद में मौन रखने नहीं दिया। हम खड़े हुए मौन नहीं किया। चन्नी जी से पूछिए, चार सौ किसानों को पंजाब की सरकार ने 5 लाख रुपए दिए। उनमें से 152 को रोजगार दिला दिया है, बाकी को देने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने पीछे से छुरा घोंपा है। वे हिंदुत्ववादी हैं इसलिए पीछे से छुरा मारा। हिंदू आगे से वार करता है, पीछे से नहीं। हिंदुत्ववादी डराता है, धमकाता है, लेकिन मैं डरता नहीं हूं। मुझे सत्ता मिले न मिले, मैं सच्चाई का साथ देता रहूंगा। उन्होंने उद्योगपतियों को रियायत देने को लेकर भी मोदी पर तंज कसा। राहुल ने कहा- मोदीजी 24 घंटे यानी सुबह उठते ही कहते हैं, आज अडाणी को क्या देना है। ऐसे देश नहीं चलाया जाता है। देश गरीबों, किसानों, छोटे दुकानदारों का है, ये ही लोग इस देश को रोजगार दे सकते हैं। अडाणी अंबानी की जगह है, लेकिन वो रोजगार पैदा नहीं कर सकते। रोजगार छोटे बिजनेस वाले, किसान पैदा कर सकते हैं। भाषण के दौरान राहुल गांधी भूल गए कि पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी रैली में नहीं आए हैं। वे बार-बार चन्नी की मौजूदगी बताते रहे। उन्होंने दो बार चन्नी का नाम पुकारा, फिर सोनिया गांधी और अशोक गहलोत ने इशारा करके उन्हें बताया कि चन्नी रैली में नहीं आए हैं।

दुनिया घूम ली, किसानों से नहीं मिल पाए- प्रियंका

रैली में प्रियंका गांधी ने भी केंद्र सरकार और भाजपा की रीति-नीति पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता के लिए काम नहीं कर रही है। यह सिर्फ गिने-चुने उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। केंद्र की सरकार झूठ, लालच और लूट वाली सरकार है। गोवा में एक उद्योगपति के कोयले को इधर से उधर ले जाने के लिए लोगों की मर्जी के खिलाफ सड़क बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी पर्यटन में व्यस्त हैं। उन्होंने दुनिया घूम ली, लेकिन दिल्ली में किसानों से बातचीत करने नहीं जा पाए। भाजपा कहती है कि 70 साल में कुछ नहीं हुआ। मैं चुनौती देती हूं कि एक कोई संस्थान ऐसा बता दें, जो शिक्षा के लिए भाजपा ने इन सात सालों में बनाया है। प्रियंका ने लोगों के सामने अपनी एक शिकायत भी की। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आता है तो भाजपा के लोग जाति, धर्म, चीन-पाकिस्तान की बात करने लगते हैं। जब चुनाव हों तो इस भाजपा की सरकार से जवाब मांगें। उनसे पूछें कि आपने लोगों के लिए क्या किया है? किसान को देने के लिए पैसा नहीं है तो हजारों करोड़ का विमान क्यों खरीदा गया? उन्होंने कहा कि यह लोगों

पहले पीएम जो सीएम की चिट्ठी का जवाब नहीं देते- गहलोत

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि तमाम राज्य सरकारें वित्तीय संकट में हैं, केंद्र चुप है। विकास होगा राज्य सरकारें करेंगी। संकट आएगा, राज्य पार पा सकते हैं। कोरोना का संकट आया, राजस्थान सिरमौर रहा। नरेंद्र मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो मुख्यमंत्री के पत्र का जवाब नहीं देते हैं। यह सरकार घमंड से चल रही है। रैली में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत और अन्य सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि भी दी गई।

पायलट बोले- महंगाई कम करें, नहीं तो सरकार को हटा देगी जनता

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि जयपुर की इस रैली से मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। हम इस सरकार को मजबूर करेंगे कि या तो वह मंहगाई कम करे, नहीं तो जनता सरकार को हटा देगी। उन्होंने कहा कि हम एकजुटता के साथ ही देश के सामने मौजूद चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि महंगाई तो देश में बढ़ी ही है। इसके साथ-साथ देश की संस्कृति पर भी हमला हो रहा है। हमें यह पहचानना पड़ेगा कि हमें देश की संस्कृति पर चलना है या मोदी की संस्कृति पर?

अधीर रंजन की जुबान फिसली

रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन की जुबान फिसल गई। उन्होंने कहा कि मोदी दावा करते हैं कि वे देश में डिजिटल क्रांति लेकर आए, जबकि यह काम राहुल गांधी ने किया था। दरअसल, वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम लेना चाह रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदीजी खुद का अकाउंट बचा नहीं सकते, देशवासियों का क्या बचाएंगे। गौरतलब है कि शनिवार रात को प्रधानमंत्री मोदी का ट्विटर अकाउंट हैक हुआ था।

ANCHOR | पधारो म्हारे परदेस

अगले 3 माह में देश की 40% रॉयल वेडिंग राजस्थान में

कोविड ने विदेशों की उड़ानें रोक दीं तो मिला राजस्थान को फायदा

800 शादियां लाएंगी 15,000 करोड़ का कारोबार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। बीते दिनों प्रदेश में हुई कैटरीना-विक्की कौशल की वेडिंग के बाद राजस्थान और शाही शादियों का मेजबान बनने को तैयार है। अगले साढ़े तीन महीने में प्रदेश के विभिन्न शहरों के किले, हवेलियां और होटल 800 से ज्यादा रॉयल वेडिंग के गवाह बनेंगे। शाही शादियों से ही प्रदेश की वेडिंग इंडस्ट्री को लगभग 15,000 करोड़ रुपए का व्यापार मिलने का अनुमान है। दरअसल, एक रॉयल वेडिंग में 15 से 20 करोड़ रुपए खर्च होते है। उधर, शादियों में मेहमानों की लिमिट समाप्त करने से वेडिंग इंडस्ट्री को करीब 5,000 करोड़ रुपए की एक्स्ट्रा डोज मिलने की भी उम्मीद की जा रही है।

शादियों को अनलॉक करने से प्रदेश के 13,000 मैरिज गार्डन, 10,000 होटल और रिसोर्ट्स में से 90 फीसदी फरवरी तक बुक हो चुके है। इससे पांच लाख लोगों को सीधा रोजगार मिल रहा है। प्रदेश की जीडीपी में इसका योगदान 2 फीसदी से ज्यादा होने की संभावना है। काबिलेगौर है कि 14 नवंबर से शुरू हुआ वेडिंग सीजन अब परवान चढ़ रहा है। शादियों का यह सिलसिला मार्च, 2022 में जाकर थमेगा। ऑल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के मुताबिक मार्च 2022 तक शादी के लिए 34 शुभ मुहूर्त है।

एक शादी : 20 से ज्यादा क्षेत्रों के 2000 लोगों को काम

सेग्मेंट - हिस्सा	सेग्मेंट - हिस्सा
ज्वैलरी - 25 %	कैटरिंग - 15 %
टेंट गार्डन - 25 %	कपड़ा - 5 %

टॉप वेन्यू: जयपुर, उदयपुर, कुंभलगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, पुष्कर, माउंटआबू स.माधोपुर।

एक शादी से टेंट, डेकोरेटर, इवेंट, लाइव आर्केस्ट्रा, केटरिंग, गार्डन, होटल, हलवाई, लाइटिंग, बैंड, लवाजमा, ब्यूटी पॉर्लर, किराना, ज्वैलरी, कपड़ा, फुटवियर और रेडीमेड गारमेंट समेत 20 क्षेत्रों को सीधा लाभ

- » 20 करोड़ रुपए का कारोबार होता है एक रॉयल वेडिंग से।
- » 5000 करोड़ का अति. कारोबार होने की उम्मीद है अनलॉक से।

डेस्टिनेशन वेडिंग हब में अलग पहचान बना रहा है राजस्थान

फोर्टी यूथ विंग के अध्यक्ष धीरेंद्र राधव, फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, आल इंडिया टेंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि जिंदल बताते हैं- वेडिंग इंडस्ट्री रोजगार देने वाला बड़ा क्षेत्र है। पिछले साल कोरोना प्रतिबंधों से वेडिंग इंडस्ट्री सर्वाधित प्रभावित हुई थी। इस साल शादियों को अनलॉक करने वेडिंग इंडस्ट्री पटरी पर लौट आई है। पुराने किले-हवेलियां को हैरिटेल होटल और वेडिंग डेस्टिनेशन में बदलने के लिए इन्वेस्टमेंट कंपनियों और सरकार से वित्तीय प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

- » जयपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल पटेल के पोते समेत अन्य नामी लोग राजस्थान में शादी समारोह करेंगे।
- » बिडला परिवार ने जयपुर में शादी के लिए होटल और डेस्टिनेशन बुक किया।
- » गोयनका परिवार और एक चाय के एक नामी कारोबारी ने भी वेन्यू की बुकिंग कराई है।
- » बॉलीवुड की नामी सिने अभिनेत्री आलिया भट्ट की भी शादी प्रदेश में होगी।

अटल टिंकलिंग लैब का उद्घाटन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रावत सीनियर सेकेंडरी स्कूल, विवेक विहार में अटल टिंकलिंग लैब का उद्घाटन किया गया। विद्यार्थियों में नवाचार को बढ़ाने एवम रचनात्मक सोच को स्थापित करने के लिए विद्यालय में इस लैब की स्थापना की गई है।

इससे विद्यार्थियों को प्रायोगिक शिक्षण के माध्यम से समझने में मदद मिलेगी एवम वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत, निदेशक हेमेंद्र रावत एवम नरेंद्र सिंह रावत ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल सुशीला नेगी ने सभी विद्यार्थियों को नवाचार युक्त शिक्षण हेतु प्रोत्साहित किया।

CDS रावत और शहीद सैनिकों को अमर-जवान-ज्योति पर श्रद्धांजलि

गहलोत बोले-गर्व है मैं राजस्थान का मुख्यमंत्री हूँ

यहां के घर-घर से त्याग-बलिदान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सेना के चॉपर हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दिवंगत हुए सीडीएस बिपिन रावत और सेना के अधिकारियों-सैनिकों को जयपुर में अमर जवान ज्योति स्मारक पर श्रद्धांजलि दी गई।मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ ही सरकार के मंत्रियों और तीनों सेनाओं के उच्च अधिकारियों ने सैन्य सम्मान के साथ दिवंगतों के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। गहलोत ने कहा मुझे गर्व है कि मैं राजस्थान का मुख्यमंत्री हूँ।

सीडीएस रावत और शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सुबह 10.30 बजे अमर जवान ज्योति पहुंचकर दिवंगत सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान शहीदों के सम्मान में सेना के बैंड और सशस्त्र सलामी से माहौल गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने जनरल बिपिन रावत और सभी हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन होने वाले सभी शहीदों को नमन किया। गहलोत के साथ ही मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास,शकुंतला रावत,सुभाष गर्ग,रमेश मीणा,ममता भूपेश और सेना के जीओसी,लेफ्टीनेंट जनरल,पूर्व सैन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि दी।

पूरा देश इन शहीदों के परिवारों के साथ

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश वासियों में इस दुर्घटना से शोक की लहर है। जनरल रावत का सेना में बड़ा लम्बा अनुभव था। देश इस घटना को कभी नहीं भूल पाएगा। पूरा देश इन शहीदों के परिवारों के साथ है। राजस्थान के भी दो सेना के अधिकारी शहीद हुए हैं, लेकिन सीमाओं पर शहीद होने वाले सैनिक किसी प्रदेश के नहीं देश के होते हैं। इससे पूरा देश दुखी होता है।

राजस्थान के घर-घर से बलिदान,गर्व है मैं राजस्थान का सीएम हूँ

गहलोत ने कहा राजस्थान को गर्व है कि राजस्थान के घर-घर में ऐसे जवान हैं, जो देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। मैं ऐसे प्रदेश का मुख्यमंत्री हूँ जिसके घर-घर से जवान देश के लिए त्याग-बलिदान करने की भावना रखते हैं। देश की रक्षा करते हुए राजस्थान से कितने ही शहीद हुए हैं। करगिल युद्ध और उसके बाद भी बड़ी संख्या में यहां के जवान शहीद हुए हैं। करगिल युद्ध के दौरान 55-56 शहीदों के घर मैं खुद गया था। गहलोत ने कहा कि मुझे मालूम है, उनके परिवार में कितना जज्बा है। एक तरफ उनकी बॉडी आती है,दूसरी तरफ उनके मां-बाप,दादा-दादी कहते हैं कि हम अपने दूसरे बच्चे को सेना में भेजने के लिए तैयार हैं। मैंने यह जज्बा देखा है इस बात का मुझे गर्व है।

राजस्थान में इस सप्ताह बड़ी नियुक्तियों की संभावना

तीन साल से खाली पड़े बोर्ड-निगमों में अध्यक्ष-सदस्य नियुक्त करने और संसदीय सचिव बनाने की तैयारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कांग्रेस की जयुपर रैली के बाद एक बार फिर अब राजनीतिक नियुक्तियों की चर्चा शुरू हो गई है। इस सप्ताह बड़ी तादाद में नेताओं को राजनीतिक नियुक्तियां देने की संभावना है। तीन साल से खाली बोर्ड-निगमों और आयोगों में अध्यक्ष बनाकर विधायकों को राजी करने पर विचार चल रहा है। संसदीय सचिव बनाए जाने पर भी इसी सप्ताह फैसले के आसार हैं। कांग्रेस की रैली के कारण यह काम अटक गया था, जिसे अब फिर से गति मिलने के आसार हैं। 17 दिसंबर को गहलोत सरकार की तीसरी वर्षगांठ है। इसी के आसपास संसदीय सचिवों की नियुक्ति के साथ बोर्ड निगमों में अध्यक्ष बनाए जा सकते हैं। मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद कई विधायक नाराज हैं। उन्हें अब बोर्ड- निगमों में अध्यक्ष बनाकर या ससंदीय सचिव बनाकर राजी किया जाएगा। बसपा से कांग्रेस में आए 5 में से तीन विधायकों को खाली पड़े बोर्डों में अध्यक्ष बनाया जा सकता है। एक से दो को संसदीय सचिव बनाया जा सकता है। निर्दलियों और कांग्रेस विधायकों को भी एडजस्ट किया जाएगा।

तीन साल से खाली पड़े हैं बोर्ड, आयोग अध्यक्षों और सदस्यों के पद

सरकार बने 17 दिसंबर को तीन साल पूरे हो रहे हैं। बोर्ड, निगमों और आयोगों में अध्यक्ष-सदस्यों के पद 3 साल से खाली चल रहे हैं। इनमें नेताओं को अध्यक्ष-सदस्यों के खाली पदों पर एडजस्ट किया जाएगा।

इन निगम, समितियों, प्राधिकरणों में अध्यक्ष-सदस्यों के पद खाली

राजस्थान पर्यटन विकास निगम आरटीडीसी, राजस्थान राज्य बीज निगम, जन अभाव अभियोग निराकरण समिति, लघु उद्योग विकास निगम, बुनकर सहकारी संघ,मेला विकास प्राधिकरण, जयपुर, जोधपुर,अजमेर विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष पद, 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति में उपाध्यक्ष और सदस्य, सेंटर फॉर डेवलपमट ऑफ वॉलेंटरी सेक्टर।

7 अकादमियों में अध्यक्ष पर पर नियुक्तियां बाकी

साहित्य अकादमी, उर्दू अकादमी, संस्कृत अकादमी, बृजभाषा अकादमी, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी, सिंधी भाषा अकादमी।

14 यूआईटी के अध्यक्ष पद खाली

आबू, अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर,चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, कोटा, पाली, सीकर, श्रीगंगानगर, सवाईमाधोपुर, उदयपुर यूआईटी में अध्यक्ष।

राजनीतिक नियुक्तियों की सूची तैयार, घोषणा होना बाकी

पार्टी के विश्वस्त सूत्रों की माने तो राजनीतिक नियुक्तियों की सूची बनकर तैयार है, बस केवल घोषणा का ही इंतजार है ।राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर पूर्व में प्रदेश प्रभारी अजय माकन, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच फाइनल चर्चा हो चुकी है।

विधायकों को मंत्री का दर्जा और वेतन-भत्ते नहीं मिलेंगे

विधायकों को बोर्ड, निगमों और आयोगों में अध्यक्ष पद से लेकर संसदीय सचिव तक बनाए जाने पर मंत्री का दर्जा, वेतन भत्ते नहीं मिलेंगे। विधायकों को लाभ के पद के दायरे से बाहर करने के लिए यह तरकीब निकाली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत यह पैटर्न अपनाने के संकेत दे चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और कानूनी प्रावधानों के अनुसार, विधायक-मंत्री को छोड़कर कोई भी ऐसे पद पर नहीं रह सकता, जिसमें वेतन भत्ते मिलते हो। 6 विधायकों को मुख्यमंत्री का सलाहकार बनाए जाने पर बीजेपी ने लाभ का पद होने का सवाल उठाते हुए राज्यपाल से शिकायत की थी। मुख्यमंत्री के सलाहकारों को वेतन भत्ते और मंत्री का दर्जा नहीं मिलेगा।

सरकार ने छूट को वापस लिया

अवाप्तशुदा जमीन पर बसी कॉलोनियों का नियमन नहीं

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान सरकार लगातार रियायतों का तोहफा दे रही है। मगर कई मामलों में उसे बैकफुट पर भी आना पड़ रहा है। सरकार ने अवाप्तशुदा जमीनों पर बसी कॉलोनियों के नियमन नहीं करने का फैसला किया है। इसके लिए पूर्व में दी जा रही छूट को वापस लिया है। आदेश से आवासन मण्डल व निकायों की अवाप्तशुदा भूमि एवं निकायों की भूमियों पर बसी कॉलोनियों के मास्टरप्लान, जोनल डवलपमेंट प्लान स्वीकृत की गई योजनाओं के अनुरूप पट्टे नहीं मिल सकेंगे। आदेश में बताया कि अभियान के लिए 28 सितंबर, 2021 को जारी आदेश के बिन्दु संख्या 10 को सक्षम स्तर पर आस्थगित करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में इस बिन्दु संख्या दस के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जा सकेगी।

मगर कई निकायों ने जारी किए पट्टे

पूर्व में दिए गए आदेश के चलते कई निकायों ने इस तरह की अवाप्तशुदा कॉलोनियों के पट्टे जारी कर दिए हैं। पुराने आदेश को खत्म करने के लिए जारी आदेश में जारी हो चुके पट्टों के संबंध में कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में निकायों के सामने संशय पैदा हो गया है कि पूर्व में जारी पट्टों के निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाए या नहीं।

28 सितंबर को जारी किया था आदेश

यूडीएच ने 28 सितंबर, 2021 को जारी आदेश के बिन्दु संख्या दस में आवासन मण्डल के निकायों की अवाप्तशूदा भूमि जिन पर आवासीय कॉलोनियां, हॉस्टल निर्मित हो चुके हैं। इस वजह से अवाप्ति का मूल उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सका। ऐसे खसरा नंबरों की भूमियों का उनके मौके की स्थिति व मास्टर प्लान जोनल प्लान के मद्देनजर जनहित में पट्टे दिए जा सकेंगे। इसके लिए अवाप्तशुदा भूमि के भुगतान किए गए मुआवजा राशि की राशि मय देय ब्याज का मण्डल को निकाय और से पुनर्भरण किया जाएगा।

जयपुर के रामबाग पैलेस को 'बेस्ट लग्जरी होटल' का खिताब

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर के द आइकोनिक रामबाग पैलेस को बेस्ट लग्जरी होटल का अवार्ड मिला है। यह होटल देश के विख्यात ताज होटल ग्रुप की चेन है। यह अवार्ड ट्रैवल प्लस लेजर इंडिया मैगजीन ने दिया है। पाठकों के माध्यम से मैगजीन ने सर्वे कराया। इसके बाद 'ट्रैवल प्लस लेजर इंडियाज बेस्ट अवार्ड्स 2021 की घोषणा की गई। रामबाग पैलेस जितना आलीशान है, उतना ही महंगा भी। इसे देश का सबसे महंगा होटल भी कहा जाता है। होटल में सुख निवास एंड सूर्यवंशी सुइट सबसे महंगा है। इसके कमरों से नाहरगढ़ किला और अरावली का हिल व्यू देखा जा सकता है। होटल के कमरे आपको महाराजा या महारानी की फीलिंग देते हैं। इसमें अलग-अलग रूम और सुइट का किराया 2.50 लाख से 10 लाख रुपए तक है। इतने पैसों में कोई कार तक खरीद सकता है। इसमें एक रॉयल डाइनिंग रूम और एक मास्टर बेडरूम के साथ ड्रेसिंग एरिया है। इस सुईट में कई सेलेब्स, रॉयल फैमिली के लोग, बिजनेसमैन,फॉरेनर्स रुकना पसंद करते हैं। दैनिक भास्कर आपको 15 तस्वीरों में दिखा रहा है रामबाग पैलेस होटल की लग्जरी और खूबसूरती।

राज्य को यूरिया की पर्याप्त आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर प्रदेश में किसानों को समय पर पर्याप्त यूरिया खाद मुहैया कराने का आग्रह किया है। गहलोत ने स्वीकृत आवंटन के अनुपात में प्रदेश को यूरिया की अपर्याप्त आपूर्ति की ओर प्रधानमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया है। इसके पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य ने भी केन्द्रीय कैबिनेट सचिव राजीव गाबा को पत्र लिखकर एवं दूरभाष पर वार्ता करके राज्य को यूरिया की आपूर्ति बढ़ाने हेतु आग्रह किया था। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं आयुक्त कृषि भी केन्द्रीय उर्वरक मंत्रालय जाकर यूरिया खाद की कम आपूर्ति से प्रदेश के किसानों को आ रही कठिनाइयों से अवगत करा चुके हैं। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा हर सप्ताह की जाने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी राज्य सरकार यूरिया की आपूर्ति बढ़ाने के लिए आग्रह करती रही है। इन प्रयासों से भारत सरकार ने दिसम्बर माह में 3.52 लाख मैट्रिक टन यूरिया के आवंटन की पूर्ण आपूर्ति किये जाने एवं राज्य को प्रतिदिन कम से कम 5 रैक यूरिया जिसमें 15000 मैट्रिक टन मात्रा आती है, उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में रबी सीजन के दौरान सामान्यत: 90 से 95 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में बुवाई होती है, जिसके लिए 13.50 लाख मैट्रिक टन उर्वरक की आवश्यकता रहती है।

जागरूक खबरें

राज्य कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक आज

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक कल मुख्यमंत्री निवास पर होगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार को बुलाई है। सुबह 11:30 बजे कैबिनेट की बैठक और उसके बाद 12:15 बजे मंत्रिपरिषद की बैठक रखी गई है। बैठक के लिए ऑफिशियल कार्य सूची जारी नहीं हुई है। इस बैठक में सरकार के 3 साल का कार्यकाल पूरा होने पर कुछ नई घोषणाएं की जा सकती हैं। संविदाकर्मियों को नियमित करने की मांग, शिक्षा विभाग में तबादला नीति, किसानों और बेरोज़गार युवाओं को लेकर भी फैसले किए जाने की संभावना है। बैठक में प्रशासन शहरों और गांवों के संग अभियान के प्रोग्रेस पर चर्चा कर कुछ छूट देने पर भी सरकार फैसला कर सकती है । उधर, कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद आज से ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी में मंत्रियों की जनसुनवाई भी शुरू होने जा रही है। पीसीसी में दोपहर 2 बजे होने वाली जनसुनवाई में शिक्षा मंत्री डॉ बीडी कल्ला, श्रम मंत्री सुखराम विश्नोई कांग्रेस नेता,कार्यकर्ता और आम लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

भारत विकास परिषद द्वारा 51 वे दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद स्मृति चिन्ह भेट

जयपुर @ जागरूक जनता। भारत विकास परिषद (उत्तर-पूर्व) राजस्थान प्रान्त के तत्वाधान मे परिषद सदस्य रवि शर्मा की सुपुत्री सौ. कां. रूचि शर्मा के विवाह अवसर पर 51वॉ आशीर्वाद स्मृति चिन्ह भेट किया। इस अवसर पर पार्षद महेन्द्र शर्मा व संस्था पदाधिकारी उपस्तिथ रहे। कार्यक्रम प्रयोजक एवं सयोजक प्रांतीय मिडिया प्रकल्प प्रमुख नगेन्द्र वशिष्ठ ने बताया की 2017 से परिषद सदस्यओ के उन सभी बच्चों को जिनके वॉछित विवरण सहित फोटो विवाह के 7दिन पूर्व सयोंजक को प्राप्त होते है आशीर्वाद स्मृति चिन्ह भेट करने का पूर्ण प्रयास रहा व भविष्य मे भी रहेगा।

प्रोफेशनल कोर्स पास बेरोजगारों को बिना ट्रेनिंग मिलेगा भत्ता

अगले माह से बदलेंगे बेरोजगारी भत्ते के नियम

3 महीने की स्किल ट्रेनिंग व 4 घंटे रोज की इंटर्नशिप की योजना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता लेने वालों के लिए सरकार ने 3 महीने की स्किल ट्रेनिंग व 4 घंटे रोज की इंटरशिप अनिवार्य कर दी। हालांकि प्रोफेशनल कोर्स कर चुके बेरोजगारों को स्किल ट्रेनिंग नहीं लेनी होगी। ऐसे आवेदकों को विभाग को सूचना देनी होगी, जिन्होंने बीएड, बीटेक, एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग बीफार्मा डिग्री या डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कर रखा है। आवेदकों को स्किल ट्रेनिंग की जरूरत नहीं है। ऐसे आवेदकों का आवेदन सत्यापन कर दिया जाएगा। विभाग के अनुसार प्रदेश में 1.60 लाख युवाओं को पहले भत्ता दिया जा रहा था, जिसे बढ़ाते हुए सरकार ने दो लाख युवाओं को भत्ता देने का निर्णय लिया है। ट्रेनिंग से छूट के लिए आवेदक को स्किल ट्रेनिंग या प्रोफेशनल कोर्स का सर्टिफिकेट अपलोड कराना होगा। सत्यापन के बाद ही ट्रेनिंग से छूट मिल सकेगी। आवेदक ने स्नातक स्तर की पढ़ाई कर ली है और बेरोजगार भत्ते के लिए आवेदन करने जा रहा है तो अब भत्ता मुफ्त में नहीं मिलेगा। इसके लिए नजदीकी सरकारी विभाग में 4 घंटे तक ड्यूटी देनी होगी। अगर आपके पास कोई प्रोफेशनल डिग्री या डिप्लोमा नहीं है तो राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) से पहले 3 महीने का प्रशिक्षण भी लेना होगा। आवेदकों को 3 माह की ट्रेनिंग की जिम्मेदारी (आरएसएलडीसी) के पास है। जो स्किल ट्रेनिंग कोर्स है। वे स्नातक लेवल के नहीं है। अब बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदनकर्ताओं को ट्रेनिंग करवाने के लिए उसकी डिग्री के अनुसार तैयार किया जाएंगे।

अगले माह से शुरू

जनवरी से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना-2021 में भत्ता में एक हजार की बढ़ोतरी के साथ पुरुषों को 4000, महिलाओं व विशेष योग्यजनों को 4500 रुपए मिलेगा। गौरतलब है कि बेरोजगारी भत्ते के प्रदेश में 5.98 लाख आवेदन आए। इसमें से 3.29 लाख शेष पेंडिंग पड़े हैं। वहीं 2 लाख 59 हजार 266 को 1215.75 करोड़ भत्ता मिल चुका है। वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए बजट प्रावधान 1015.45 करोड़ रुपए है। ऐसे में प्रदेश सरकार 1 लाख 51 हजार 507 पुरुष व 1 लाख 07 हजार 759 महिलाओं को बेरोजगारी भत्ता दे चुकी है। इस दौरान बेरोजगारी भत्ते के लिए 3 महीने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी।

3 शहरों के लिए अनरिजर्व ट्रेन शुरू, एमएसटी भी मान्य होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा जयपुर की 3 और जोधपुर की 1 ट्रेन में अनरिजर्व (अनारक्षित) टिकट से यात्रा शुरू कर दी गई है। साथ ही इन ट्रेनों में मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) भी शुरू कर दी गई है। जयपुर की जयपुर-उदयपुर-जयपुर (09721/22) में डी -1,2, उदयपुर-जयपुर-उदयपुर (12991/92) में डी -1,2,9,10, जयपुर-जोधपुर-जयपुर (22977/78) में डी -1,11 और जोधपुर की जोधपुर-जैसलमेर-जोधपुर (14809/10) में डी -1,4 में साधारण टिकट लेकर यात्रा की जा सकती है।

यानि अब ट्रेनों के इन निर्धारित कोच में रेलवे रिजर्वेशन टिकट नहीं देगा। फिलहाल जोनल रेलवे अपने क्षेत्राधिकार की ट्रेनों में इस सुविधा को शुरू कर रहा है। यानि उत्तर मध्य रेलवे (आगरा), पश्चिम मध्य रेलवे (कोटा/भोपाल) और उत्तर रेलवे (दिल्ली) अपने क्षेत्राधिकार से जयपुर आने वाली ट्रेनों में भी इसे लागू करेगा। अभी 102 ट्रेनों में मासिक सीजन टिकट (एमएसटी) जारी की जा रही हैं।

सीखने की बात

अपनी जरूरत के लिए धन कमाना अच्छी बात है, किन्तु धन-दौलत जमा करने की भूख होना बुरी बात है...

\- अज्ञात

लोकतंत्र के लिए

लोकतंत्र एक कठिन मार्ग है, लेकिन उस पर चलने की पैरोकारी की हर कोशिश का स्वागत होना चाहिए। दुनिया में आधे से ज्यादा देशों में आज अगर लोकतंत्र स्थापित है, तो यह प्रमाण है कि संसार के ज्यादातर लोग लोकतंत्र को पसंद करते हैं। आधुनिक लोकतंत्र की स्थापना करने वाले अग्रणी राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बुलावे पर विश्वस्तरीय ऑनलाइन लोकतंत्र सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इसमें पाकिस्तान को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उसने आखिरी वक्त में भाग लेने से इनकार कर दिया है। दरअसल, इस सम्मेलन में चीन को आमंत्रित नहीं किया गया है और चीनी सत्ता प्रतिष्ठान विगत दिनों से अपनी नाराजगी लगातार जाहिर करने में लगा हुआ है। चीन में भले ही लोकतंत्र नहीं है, पर वह अपनी व्यवस्था को समाजवादी लोकतंत्र से कम नहीं मानता। एक समय तक अमेरिका चीनी व्यवस्था की ओर से आंखें मूंदे हुए था, पर जब चीनी व्यवस्था अमेरिका पर हावी होने लगी, तब उसकी नींद टूटी। लोकतंत्र पर सम्मेलन शायद अलोकतांत्रिक चीन को घेरने की अमेरिकी कोशिश ही है। हाल ही में अमेरिका चीन में आयोजित विंटर ओलंपिक में भाग लेने से इनकार कर चुका है, इससे भी चीन का रोष स्वाभाविक है।

निस्संदेह, बाइडन का आमंत्रण ठुकराकर पाकिस्तान ने चीन को खुश करने की कोशिश की है और अपनी एक पुरानी पड़ती नाराजगी का भी मुजाहरा किया है। बाइडन को सत्ता संभाले दस महीने से भी ज्यादा बीत गए, लेकिन उन्होंने इमरान खान को एक फोन तक नहीं किया है। इसके पीछे अमेरिका की जो रणनीति है, वह धीरे-धीरे साफ होने लगी है। पाकिस्तान जैसे-जैसे चीन के पहलू में जाएगा, अमेरिका की तल्खी वैसे-वैसे बढ़ती जाएगी। पाकिस्तान अभी चीन के साथ खड़े होने में अपना हित देख रहा है और चीन उसे अपना 'आयरन ब्रदर' या 'भाई' करार दे रहा है। हर देश को लाभ-हानि सोचने का हक है, पर पाकिस्तान को ठीक से सोच लेना चाहिए। उसे यदि चीन से आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक मदद मिल रही है, तो क्या भविष्य में उसको अमेरिका की जरूरत नहीं पड़ेगी? क्या पाकिस्तान को चीन के रूप में नया अमेरिका मिल चुका है?

बहरहाल, हमारे लिए यह बड़ा सवाल है कि भारत की जगह कहां है। भारत राजनीतिक, कूटनीतिक, आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। यहां तमाम विविधताओं के बावजूद लोकतंत्र सलामत है और दुनिया के बहुत से देशों के लिए ईर्ष्या की वजह है। हमें अपने लोकतंत्र को और मजबूत व समावेशी बनाना चाहिए। बाइडन ने इस सम्मेलन में लोकतंत्रों में आ रही गिरावट पर चिंता का इजहार किया है, तो दुनिया के 100 से ज्यादा लोकतांत्रिक देशों को अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। यह अच्छी बात है कि दुनिया में इक्का-दुक्का लोकतांत्रिक देश ही ऐसे हैं, जिनका मकसद साम्राज्यवादी है या जो ताकत के जोर पर अपने भूगोल का विस्तार चाहते हैं। जो लोकतांत्रिक होगा, वही संवाद से आगे की राह तय करेगा और जिसका संवाद पर भरोसा नहीं होगा, वह धूर्तताओं और बंदूकों के सहारे आगे बढ़ेगा। राष्ट्रपति बाइडन के नेतृत्व में अमेरिका को भी अपनी वैश्विक नीतियों की समीक्षा करनी चाहिए। क्या अमेरिका दुनिया में लोकतंत्रों को मजबूत करने की दिशा में वाकई ईमानदार होने जा रहा है?

सम्पादकीय

टीका एक और

कोरोना नाम सुनते ही एक सिहरन सी उठती थी, अब न वह डर, न नियमों की पालना। लेकिन एक सच यह भी है कि न दुनिया महामारी पर ठिठकी है और न विज्ञान कोरोना पर ठहरा है। दूसरी व्याधियों पर भी शोध जारी हैं और टीकों व दवाइयों की खोज भी निरंतर चल रही है। इसी बीच एक बड़ी खुशखबरी यह भी है कि एक खतरनाक श्वसन रोग से जुड़ी दवा या टीके की निर्माण प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। एक प्रभावी आरएसवी टीका मानव जाति की पहुंच के भीतर है : टीका भी कोई एक नहीं, चार-चार टीके पुख्ता होने के कगार पर पहुंच गए हैं। श्वसन रोग के लिए जिम्मेदार एफ प्रोटीन संरचना को समझे आठ साल बीत चुके हैं, और तभी से एक मुकम्मल टीके को अंतिम रूप देने की कोशिश हो रही है। वैज्ञानिकों ने साल 2013 से ही आरएसवी2 को निशाना बना रखा है। आरएसवी2 मतलब रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस। यह इंसानों के श्वसन मार्ग में संक्रमण का कारण बनता है। यह गंभीर संक्रमण है, जो हर साल दुनिया भर में 6.4 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। यह हर साल 5 साल से कम उम्र के 30 लाख बच्चों और लगभग 3,36,000 वयस्कों को अस्पताल में भर्ती होने पर मजबूर कर देता है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया था कि साल 2017 में छोटे बच्चों में आरएसवी से जुड़े संक्रमणों की वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल लागत 5.45 अरब अमेरिकी डॉलर थी। दम फूलने और सांस लेने में तकलीफ की यह बीमारी दुनिया के लगभग सभी देशों में पाई जाती है। इसका टीका आने से असंख्य बच्चों व वयस्कों को एक बड़ी तकलीफ से निजात मिलेगी। वैसे कोविड-19 भी श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है, पर यह बहुत अलग है। कोविड-19 नई बीमारी या महामारी है, जबकि आरएसवी2 ने सदियों से परेशान कर रखा है। शोधकर्ता दशकों से इसके उपचार के लिए वैक्सीन विकसित करने में लगे हैं, और पहले कुछ विशेष विनाशकारी विफलताएं हासिल हुई हैं। 1960 के दशक में वैज्ञानिकों ने दावा किया था कि उन्होंने टीका बना लिया है, लेकिन परीक्षण में ही उस टीके ने बीमारी को बढ़ा दिया था और दो बच्चों की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही वैज्ञानिकों ने अपने शोध की दिशा बदल दी थी। वह समझ नहीं पा रहे थे कि श्वसन में आने वाली समस्या की मूल वजह क्या है। साल 2013 में एक मूल वजह मतलब एफ प्रोटीन की खोज ने वैज्ञानिकों के उत्साह को बढ़ा दिया और वह तभी से टीका बनाने में लगे हैं। गौर करने की बात है कि फरवरी 2020 में जब कोरोना वायरस ने कहर ढाना शुरू किया, तब विज्ञान पत्रिकाओं में एक शोध प्रकाशित हुआ। संरचनात्मक जीवविज्ञानी जेसन मैकलेलन और उनकी टीम ने मानव कोशिकाओं पर आक्रमण करने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रमुख प्रोटीन की संरचना को अपनी रिपोर्ट में उजागर कर दिया था। मतलब यह मानव जाति के लिए बड़ी खुशनसीबी ही थी, जब कोविड-19 ने दुनिया को सताया, तब मानव जाति श्वसन को प्रभावित करने वाले प्रोटीन की संरचना को समझ चुकी थी। इसी संरचना को लेकर वैज्ञानिक तत्काल कोरोना की वैक्सीन बनाने में लग गए और जल्दी कामयाब हुए। जो लोग कोरोना वैक्सीन जल्दी बनने से अचंभित हैं, उनके लिए यह सूचना रोमांचकारी है।

घर के बुजुर्ग संस्कारों की पूरी एक किताब होते हैं। जहां बच्चे हर पल कुछ ना कुछ जीवन के नए आयाम सीखते ही रहते हैं। कुछ परिवारों में यह भी देखा गया है कि शिक्षा से जुड़े कार्यों को भी नाना-नानी या दादा-दादी ही पूरा कर दिया करते हैं। इसे वे अपनी जिम्मेदारी के तौर पर पूरी निष्ठा से करते है।

दादी-नानी के प्यार का मोल फिर समझ आने लगा

क्षमा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

दादी-नानी की कहानियां भी खूब कही-सुनी जाती थीं, जिनमें किसी न किसी प्रकार की सीख छिपी रहती, जैसे कि खाने से पहले हमेशा हाथ धोने चाहिए, बड़ों का आदर करना चाहिए, उनकी बात माननी चाहिए, खाना खराब नहीं करना चाहिए, गरीब की हमेशा मदद करनी चाहिए, पशु-पक्षियों पर दया करनी चाहिए आदि।

पिछले दिनों अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में शोध हुआ। इसमें पाया गया कि जब दादा-दादी, नाना-नानी को उनके नाती-नातिन, पोते-पोतियों की तस्वीरें दिखाई गईं, तो उनके दिमाग का वह हिस्सा सक्रिय हो गया, जो अधिक भावनात्मक होता है; जो दूसरे के दुख में दुखी और सुख में सुखी महसूस करता है। अध्ययन बताता है कि खासकर दादी, नानी अपनी संतानों की तुलना में पोते-पोतियों के अधिक करीबी महसूस करती हैं। एमोरी यूनिवर्सिटी में नृविज्ञान, मनोचिकित्सा व व्यवहार विज्ञान के प्रोफेसर जेम्स रिलिंग की मानें, तो दादी की मौजूदगी पोते के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। इस शोध में यह भी पता चला है कि अधिकांश मामलों में दादा की तुलना में दादी और नाना की तुलना में नानी का अपने नाती-पोतों से ज्यादा लगाव होता है।

जब इस शोध के बारे में पढ़ रही थी, तब लगा कि अरे, अमेरिका में यह बात इतनी देर से पता चली, अपने यहां तो कहावत है, मूल से ज्यादा सूद प्यारा होता है। यानी, अपने बच्चों से ज्यादा बुजुर्ग नाती, पोतों, नातिन, पोती को प्यार करते हैं। शायद बच्चों के साथ भी ऐसा ही होता होगा। प्रेमचंद की कहानी ईदगाह इस बात की गवाह है।

यही नहीं, ऐसी घटनाएं भी देखने-सुनने में आती हैं कि एक पोते को जब पता चला कि उसकी दादी वृद्धाश्रम में हैं, तो वह उन्हें गोद में उठाकर घर ले आया। आपको याद होगा कि पिछली पीढ़ियों के बच्चे गरमी की छुट्टियों का कितना इंतजार करते थे, ताकि दादा-दादी, नाना-नानी के पास जा सकें, और बुजुर्ग भी तब कितना इंतजार करते थे। अपने बच्चों के मुकाबले बच्चों के बच्चों की पसंद की मिठाइयां, पराठे, अचार जैसे तमाम खाद्य पदार्थ बनाए जाते थे। बहुत से घरों में इन दिनों बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाने की जिम्मेदारी भी बुजुर्ग उठा लेते थे। दादी-नानी की कहानियां भी खूब कही-सुनी जाती थीं, जिनमें किसी न किसी प्रकार की सीख छिपी रहती, जैसे कि खाने से पहले हमेशा हाथ धोने चाहिए, बड़ों का आदर करना चाहिए, उनकी बात माननी चाहिए, खाना खराब नहीं करना चाहिए, गरीब की हमेशा मदद करनी चाहिए, पशु-पक्षियों पर दया करनी चाहिए आदि। इन बातों में पर्यावरण से लेकर पानी और खाने की बर्बादी न करने की कितनी हिदायतें, अपनी संस्कृति, तीज-त्योहार, पर्व, फसलों, मानवता से जुड़ी तमाम बातों आदि की जानकारी यूं ही चलते-फिरते, कहानी सुनाते दे दी जाती थी। इनमें आवश्यक रूप से बुराई पर अच्छाई की विजय की भावना भी छिपी होती थी। आज बहुत से परिवारों में बच्चों को ये सब बातें सिखाने के लिए अनेक संस्थानों की मदद लेनी पड़ती है।

एक तरह से घर के बुजुर्ग ऐसी पाठशाला होते थे, जिनसे पढ़ने और शिक्षा लेने की कोई फीस देनी नहीं पड़ती थी, बल्कि हमेशा प्यार ही प्यार मिलता था। कोरोना काल में परिवार की जरूरत बेहद शिददत से महसूस की गई है। बहुत से परिवार जो अलग-अलग रहते थे, इकट्ठे रहने आ गए हैं। अगर आपके पास सब कुछ है, पर मानव संसाधन नहीं, तो आपदा में आप एकदम अकेले ही हैं। पैसा या संसाधन इंसान की जगह नहीं ले सकते। जो माता-पिता 'वर्क फ्रॉम होम' कर रहे थे और उनके काम के घंटे बेतहाशा बढ़ गए थे, घर में बुजुर्गों के होने के कारण उन्हें बहुत हद तक बच्चों की देखभाल की चिंता से मुक्ति मिली। बच्चे किसी बाहरी सहायता (मेड या डे केयर) पर निर्भर न होकर दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हमेशा ही सुरक्षित थे। वे उनके साथ न केवल पढ़-लिख रहे थे, बल्कि हंस रहे थे, कहानियां सुन रहे थे, नाच-गा रहे थे। वे उनकी सुरक्षा की मजबूत दीवार भी थे।

घर के बुजुर्ग संस्कारों की पूरी एक किताब होते हैं। जहां बच्चे हर पल कुछ ना कुछ जीवन के नए आयाम सीखते ही रहते हैं। कुछ परिवारों में यह भी देखा गया है कि शिक्षा से जुड़े कार्यों को भी नाना-नानी या दादा-दादी ही पूरा कर दिया करते हैं। इस कार्य को वे किसी काम के तौर पर नहीं अपनी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और पूरी निष्ठा से करते भी है। देश-दुनिया में अनेक शोधों में यह बात खुलकर सामने आ चुकी है कि परिवार के बुजुर्गों के साथ रहने वाले बच्चे ज्यादा बुद्धिमान, गतिशील और ऊर्जावान माने गए हैं। उनके कार्य करने की क्षमता, सोचने की शक्ति के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माने गए हैं।

बहुत से माता-पिता ने यह भी बताया कि वे बच्चों से कुछ करने के लिए अगर कहते हैं, तो कई बार वे नहीं सुनते, पर दादा-दादी या नाना-नानी की सारी बातें मान लेते हैं। आखिर क्यों? कोई तो सूत्र है, जो बच्चों को उनसे जोड़ता है। इसके अलावा जब माता-पिता डांट रहे हों, तब कोई है, जो बच्चों को उनकी डांट से बचा सकता है। अक्सर वे दादा-दादी और नाना-नानी ही होते हैं। वही हैं, जो बच्चों की हर बात सुनते हैं, उनकी शिकायतों को चुटकियों में दूर करने की कोशिश करते हैं। आश्चर्य नहीं, ब्रिटेन में एक कंपनी ने अपने उन कर्मचारियों के लिए सभुगतान अवकाश का प्रावधान कर दिया है, जो अपने नाती-पोतों की सेवा करना चाहते हैं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

ओपिनियन

लोगों में छोटे परिवार को लेकर जागरूकता आई है, दो बच्चों के बीच अंतराल रखा जा रहा है, बच्चों की अच्छी शिक्षा और आर्थिक समृद्धि की ओर माता-पिता का रुझान बढ़ा है। यहां तक कि गरीब लोग भी इस ओर ध्यान दे रहे हैं, जागरूक हो रहे हैं।

जागरूकता के कारण घटने लगी आबादी

मन्जु माहेश्वरी
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

बेशक आजादी के बाद से जनसंख्या वृद्धि एक विकराल समस्या के रूप में सामने आई। लेकिन हाल ही यह संकेत मिला है कि भारत में राष्ट्रीय प्रजनन दर 2.2 से 2 तक पहुंच गई है, दरअसल राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 की ताजातरीन रिपोर्ट इस बात का खुलासा करती है। तो क्या हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि आने वाले समय में देश की आबादी घटने लगेगी। इससे पहले मेडिकल जर्नल 'लैंसेट' ने भी जताया था कि इस सदी के अंत में भारत की आबादी घटते-घटते तकरीबन एक अरब रह जाएगी। हां, निश्चित रूप से इस आंकड़े तक पहुंचते-पहुंचते काफी लंबा समय लगेगा।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 (एनएफएचएस 5) की ओर से पिछले माह जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल प्रजनन दर (टोटल फर्टिलिटी रेट-टीएफआर) 2.2 से घटकर 2 रह गई है, यानी देश की जनसंख्या अब स्थिर हो रही है। प्रजनन दर के मायने हैं एक महिला के पूरे जीवन काल में बच्चों को जन्म देने की संख्या। वर्तमान में इसमें कमी देखी जा रही है। यह परिवार नियोजन सुविधाओं के बेहतर उपयोग, बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा, जागरूकता, महिला सशक्तिकरण में बेहतर प्रदर्शन और देर से विवाह आदि को इंगित करता है। ध्यान दें तो टीएफआर को जनसंख्या वृद्धि के प्रतिस्थापन दर (रिप्लेसमेंट रेट) के रूप में जाना जाता है। एनएफएचएस 5 की ताजा रिपोर्ट ने यह महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया है कि राष्ट्रीय प्रजनन दर 2.1 को रिप्लेसमेंट लेवल के रूप में जाना जाता है यानी इस औसत पर जनसंख्या कमोबेश स्थिर रहती है। तो क्या देश में प्रजनन दर रिप्लेसमेंट लेवल के नीचे जा रही है।

जाहिर है कि ऐसा अकस्मात नहीं हुआ है। प्रजनन दर में कमी काफी समय से दिख रही थी। एक टीएफआर का मतलब एक बच्चा मां के लिए, एक पिता के लिए और बचा हुआ जीरो पॉइंट एक बच्चे की शिशु काल में मृत्यु हो जाने की स्थिति को दिखाता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक रिप्लेसमेंट लेवल फर्टिलिटी अगर लंबे समय तक वहीं टिकी रहे, तो हर पीढ़ी अपने बराबर आबादी आने वाले समय के लिए छोड़ती जाएगी और जनसंख्या नियंत्रण के लिए अतिरिक्त कोशिशों की जरूरत नहीं होगी।

सर्वेक्षण में राज्यों को देखें, तो सिक्किम ने 1.1 प्रजनन दर से चौंका दिया है, जो दुनिया में सबसे कम है। इसके बाद आता है जम्मू और कश्मीर, जहां यह 1.4 ही है, यहां पिछली बार से 0.6 गिरावट दर्ज की गई। 1.6 के साथ पंजाब और पश्चिमी बंगाल तीसरे, चौथे स्थान पर हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में टीएफआर 1.7 है। राजस्थान और मध्य प्रदेश का

भारत समेत दूसरे देशों में भी आबादी में कमी हमारे लिए एक अहम अवसर साबित हो सकता है। हमें देश में तो रोजगार पैदा करने ही होंगे, साथ ही योजनाबद्ध तरीके से दूसरे देशों में भी हमारे युवाओं को मौके दिलाए जा सकते हैं।

टीएफआर राष्ट्रीय औसत के बराबर है। कुछ हिंदी भाषी राज्यों में प्रजनन दर सबसे ज्यादा रही। सबसे अधिक प्रजनन दर 3 पाकर बिहार पहले नंबर पर है, फिर भी यहां पहले की अपेक्षा इसमें गिरावट आई है। मेघालय 2.9 उत्तरप्रदेश 2.4, झारखंड 2.3 और मणिपुर 2.2 का टीएफआर राष्ट्रीय औसत से अधिक दर्ज किया गया।

यह भी जानना खास है कि किसी भी देश के जनसंख्या संतुलन के लिए 2.1 की दर आदर्श स्थिति होती है, तो क्या लैंसेट पत्रिका के इस तथ्य को विश्वसनीय माना जा सकता है कि साल 2100 तक भारत की आबादी 30- 35 करोड़ कम हो जाएगी और घटकर एक अरब रह जाएगी। इन सबके बावजूद, भारत दुनिया में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा क्योंकि दुनिया की आबादी भी घटकर करीब 8.8 अरब होगी। गौरतलब है कि इसके पहले संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में दुनिया की जनसंख्या साल 2100 तक 10.9 अरब होने का अनुमान था। यह जानना जरूरी है कि इस सदी के पहले हाफ में 2047 तक देश की जनसंख्या अपने उच्चतम स्तर पर 1.61 अरब के करीब होगी। बहरहाल, जब हमारी जनसंख्या उच्चतम स्तर पर होगी, दुनिया में करीब 23 देशों की आबादी घटकर आधी रह जाएगी। इनमें इटली, स्पेन, जापान, पोलैंड, थाईलैंड, पुर्तगाल जैसे देश शामिल हैं। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पूनम मुतरेजा कहती हैं, 'इन देशों की आबादी में कमी हमारे लिए अवसर साबित हो सकता है। हमें देश में तो रोजगार पैदा करने ही होंगे, साथ ही योजनाबद्ध तरीके से इन देशों में भी हमारे युवाओं को मौके दिलाए जा सकते हैं।'

दिलचस्प होगा यह जानना कि उसके बाद सदी के उत्तरार्ध में आबादी सूचकांक कम होने की ओर अग्रसर होगा। जनसंख्या विशेषज्ञ स्टेन इमिल वाल्सेट मानते हैं, 'भारत की जनसंख्या सदी के मध्य तक उच्चतम स्तर पर होगी, उसके बाद दूसरी अर्ध सदी में लगातार घटती जाएगी। यह कमी प्रजनन दर से आएगी, सामाजिक जागरूकता, बढ़ती जीवन प्रत्याशा, वैज्ञानिक चेतना और शिक्षा की इसमें बड़ी भूमिका होगी।' दरअसल लैंसेट और संयुक्त राष्ट्र दोनों रिपोर्टें प्रजनन दर में गिरावट दर्शा रही है। लोगों में परिवार नियोजन को लेकर जागरूकता आई है, दो बच्चों के बीच अंतराल रखा जा रहा है, बच्चों की अच्छी शिक्षा और आर्थिक समृद्धि की ओर माता-पिता का रुझान बढ़ा है, शादी की उम्र बढ़ी है। यहां तक कि गरीब लोग भी इस ओर ध्यान दे रहे हैं, जागरूक हो रहे हैं। वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार साल 2021 में भारत की आबादी 138 करोड़ यानी 1.38 अरब हो चुकी है। महामारी के चलते जनगणना का काम ठीक ढंग से शुरू ही नहीं हो पाया, सटीक जनसंख्या के आंकड़े तो जनगणना के बाद ही आ पाएंगे। फिलहाल 1.41 अरब के साथ चीन दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश है।

(ये लेखक के अपने विचारा है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

तप- अपने वर्ण आश्रम परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना और उसके पालन में जो शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त हो उन्हें सहन करना, इसका नाम तप है। व्रत, उपवास आदि भी इसी में आते हैं। निष्काम भाव से तप पालन करने से मनुष्य का अन्तः कण शुद्ध होता है।

स्वाध्याय- जिनसे अपने कर्तव्य अकर्तव्य का बोध हो ऐसे वेद शास्त्र, महापुरुषों के लेख आदि का पठन-पाठन और भगवान के ऊँकार आदि नाम का या किसी इष्ट देवता के मंत्र का जप करना भी स्वाध्याय है।

ईश्वरप्राणिधान- ईश्वर के शरणागत हो जाने का नाम ही ईश्वर प्राणिधान है। उनके नाम रूप लीलागुण और प्रभाव आदि का श्रवण, कीर्तन और मनन करना, समस्त कर्मों को भगवान के अर्पण कर देना, अपने को भगवान के हाथ का यंत्र मानकर जिस प्रकार वह चलाये जैसे नचाये वैसे ही रहना, उसी की आज्ञा (वेद, शास्त्रों की आज्ञा) का पालन करना, उसी के अनन्य प्रेम करना ये सभी ईश्वर प्राणिध्यान के अंग है। इनके अलावा कहीं-कहीं आस्तिक्य, दान, देवपूजन, जप तथा हवन आदि को भी इसी नियम के अन्तर्गत माना है।

आसन- पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिक आसन, वज्रासन, भद्रासन, वीरासन, सुखासन, आदि प्रमुख आसन है। इनका अभ्यास योग्य शिक्षक अथवा ग्रंथों की सहायता से करना चाहिए।

क्रमशः

जागरूक Selfie विद डॉटर

तनीषा डॉटर महेश शर्मा, अलवर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

झलक: पुकार गोवंश की

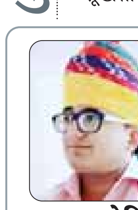

तुषार पुरोहित
पत्रकार
@jagrukjanta.net

पुकार गौशाला की। पुकार गोवंश की। दोनों एक दूसरे पर निर्भर। गोवंश की पुकार मौन, अनबोली। सूखता शरीर चमड़ी से झांकती अस्थियां ही परिचायक।

गौशाला की पुकार। कुछ अलग, भव्य और शानदार।

अनुदान की राशि अपील जिसमें शामिल। चैनल पैंफलेट, गो-कथा आयोजन, इत्यादि माध्यम। आज की भीड़ संकुल आवासीय व्यवस्था। ऊंची बहु मंजिला इमारतें। भला गोपालन का सुख कहाँ..? आश्रम की गाय गोद लीजिए। गौशाला में टीनशेड लगवाइये। गो यज्ञ कराइये। गो कथा के यजमान बनिये। अमुक विधि गो सेवा लाभ। अमुक राशि भेजें। अमुक नंबर पर अमुक डॉट काम पर सम्पर्क करें। ड्राफ्ट/ ईमेल जो भी सुविधा जनक हो। विन्रम भाव पूर्ण भाषा। उत्साह युक्त उदघोष। भामाशाह, अनुदान कर्ता अधिक हो आकृष्ट।

आश्रम, गौशाला का संचालन ट्रस्टी-गणों के हाथ। लेकिन इनके साथ गो सेवा से जुड़े संतो महापुरुषों एवं जनप्रतिनिधियों का आशीर्वाद परम आवश्यक।

वरेण्य और अभिनंदनीय वह गोसेवक जिसके हृदय में गोवंश के लिए कुछ करने की उत्कट भावना कभी थकती नहीं। ख्याति और नाम का जो भूखा नहीं। जिसे प्रचार की जरूरत कहां..? गो ग्रास, गोचारा, गो पूजन, आदि जिसकी नित्य चर्चा में लाजिम।

चर्चा गौशालाओं के उत्पादनों की। गोरस, दधि, माखन, छाछ, और गौ घृत। गो मूत्र भी। बिक्री का भाव भव्यता युक्त। सामान्य जन के बूते से दूर। है न अचरज की बात। जाने माने आश्रम तथा डेयरी कल्पों के उत्पादकों की बिकवाली हेतु पोस्टर, होडिंग्स, तथा टीवी विज्ञापनों की भरमार स्वभाविक।

गोवंश के उद्धार एवं संरक्षण को लेकर अनेक ऐतिहासिक आंदोलनों का गवाह रहा इतिहास। शासन, सत्ता, आयी गई। इरादे केवल व्यक्त हुए। वादे कभी पूरे न हुए।

बलिहारी वोट बैंक वालों की। हल में जुते दो बैलों की जोड़ी की कथा। बछड़े को दूध पिलाती गौ माता की पीर। इस डिजाइन को गिफ्ट लेने देने से अधिक सराहा गया। कसक चारा घोटाले की भी। बेदर्द बूचड़ खानों से बहती गो रक्त धारा। कैसी विडंबना यह सब गोपाल नंदलाल के देश में।

देश..! घी दूध की नदियों वाला ऐश्वर्य शाली अतीत। गोचारण को निकले नंदलाला। गूँझती बांसुरी की धुन।

" मेरे आगे रहें गायें।
मेरे पीछे रहें गाय।
मेरे हृदय में रहें गाय।
में रहूं गायों में मध्य"।"

"गाँवो में अग्रतः सन्तु, गांवों में सन्तु पृष्ठतः।
गांवों में हृदये संतु, गवां मध्य वसाम्यहम।।"

अनुसूया सुत दत्तात्रेय। जिन्होंने गायों के साथ स्वानों के महत्व को भी प्रतिपादित किया। शिवावतार गुरु गोरखनाथ। गो आंदोलन के पुरोधा जिनके 'आदेश' की गुंजार अभी शेष।।

फिर मराठा छत्रपति शिवाजी से लेकर गोवंश हितैषी अनेक शासक। संग में संतों का परंपरागत जुड़ाव।।

इस सब का विस्तार इस एक झलक में समेटना मुश्किल।

और अंत में निरपेक्ष का एक छोटा सा सवाल..?
वेदों में चर्चित जिसकी कीरत गाथा।
मनुष्य जीवन का जिससे गहरा नाता।
ऋषियों ने जिसको माना विभव विधाता।
कचरा खाती क्यों आज वही गोमाता...?

देश की जीवन पद्धति में घृत नवनीत का कभी अभाव न हो। कल्पतरू और कामधेनु की सौगात बरसती रहें।

हृदय पूर्वक लगे गो सेवकों को नमन।.....अस्तु।

- तुषार 'निरपेक्ष

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 15/12/2021

सूर्योदय : 07:17 **सूर्यास्त :** 17:19 **चन्द्रोदय :** 14:55 **चन्द्रास्त :** 03:37 **शक सम्वत :** 1943 पलवा **अमान्ता महीना :** मार्गशीर्ष **पूर्णिमांत :** मार्गशीर्ष **सूर्य राशि :** वृश्चिक **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** द्वादशी, 26:02 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1943 प्लव **विक्रम सम्वत :** 2078 आनन्द **गुजराती सम्वत :** 2078 प्रमादी **द्रिक ऋतु :** हेमन्त **वैदिक ऋतु :** हेमन्त **द्रिक अयन :** दक्षिणायण **वैदिक अयन :** दक्षिणायण।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : भरणी, 31:33 तक
योग : शिव, 31:08 तक
प्रथम करण : बावा, 12:47 तक
द्वितिय करण : बालवा, 26:02 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त : 05:17 ए एम से
प्रातः सन्ध्या : 05:44 ए एम से
अभिजित मुहूर्त : कोई नहीं
विजय मुहूर्त : 02:00 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त : 05:16 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या : 05:26 पी एम से
अमृत काल : 02:12 ए एम, दिसम्बर 16 से
निशिता मुहूर्त : 11:49 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व में
कुंभ चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	07:16 - 08:31	उद्वेग	05:18 - 07:03
अमृत	08:31 - 09:46	शुभ	07:03 - 08:48
काल काल वेला	09:46 - 11:02	अमृत	08:48 - 10:32
शुभ	11:02 - 12:17	चार	10:32 - 12:17
रोग वार वेला	12:17 - 01:32	रोग	12:17 - 02:02
उद्वेग	01:32 - 02:47	काल	02:02 - 03:47
चार	02:47 - 04:03	लाभ	03:47 - 05:32
लाभ	04:03 - 05:18	उद्वेग	05:32 - 07:17

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

द्वादशी : यात्रादि को छोड़कर सभी धार्मिक शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

मार्गशीर्ष, शुक्ल, द्वादशी, 2078 बुधवार, 15 दिसम्बर - 21 दिसम्बर, 2021

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।राजमान प्राप्त होगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
वाणी पर नियंत्रण रखें। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें। गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति दृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएँ आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक तंगी रहेगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

5 दिवसीय 16वीं बियानी इंटरनेशनल कांफ्रेंस का भव्य शुभारम्भ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की ओर से 5 दिवसीय 16वीं बियानी इंटरनेशनल कांफ्रेस का शुभारम्भ हुआ। ऑनलाइन मोड पर आधारित कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथि राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. आर.ए.गुप्ता और वीकेएम यूनिवर्सिटी और हिमालय यूनिवर्सिटी के फॉर्मर वाइस चांसलर प्रो. सुरेश प्रसाद सिंह, कॉलेज के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी, रिसर्च एण्ड डवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी, प्रिंसिपल डॉ. नेहा पांडे ने दीप प्रज्वलन कर किया।

इस अवसर 'एडवांस स्ट्रेटजी एण्ड न्यू ऑपरच्युनिटी इन डिजीटल एजुकेशन' विषय पर साइंस विभाग की ओर से आयोजित सेमीनार में 6 टेक्नीकल सैशन, 1 स्पेशल सैशन और वर्चुअल और ओरल प्रेजेंटेशन के सत्र आयोजित किए गए। स्पेशल सैशन में कानाजवा यूनिवर्सिटी, जापान के डॉ. हाइडेकी ईकेमोटो ने नेनो लाइफ साइंस इंस्टीट्यूट पर अपने विचार व्यक्त किए। कानाजवा यूनिवर्सिटी, जापान के प्रो. नोरीयुकी कोडेरा ने तीव्र गति के एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी के द्वारा बायोलोजिकल माइक्रोमोलिक्यूल्स के प्रत्यक्ष ओबजरवेशन के बारे में बताया। कानाजवा यूनिवर्सिटी, जापान के होल्जर फ्लेशिंग ने बायोलोजिकल सेल्स में कॉम्प्लेक्स प्रोटीन मशीनरी की कम्प्यूटेशनल माइक्रोस्कोपी समझ के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इसी के साथ कानाजवा यूनिवर्सिटी, डॉ. मधु बियानी ने तीव्र गति के एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी के एकीकरण के बारे में बताया। जाइस्ट यूनिवर्सिटी, जापान से राधिका बियानी ने फ्रीक्वेंसी मोड्यूलेशन एटोमिक माइक्रोस्कोपी के द्वारा डीएनए एपटेमर और बीटा एम्प्लॉड के टॉक्सिक कनफॉर्मर की जानकारी दी। सत्र की अध्यक्षता डॉ. मनीष बियानी ने की।

सेमिनार के पहले तकनीकी सत्र में भारत के जी.बी. पंत हॉस्पिटल के प्रो. मोहित डी. गुप्ता ने विज्ञान और आध्यात्म के सम्बन्ध के बारे में जानकारी दी। दूसरे सत्र में सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा के पूर्व डीन प्रो. सतीश कुमार ने ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के दौरान मूल्य आधारित शिक्षा की चुनौतियों के बारे में बात की। साथ ही एसकेएम निम्स यूनिवर्सिटी के प्रो. महेन्द्र परिहार ने वर्क फ्रोम होम के दौरान मुद्दे और चुनौतियों के बारे में बताया।

इसी के साथ सस्टेनेबल डवलपमेंट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलोजी विषय पर तीसरा, बायोमेडिकल साइंस के क्षेत्र में संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर चौथा, वर्चुअल लैब विषय पर पांचवा और नेशनल एजुकेशन पोलिसी विषय पर छठा सत्र आयोजित किया गया। सेमिनार के अंत में कॉलेज के एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि बुधवार को 15 दिसम्बर को इमर्जिंग टेक्नोलोजी इन नर्सिंग एण्ड फॉर्मेसी टू रिक्रिएट एजुकेशन ऑफ्टर कोविड-19 विषय पर नर्सिंग व फॉर्मेसी विभाग का सेमिनार आयोजित किया जाएगा।

आखिर पुलिस की कार्यवाही के बाद क्यों नहीं हुए बंद स्पा सेंटर

पुलिस कार्यवाही के बाद भी स्पा सेंटर बेखौफ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा @ जागरूक जनता। शहर में लंबे समय से चल रहे हैं स्पा सेंटर उसी को लेकर बालोतरा डीवाईएसपी ने शिकायत के बाद दो स्पा सेंटरों पर कार्यवाही की थी। कार्यवाही के दौरान स्पा सेंटरों के संचालको का पता चला तो अन्य संचालक बदं करके नौ दो ग्यारह हो गए थे। डीवाईएसपी कि कार्यवाही के बाद बालोतरा उपखंड क्षेत्र में 4 स्पा सेंटर अभी तक संचालित है और इन स्पा सेंटरों में सूत्रो के मुताबिक देह व्यापार चल रहा है। यदि पुलिस प्रशासन द्वारा वापस कार्यवाही कि जाए तो निश्चित रूप से बडी सफलता हासिल हो सकती है। पुलिस द्वारा दो स्पा सेंटरों पर कार्यवाही करने के बाद पुलिस प्रशासन क्यो है शान्त। पुलिस प्रशासन पर उठाए जा रहे है कही गंभीर प्रश्न। पचपदरा रोड पर स्थिति शनिदेव मन्दिर के सामने भी चल रहा है स्पा सेंटर और भक्त भाविक तथा महिला शक्ति उस और जाने से अपने आप को शर्मिंदा महसूस करते हैं। यदि आस्था के केन्द्र के पास इस तरह के देह व्यापार के अड्डे बने तो निश्चित रूप से आस्था के मन्दिर जाने से भक्त भाविक अपने आप को शर्मिंदा महसूस करते हैं और इस जगह पर शनिवार के दिन हजारों के तादात में भक्त भाविक दर्शन करने पहुचते थे और अब वर्तमान स्थिति ऐसी बन गई है इन स्पा सेंटरों के कारण भक्त जन आने मे कमी आ गई है। तथा बालोतरा क्षेत्र मे इस तरह के देह व्यापार के अड्डे धीरे धीरे बढते ही जा रहे है। वहीं एक तरफ स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना से बचाने के लोगों को हर सभंव जागरूक किया जा रहा है तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना कि तीसरी लहर आने कि आशंका पूर्ण बताई जा रही है,तथा उपखंड क्षेत्रों मे स्पा सेंटरों पर काम कर रही लड़कियों का कोई जांच नहीं कि जा रही है ना ही कोरोना टेस्ट करवाया जा रहा है।यदि समय रहते पुलिस प्रशासन सतर्कतापूर्ण कार्य करे तो कोरोना कि तीसरी लहर आने से रोका जा सकता है।

विश्वनीय सूत्रों के अनुसार स्पा में चलते खेल की जाने पूरी जानकारी

बालोतरा में चल रहे स्पा सेंटर मात्र विश्वसनीय सूत्रों व प्राप्त जानकारी के अनुसार वेश्यावृत्ति के अड्डे है यहां शरीर के मालिस के नाम पर गन्दा खेल चलता है। इन स्पा सेंटरों में ग्राहक को 30 मिनट से लगाकर 2 घंटे का 1000 से 2500 रुपये तक का टोकन काउंटर से लेना पडता है फिर अंधेरे कमरे की नीली रोशनी में चलता है खेल,बन्द कमरे में आकर्षित कपड़े लुभावने अंदाज में लड़की के कमरे में प्रवेश के बाद लड़की द्वारा कमरे का दरवाजा बंद कर ग्राहक से बातचीत के साथ तेल मालिस शुरू की जाती है बातों ही बातों में युवती ग्राहक को एक्स्ट्रा सर्विस की बात करती है जिसमे विभिन्न प्रकार की पेशकश रखती है और अलग अलग सर्विस के अलग अलग दाम बताती है तब ग्राहक को जीतने दाम को जैसी सर्विस वैसे दाम के बाद शुरू होता है गन्दा खेल, इस दलदल में हर उम्र के लोग तबाह हो रहे है ये स्पा सेंटर अपने शहर की आबो हवा को खराब कर रहे है समय रहते पुलिस कार्यवाही की सख्त जरूरत है।

कोरोना का तीसरा वेरिएंट ओमीक्रोन देश में पसार रहा पैर

वही कोरोना का तीसरा चरण ओमीक्रोन नामक बिमारी देश में पैर पसार रही है। और स्वास्थ्य विभाग दिनों दिन जनता को जागरूक भी किया जा रहा है। ओमीक्रोन बिमारी के केस पूरे देश मे 40 से अधिक केस आ चुके हैं,और सूत्रों के मुताबिक स्पा सेंटरों पर काम कर रही लड़कियों भी जिस जगह आ रहे है वहां भी कोरोना के मरीज भी सामने आ रहे है। यदि समय रहते कार्यवाही कर तो ओमीक्रोन जैसी बिमारी से बालोतरा उपखंड क्षेत्र को बचाया जा सकता है।

इन इन जगाहें पर पुलिस कि कार्यवाही के बाद संचालित है

उपखंड क्षेत्र में जहां पूरे दिन आवाजाही का सिलसिला लगा रहता है जैसे पचपदरा रोड शनिदेव मन्दिर के पास,पचपदरा रिफाइनरी रोड पर,पचपदरा बाईपास से आगे,सहित कही अन्य जगहो पर बने सेंटरों पर विभिन्न व्यवस्था की गई है।इन स्थानों पर स्पा कि आड़ में वैश्यावृत्ति का धंधा लंबे समय से चल रहा है।

जागरूक खबरें

गोविन्द ठाकुर बने भगवा रक्षा दल के युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव

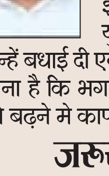

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने विश्वकर्मा इंडस्ट्रीयल एरिया निवासी गोविन्द ठाकुर को उनके पूर्व कार्य को देखते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सहमती से युवा मोर्चा राष्ट्रीय महासचिव पद पर नियुक्त किया, इसी के साथ भगवा रक्षा दल की राजस्थान राज्य के युवा मोर्चा एव कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी एव सभी मे खुशी की लहर झलक रही है युवाओ को मानना है कि भगवा रक्षा दल अब पूरे हिन्दुस्तान मे युवा पीढ़ी को आगे बढ़ने मे काफी मददगार साबित होगी।

जरूरतमंदों को बांटे कम्बल

जयपुर @ जागरूक जनता। शांति देवी फाउंडेशन संस्था की तरफ से लगातार दूसरे साल शहर के अस्पताल, बस स्टैंड के बाहर तथा सड़क किनारे इत्यादि जगहों पर अपनी रात गुजारने वाले लोगो को सर्दी से बचाने के लिए कंबल वितरण अभियान की शुरुआत की गई,जो दिसंबर माह के अंत तक हर सप्ताह में एक दिन किया जाएगा। संस्था के सदस्यों द्वारा अपनी भागदौड़ वाली जिंदगी में थोड़ा समय और पैसा बचाकर समाज के प्रति अपना योगदान करते आ रहे हैं। इस दौरान संस्था के फाउंडर श्रवण शर्मा, संकल्प, दिनेश सोनी इत्यादि सदस्य उपस्थित रहे।

सुरेश मीणा बने मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सवाई मानसिंह हॉस्पिटल

जयपुर @ जागरूक जनता। अधीक्षक कार्यालय जारी आदेशनुसार सुरेश कुमार मीणा ने वरिष्ठता के आधार पर ट्रॉमा सेंटर से मुख्य नर्सिंग अधीक्षक सवाई मानसिंह चिकित्सालय के पद पर कार्य ग्रहण किया अध्यक्ष सोमसिंह मीणा के नेतृत्व मे नर्सेज ने गुलदस्ता एवं साफा पहनाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। संघर्ष समिति ने वरिष्ठता के आधार पर मुख्य नर्सिंग अधीक्षक नियुक्त होने पर चिकित्सा मंत्री का आभार व्यक्त किया। वहीं, कार्य ग्रहण के दौरान श्याम सिंह प्रदेश अध्यक्ष बलदेव चौधरी अध्यक्ष विनोद मथुरिया भारती गुलाब चंद कुलदीप नर्सिंग अधीक्षक भगवती फूलवती रामजीलाल सैनी राधेलाल शर्मा महावीर दिनेश खेमचंद जितेंद्र प्रभारी सत्यनारायण सागर नीरमा अन्य नर्सेज ने बधाई दी।

लक्ष्मी नारायण मंदिर के लिए किया भूमिपूजन

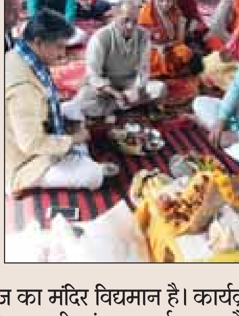

जयपुर @ जागरूक जनता। स्वेज फार्म स्थित कारेश्वर महादेव मंदिर में विधि विधान से लक्ष्मी नारायण जी के मंदिर के लिए भूमि पूजन समाजसेवी सत्यनारायण शर्मा, मणिद्वीप धाम के स्वामी योगेन्द्राचार्य जी महाराज, सुबोध कालेज प्राचार्य डॉ के.बी. शर्मा के द्वारा किया गया। सभी भक्तजनों को अल्पआहार व प्रसादी वितरित की गई। वर्तमान में मंदिर मे शिव परिवार, हनुमान जी महाराज का मंदिर विद्यमान है। कार्यक्रम के दौरान पंडित मनोहर शास्त्री, भवानी शंकर शर्मा, राजू सैनी, दिनेश सैनी, कपिल शर्मा, विनोद सैनी डॉ सुमित तिवाड़ी, हेमराज कुमावत, गुलशन सैनी, हेमराज सैनी, विवेक वैष्णव व समिति के अन्य सदस्य ओर सभी भक्तगण मौजूद रहे।

ओपिनियन

काफी की बहन भी.. और सौतन भी 'चाय'

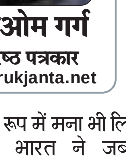

हरिओम गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

चाय : लाख लबों की एक चुस्की

सुना है, दिवसवादी दुनिया में कोई चाय दिवस भी है।

कहीं यह 15 दिसंबर है, तो कहीं 21 मई।

अब कोई संयुक्त राष्ट्र संघ ने तो मान्यता दी नहीं, जो भी तिथि मान्य हो जाए।

सुना है, 2004 में World Social Forum ने चाय दिवस चुना और 2005 में चाय उत्पादक देशों ने 15 दिसंबर को पहली बार चाय दिवस के रूप में मना भी लिया।

फिर भारत ने जब UN Food and Agriculture Organization (FAO) को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के लिए प्रस्ताव दिया, तो उसने 21 मई को प्रस्तावित कर दिया।

तो इसके दो दिवस हो गए, भारत के इंडिपेंडेंस डे और रिपब्लिक डे की तरह !

क्या फर्क है, 15 दिसंबर और 21 मई में?

पूरब, जहां चाय का उत्पादन है उन्होंने मध्य दिसंबर चुना,

कड़कड़ाती सर्दी में उनकी चाय की चुस्की गर्म तासीर लिए थी।

पश्चिम, जिसने चाय का उपभोग लोकप्रिय किया, उन्होंने मध्यांत मई को चुना, चिलचिलाती गर्मी में उनकी चाय की चुस्की उबासी दूर करने की तदबीर लिए थी।

चाय की अपनी रामकहानी है।

वह हिंदुस्तान की बजाय चीन से शुरू होती है।

माना जाता है कि दुनिया में चाय चीन की देन है।

अंग्रेजों को पसंद आई, उन्होंने दुनिया भर में फैला दिया।

चीन में यह चा(?) है, अंग्रेजी में Tea उसी का भ्रांत उच्चारण है। हिंदी में चाय ज्यादा सही उच्चारण है।

हमने चा को चाय कह कर अपनी चाह बना लिया।

वह अब उतनी ही देसी है, जितना कि पेरू का आलू-टमाटर, मैक्सिको का अमरूद-पपीता या चीन की लीची-नारंगी।

चीन में चाय एक काढ़ा थी, अंग्रेजों ने दैनिक पेय बना लिया।

हमने उसे दूध में औंटा कर और अदरख-इलायची डाल कर अलग रंग-रूप व जायका दे दिया। अब वह चीन की नहीं।

वह उनकी चा नहीं, हमारी चाय है। कुछ लोग, जिन्हें भारतीय मसालों की विविधता नहीं मालूम, ने मात्र दो मसालों भर से दूध की चाय को "मसाला चाय" नाम दे दिया। रत्ती भर इलायची और तोला भर अदरख ने पाव भर दूध की पहचान खत्म कर दी।

लद्दाख व तिब्बत में तो और भी अनूठी चाय है। मक्खन मिली नमकीन चाय। वहां चाय की पत्ती की केक की तरह बनी बट्टियाँ होती थीं, जिन्हें पानी में उबाल कर व उसमें मक्खन के साथ मथकर नमक के साथ परोसा जाता रहा है। चाय के ऐसे ही अनेक रसरंग हैं। लेकिन "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी"।

चाय ने भी यही माना। आज भी हमारी सुबह चीन की है।

चाय पत्ती चीन की, चीनी मिट्टी का प्याला चीन का, चीनी चीन की। यह नहीं कि चीनी हमारे यहाँ नहीं होती थी, अंग्रेजी का Sugar और उर्दू की शक्कर हमारे ही शर्करा शब्द से बना है। परंतु चीनियों ने शक्कर को ज्यादा धवल व रवेदार बना लिया, सो हमने तब से उसे चीनी कहना शुरू कर दिया। यह और बात है कि उर्दू का नुक्ता भी चीनी जैसा दिखता है, नुक्ताचीनी शब्द भी है, मगर चीन से उसका उतना ही संबंध है, जितना अरबी सब्जी का अरब से या दालचीनी का दाल या चीन से।

वह हमारे आतिथ्य की अंतिम और औपचारिकता की पहली मधुपर्क है। महत्व इतना कि सब कुछ पूछें और चाय न पूछें, तो जिंदगी भर को दुहराने को शिकायत मिल जाए।

चाय बहुत शुद्ध है। कुछ गर्म रहने के कारण, कुछ गर्मजोशी के कारण। शुद्ध सात्विक है, बस पर्णरस है, क्षीरसागर में घुली हुई। चूल्हे, केतली, पैन, छलनी में चाहे जितनी कालिख या चीकट जमी हो, कप या गिलास चाहे जितने लबों से होकर गुजरा हो, किसी को उसकी निर्मलता में संदेह नहीं। वह उबलती और छनती जो है, इतने सलीके से।

चाय बहुत चलायमान रही है। इसलिए चाय की चलती है, सब जगह ही। वह चलती रहेगी, भले ही वैद्य, हकीम, योगी बैरागी कहते रहें कि चाय जितनी सेहतमंद है, उससे ज्यादा नुकसानदेह है। चाय की कैटेचीन व उसके फ्लैवेनॉयड्स हमारे लिए प्रोटीन व ऑयरन का अवशोषण रोक देते हैं। चाय की कैफीन दूध के प्रोटीन कैसीन को भी निरर्थक कर देती है। दो कप से ज्यादा पी लें, तो अजीर्ण हो जाए। परंतु चाय की तो तलब है, मन "चायम् च-अयम" करता चला जाता है।

कॉफी भी चाय की बहन है, बल्कि जरा सौत सी है। कुछ ज्यादा ही कड़वी, कुछ देर तक मथी हुई, उफनी, झाग भरी। वह बीज है, भुने हुए, पिसे हुए. चाय तो पत्ती है, भाप में पकी, बहुत मुड़ी सिकुड़ी हुई। कॉफी जरा बुर्जुआ है, चाय जरा सर्वहारा है। कॉफी को जगह ज्यादा चाहिए, आधी फेनिल जो है। चाय तो छोटी सी प्याली में पर्याप्त है।

हमारे यहाँ भी चाय की बहुतेरी वैकल्पिका थीं।

हमने क्वाथ कहा, पुरुषोचित होने से प्रिय न हुआ वह।

तेजपत्ता, दालचीनी, इलायची, अदरख क्वाथ के रूप में स्वयं में श्रेष्ठ पेय हैं।

कश्मीर का कहवा ऐसा ही है। कह का फारसी में अर्थ होता है, ग्यारह। कहवा का अर्थ हुआ ग्यारह मसालों वाला। उसमें केसर व दालचीनी प्रमुख है।

कई और भी विकल्प हैं। औषधीय गुणों के कारण तुलसी के साथ अब आज्ञाघास, सिट्रोनेला, सहजन के पत्ते की चाय भी लोकप्रिय हो रही है।

गुलाब, हरसिंगार, अपराजिता, गुड़हल, कचनार, बुरांश के फूलों से भी चाय बन सकती है, चीनी चाय से बेहतर।

चाय उत्पादक देशों के चाय दिवस, चाय पर विशेष

भला हो मुए चीनी कोविड का भी, जिसने हमें अपनी चाय से परिचित करा दिया।

भारत में कुछ शब्दों को युग्म के रूप में प्रयुक्त करने की परंपरा रही है। इनमें चाय-पान भी प्रमुख है। चाय भी पत्ती है, पान भी पत्ता है। दोनों ही फल-फूल विहीन हैं। दोनों का साहचर्य बाणभट्ट की भाषा में "द्रोणो इव कृपानुगतः" की तरह है। चाय पान के उपसर्ग की तरह है या फिर अव्ययीभाव समास के अव्यय की तरह। इनका बड़ा सामयिक संबंध भी है। अक्सर शहर में सबसे पहले खुलने वाली दुकान चाय की दुकान होती है और सबसे बाद में बंद होने वाली दुकान पान की होती है।

चाय के द्वंद्व में अपना द्वैत भी है। आज चाय के दो रूप हैं-

पहली- बुर्जुआ चाय, जिसमें हर घटक अलग से आता है। मेरी दृष्टि में यह निर्मम अलगाववादी-चाय है, स्वादहीन भी, आतिथ्यहीन भी।

दूसरी- सर्वहारा चाय, जिसमें हर घटक एक साथ खौलता है, औंटता है। मेरी दृष्टि में यह विशुद्ध चाय है, स्वादयुक्त भी, आतिथ्ययुक्त भी।

एक तीसरी भी चाय है, दूध विहीन डिप टी या ब्लैक टी. सर्वहारा के वेश में यह छद्म बुर्जुआ चाय है, जो न पीने लायक है, न देखने लायक।

चाय की तरह ही चायपात्र भी हमारे नोस्टाल्जिया के हिस्से बन गए। चाय का केतली से वही संबंध है, जो समोवर का कहवा से. या फिर अमृत का कमंडलु से। पुराना दौर लौटता है। केतली से थरमस तक पहुँची यात्रा फिर केतली पर लौट आई है, कपों व प्लेटों की जगह शीशे के छोटे धारीदार गिलास भी लौट आए हैं। मिट्टी के कुल्हड़ तो बहुत नहीं लौटे हैं, मगर तंदूरी चाय के रूप में मिट्टी का सोंधापन लौट आया है। बहुत कुछ लौटा है, टापरी जैसी जगहों पर, बस कप से ढाल कर प्याली में पीने का रिवाज नहीं लौटा है।

चाय के गर्म रहने में ही उसकी ताज़गी और जोश है। जरा ठंडी हुई कि अखबार की तरह बिसरा दी जाएगी। बहुत भ्रांत संभ्रांत जनों ने कोल्ड कॉफी के पैटर्न पर आइस टी शुरू करनी चाही, मगर वह पहचान बना पाने में भी ठंडी ही रही।

चाय भी अनूठी संयुक्ता है। वह गर्म व ठंडी दोनों तासीरों से जुड़ जाती है, उदीयमान सुबह और अस्तंगत शाम को सहज जोड़ जाती है। वह दूध और नींबू दोनों को सहज भाव से अपना सकती है। वह कॉफी हाऊस के बुर्जुआ और गुमटीवाले गरीब को भी मना लेती है। एयरपोर्ट की खामोश वेंडिंग मशीन के साथ वह निरी पैसेंजर ट्रेन की खिड़की पर भी "चाय-चाय" के उच्चतम स्वर में दस्तक दे लेती है।

चाय नित्य भी हो सकती है, नैमित्तिक भी। जनमानस चाय के साथ अखबार पढ़ता रहा। जो अखबार में छपते हैं, वे चाय पर चर्चा से जनता को जोड़ने का जतन करते रहे हैं। किसी समय में कॉफी हाउस में बुद्धिजीवी आज के प्रेमी युगलों से ज्यादा जुड़ते थे, परंतु चाय की सहजता को वे कभी न पा सके। वह चाय, जो गुमटी, थड़ी, ठेले-खोमचे तक विस्तार पाए थी, आमजन तक में पैठ बनाये थी।

चाय हमारे जीवनसाथी से ज्यादा जीवनमित्र की तरह है।

इसीलिए घर की चाय कभी अड़ी की चाय के मुकाबिल नहीं हो पाती। पर चाय के कुछ अपने भी जीवनसाथी व जीवनमित्र हैं।

नमकीन उसकी जीवनसाथी है, बिस्किट उसके जीवनमित्र हैं।

थोड़ा देसीपन चाहिए, तो रस्क व टोस्ट होंगे, देसीपन में समोसे-कचौरी। कभी चिप्स व पकौड़ी-मिर्ची बड़े भी भा सकते हैं।

किसी का परिहास है-

भारत में चाय के साथ के लिए दो ही बिस्किट्स फेमस हैं-

1. ब्रिटानिया मॉरी (Marie)
2. पारले- जी (Parle G)

कैसा अत्याचार है कि एक कप में जाता नहीं,
दूसरा कप में जाता है, तो वापस आता नहीं।
कुछ बिस्किट्स भी नमक-चीनी मिश्रित हैं-
50-50 या 20-20 बने.

दुनिया चाय के साथ बीकानेरी भुजिया की मुरीद है और बीकानेरी जन समोसे, मिर्ची बड़े, कचौरी के मुरीद हैं।

चाय के साथ जो भी संगी-साथी हैं, वे चाय के प्रस्तोता भर हैं, उसके आगमन से पूर्व वृंदगान करने वाले। अल्पाहार की भूमिका चाहे जो हो, उपसंहार तो चाय ही करेगी।

मंगलाचरण चाहे मोदक का हो, पर थाली में आरती के दीप सी तो चाय की प्याली ही सजेगी।

चाय में भी नशा-सा है, यह कुछ लोग मानते हैं।

मगर चाय के नशे में किसी ने अपराध किया,

ऐसा कभी न हुआ। चाय पीने से वाहन दुर्घटना हुई हो, ऐसा भी न हुआ। उलटे वह तो, दिलों को जोड़ती है, अपराध व दुर्घटना रोकती है। बावजूद इसके इसका कोई हालावाद न बना, कोई मधुशाला न रची गई। उर्दू की शायरी से शराब निकल जाए, तो उसका एक-चौथाई साहित्य खतरे में पड़ जाए।

चाय साहित्यिक रूप से बहुत दुर्भाग्यशाली है। कभी शेरो-शायरी में तवज्जो पाई हो, ऐसा न हुआ। उस पर कोई रूबाइयत न रची गई, उसकी कोई मधुशाला न लोकप्रिय हुई।

एक चायप्रिय जन ने चाय पुराण सा लिखा है, "नमो चायम्" नाम से।

तमाम बिखरी हुई तुकबंदियों के संकलन वाली लघ्वीकृति में मंगलाचरण के रूप में में एक परिहासपरक दोहा भी है, जो ट्रकों व ढाबों पर बहुप्रचलित है-

"द्वापर में दूध मिला, त्रेता में घी।
कलियुग में चाय मिली, फूँक-फूँक कर पी।।
(यद्यपि इसका एक मदिरावादी रूपांतर भी है-
"कृष्णराज में दूध मिला, रामराज में घी।
कलियुग में दारू मिली, खूब दबा कर पी।।")
मध्य में कुछ नैतिक शिक्षा भी है-
समय-समय पर लीजिए, बड़-बूढ़ों की राय।
ऐसे कभी न छोड़िए, सुबह-शाम की चाय।।

और इसके उपसंहार में किसी की वेदनामय पंक्ति है-
आज फिर "चाय" की मेज पर,
एक हसरत बिछी रह गई।
"प्याली" ने तो लब छू लिए,
और "केतली" देखती रह गई।।

सोशल मीडिया पर प्रसारित अनाम लेखक की कृति की कुछ पंक्तियाँ-

ये यादें तुम्हारी, हैं बुलाती, गर्म चाय सी लुभाती हुई सी।
न सोती, न सोने देती, जगाए रखती फुसलाती हुई सी।
लबों से लगती सहमती, चुस्कियों में फुसफुसाती हुई सी।
भाप की गर्माहट ही है, मगर याद तेरी ही दिलाती हुई सी।
****
अदरख की तरह कसैली, जज्बातों को जगाती हुई सी।
शक्कर की तरह मीठी, अहसासों को सहलाती हुई सी।
चाय पत्ती की तरह कड़वी, हसरतों को हुलसाती हुई सी।
पिसी इलायची की तरह भी, जायके से महकाती हुई सी।
****
सुबह की खुमारी, थकान शाम की, सहज मिटाती हुई सी।
सर्दी-सरदर्द हो या उदासी, आती सबको भगाती हुई सी।
प्यालियाँ कितनी ही खूबसूरत, आँखों में समाती हुई सी।
कुल्हड़ों से कभी, मिट्टी की अपनी याद दिलाती हुई सी।
****
मौके की तकल्लुफ, दस्तूर तहजीब से निभाती हुई सी।
मेहमाननवाजी की मलिका, रूठों को मनाती हुई सी।
एक सिप में बातें दिलों की, जुबान पर लाती हुई सी।
छलकती है खुद कभी, मगर प्यार छलकाती हुई सी।
****
कहकहे, चकल्लुस, हर महफिल को सुनाती हुई सी।
गुफ्तगू हो रहे सरेआम, चुहल से यूँ चहकाती हुई सी।
बात जो भी निकले, बहुत दूर तलक ले जाती हुई सी।
कानाफूसियों को जैसे, सरगोशियों में मिलाती हुई सी।
****
चर्चा में चाय तो कभी चाय पर चर्चा कराती हुई सी।
कभी गहमागहमी में जरा सरगर्मी बढ़ाती हुई सी।
जन-मन को पकौड़े का अर्थशास्त्र पढ़ाती हुई सी।
राजनीतिक दूरी को जनतंत्र जैसे सिखाती हुई सी।
****
मीटिंग्स व बैठकों में, आएगी ऊबन भगाती हुई सी।
हाई-टी में कभी मिलेगी डिप्लोमेसी कराती हुई सी।
कॉफी हाउसों में, आती कॉफी को बहकाती हुई सी।
थड़ी पर खड़ी चौपाल में बेलौस भी हो जाती हुई सी।
****
सर्दियों के कोहरे में, ख्वाबों में आए भाप उड़ाती हुई सी।
गर्मियों में कसमसाती, बारिशों में टिपटिपाती हुई सी।
तलब चुस्कियों की और वो मिले चाय ही बनाती हुई सी।
नींद आए, वो चाय ले आए, शरारतें यूँ आजमाती हुई सी।

(लेखक बीकानेर से है, ये उनके अपने विचार है)

जागरूक खबरें

शिक्षा अधिकार है, विकल्प नहीं-ईआर प्राजल चौधरी

जयपुर @ जागरूक जनता। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज में सांइस और कामर्स डिपार्टमेंट की ओर से 'अर्पोचूनिटी एंड चैलेंज ओवरसीज एजुकेशन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन दीप जला कर किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईआर प्राजल चौधरी ने विद्यार्थीयों से बातचीत के दौरान बताया कि एप्लाई बोर्ड कंपनी द्वारा डेढ़ लाख से भी ज्यादा विद्यार्थीयों की जीवन में बदलाव लेकर आया है। विदेश जाकर पढना ना केवल विद्यार्थियों का सपना होना चाहिए, बल्कि इस सपने को देश की तरक्की से जोडकर देखा जाना चाहिए। विदेशों से प्राप्त शिक्षा का उपयोग कैसे अपने देश की उन्नति के लिए किया जाए, इस बात पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. नेहा पांडे ने विदेश जाकर पढाई करन के अवसर को सही समय पर पहचानने की बात कही और प्राजल चौधरी जी को छात्राओं को सही व सटीक जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए धन्यवाद दिया।

राज्यपाल से मिली पूनम छाबड़ा, नशामुक्ति अभियान की जानकारी दी

जयपुर @ जागरूक जनता। शराबबंदी की दिशा में काम कर रही पूनम अंकुर छाबड़ा ने बीते दिनों राजभवन में राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। छाबड़ा ने राज्यपाल से नशामुक्ति अभियान को लेकर मार्गदर्शन प्राप्त किया और उनको अभियान की रूपरेखा से अवगत करवाया। छाबड़ा ने राज्यपाल को बताया कि पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा ने इस आंदोलन को आरंभ किया था। अपने प्राणों का बलिदान देकर इस आंदोलन को मजबूत किया। राज्यपाल ने नशामुक्त अभियान की सरहाना की। प्रतिनिधि मंडल में पवन जैन, विशाल शर्मा व अंकुर छाबड़ा शामिल थे। पूनम छाबड़ा ने बताया कि राज्यपाल ने कहा कि नशा सामाजिक बुराई है। इस बुराई के बारे में सभी को जागरूक किया जाना आवश्यक है। यह न केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक प्रतिष्ठा को भी हानि पहुंचाती है। पूनम छाबड़ा ने मुलाकात के बाद कहा है कि राज्यपाल कलराज मिश्र ने उनको पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। पूनम अंकुर छाबड़ा ने बताया कि एक दिन पूरा देश का हर वर्ग एक होकर नशामुक्त अभियान में अपनी सहभागिता निभाकर हर प्रकार के नशे से दूर होगा।

एनके जैन 9वीं बार एम्पलॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित

जयपुर @ जागरूक जता। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत की मौजूदगी में एम्पलॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान की नई कार्यकारिणी के चुनाव कराए गए। चुनाव में विद्युत टेलीट्रोनिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष एन. के जैन एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए। वर्ष 2004 से यह लगातार अध्यक्ष हैं। इनके अलावा विनोद आर्या वरिष्ठ उपाध्यक्ष, वी. के जेटली, विनोद गुप्ता, अजय गुप्ता, आलोक फतेहपुरिया, राजेश कूलवाल व एस. के जैन उपाध्यक्ष, एस. के. पाटनी सचिव और ए. के. जैन मुख्य सलाहकार चुने गए। संजीव बख्शी, पूनम कुमावत, राजेश शर्मा, राम बदन मणि त्रिपाठी, बी. बी शर्मा, संजय भंसाली, अशोक गुप्ता, डॉ. विजय व्यास, बी.डी. खंडेलवाल, मोहनलाल खत्री, राजीव बैद, बसंत जैन, दिनेश गुप्ता, सुनील बख्शी, आर. एस चोयल, अंकिता रोहिला, पी. सी संघी व सौरभ जैन कार्यकारिणी सदस्य निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी अधिवक्ता आलोक फतेहपुरिया की देखरेख में चुनाव संपन्न कराए गए।

डॉ अम्बेडकर यूनिवर्सिटी का कन्वोकेशन कल

अजमेर @ जागरूक जनता। डॉ. भीमराव अम्बेडकर लॉ यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षान्त समारोह 16 दिसंबर को होगा। समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र और सीएम अशोक गहलोत शामिल होंगे। कुलपति प्रो. देवस्वरूप ने बताया कि पहले दीक्षान्त समारोह में 2020-21 में कैंपस में संचालित एलएलएम कोर्स के विद्यार्थियों को डिग्री-मेडल प्रदान किए जाएंगे। विवि सत्र 2022-23 में एलएलबी तृतीय वर्ष और एलएलएम द्वितीय वर्ष के श्रेष्ठ विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान करेगा। कुलपति ने बताया कि सत्र 2022-23 में दीक्षान्त समारोह लॉ कॉलेज स्तर पर भी कराए जाएंगे। विवि सभी कॉलेजों को उनके टॉपर्स विद्यार्थियों की डिग्री और मेडल भेजेगा। ताकि वे भी उनका सम्मान करें।

सुप्रिया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का आईपीओ 16 दिसंबर को खुलेगा

मुंबई @ जागरूक जता। सुप्रिया लाइफसाइंसेज लिमिटेड (कंपनी) के आईपीओ की निविदा/ऑफर 16 दिसंबर, 2021 को खुलेगा। ऑफर का प्राइस बैंड 265 रु. से 274 रु. प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद इसके गुणकों में बोलियां लगायी जा सकती हैं। कंपनी की योजना कुल 7000 मिलियन रु. तक का फंड जुटाने की है। ऑफर में कंपनी के 2000 मिलियन रु. तक के इक्विटी शेयर्स के फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू'') और श्री सतीश वामन वाघ (प्रवर्तक विक्रेता शेयरधारक), (ऑफर फॉर सेल, फ्रेश इश्यू के साथ, ऑफर) के कुल 5000 मिलियन रु. तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के जरिए उपलब्ध कराये जाने वाले इक्विटी शेयर्स बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किये जाने हेतु प्रस्तावित हैं। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं। सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड अनुसंधान और विकास पर ध्यान देने के साथ सक्रिय फार्मास्यूटिकल्स सामग्री (एपीआई) के प्रमुख भारतीय निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। 31 अक्टूबर, 2021 तक, इसमें एंटीहिस्टामाइन, एनाल्जेसिक, एनेस्थेटिक, विटामिन, एंटी-अस्थमा और एंटीएलर्जिक जैसे विविध चिकित्सीय खंडों पर केंद्रित 38 एपीआई के विशिष्ट उत्पाद पेशकश हैं। यह लगातार भारत से क्लोरफेनिरामाइन मालेट और केटामाइन हाइड्रोक्लोराइड का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है। वित्तीय वर्ष 2017 और 2021 के बीच, भारत से एपीआई निर्यात में क्रमश: 45-50% और 60-65% का इसका योगदान है। हम भारत में सालबुटामोल सल्फेट के सबसे बड़े निर्यातकों में से थे, जो भारत से एपीआई निर्यात में 31% का योगदान करते थे, मात्रा के लिहाज से वित्त वर्ष 2021 (स्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट)। इसका फार्मास्युटिकल व्यवसाय घरेलू और निर्यात बिक्री में व्यवस्थित है, जिस भौगोलिक क्षेत्र में यह संचालित होता है। 1 अप्रैल, 2020 से 31 अक्टूबर 2021 तक, इसके उत्पादों को 346 वितरकों सहित 1,296 ग्राहकों को 86 देशों में निर्यात किया गया था।

सुप्रिया लाइफसाइंसेज लिमिटेड का प्राइस बैंड 2 रु. के अंकित मूल्य पर 265 रु. से 274 रु. प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है ("इक्विटी शेयर")

निविदा/ऑफर खुलने की तिथि - गुरुवार, 16 दिसंबर, 2021 और निविदा/ऑफर बंद होने की तिथि - सोमवार, 20 दिसंबर, 2021

पुरोहित राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने चित्तौड़गढ़ के विजय कुमार पुरोहित (एडवोकेट) को भगवा रक्षा दल का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है।

चित्तौड़गढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का उद्घाटन

लिफ्ट, फुट ओवर ब्रिज के साथ दिखेगी संस्कृति की भी झलक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर 7 करोड़ से ज्यादा लागत की यात्री सुविधा के साथ ही साथ अन्य कार्यों का उद्घाटन और लोकार्पण किया गया। सांसद सीपी जोशी ने लंबे समय के इंतजार के बाद आखिरकार लोगों को लिफ्ट, नया फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग कार्यालय, सर्कुलेटिंग एरिया की सौगात मिल ही गई। यह उद्घाटन लंबे समय से लंबित थे। पिछले महीने मुंबई से GM के आने पर इनका उद्घाटन होना था, लेकिन सांसद सीपी जोशी के नहीं आने पर इसे टाल दिया गया।

इन कार्यों का हुआ उद्घाटन

स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए कई प्रकार की सेवाएं उपलब्ध करवा रहा है, जिसमें लिफ्ट, फुट ओवर ब्रिज, वाई-फाई, वेटिंग रूम, यात्री संख्या को देखते हुए अन्य प्रवेश/निकास द्वार आदि महत्वपूर्ण है। पहले चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर एक ही फुट ओवर ब्रिज था, जिस पर यात्रियों का अधिक दबाव था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग को ध्यान में रखते हुए रतलाम एंड पर प्लेटफार्म नंबर 1 से 5 तक सभी प्लेटफार्म को जोड़ते हुए भविष्य के यात्री दबाव को देखते हुए पहले से अधिक चौड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण किया गया है। दिव्यांग और वृद्ध यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफार्म नम्बर 1 से 5 तक नवनिर्मित फुट ओवर ब्रिज के साथ प्लेटफार्म 1, 2/3 एवं 4/5 पर लिफ्ट लगाया गया है।

स्थानीय कला और संस्कृति की झलक दिखाने वाली आकर्षक पेंटिंग

रतलाम मंडल द्वारा यात्री सुविधा के साथ ही साथ स्टेशन सौंदर्यीकरण करने का कार्य किया जा रहा है। चित्तौड़ स्टेशन का सर्कुलेटिंग एरिया को आकर्षक बनाने के लिए कार्य किए गए हैं। स्टेशन पर स्थानीय कला और संस्कृति की झलक दिखाने वाली आकर्षक पेंटिंग की गई है। इस दौरान विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, मंडल रेल प्रबंधक विनीत गुप्ता सहित रेलवे के अन्य अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुराने शहर वालों को अब परेशानी नहीं

सांसद सीपी जोशी ने बताया कि चित्तौड़गढ़ पुराने शहर की ओर लोग ज्यादा रहते हैं, ऐसे में पहले यात्रियों को रेलवे लाइन और पुलिया पार करके स्टेशन तक पहुंचना होता था। इस दौरान लोगों को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ता था। इसलिए पुराना शहर के लोगों के लिए पीछे की ओर टिकट विंडो और वेटिंग रूम बनाया गया था कि सबको फायदा मिले। उन्होंने बताया कि इस ओर सर्कुलेटिंग एरिया, पूर्वी प्रवेश द्वार, बुकिंग कार्यालय, पुराने फुट ओवर ब्रिज का विस्तार, दो/चार पहिया वाहन पार्किंग आदि यात्री सुविधाओं का विस्तार किया गया है। इन सभी कार्यों को करीब 7 करोड़ की लागत से किया गया है।

जोशी के नहीं से टाला गया था प्रोग्राम

पिछले महीने मुंबई से जीएम आलोक कंसल के आने के बाद इन सभी विकास कार्यों का उद्घाटन होना था, लेकिन उस समय सांसद जोशी के अनुपस्थिति पर यह कार्य टाल दिया गया था। इस दौरान सांसद जोशी अन्य जिलों में शिविर कार्यक्रमों में व्यस्त थे।

फल-फूल रहा जुए, सट्टे का कारोबार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

निम्बाहेड़ा @ जमील अहमद। आर्थिक अपराध की श्रेणी में आने वाले अवैध सट्टेबाजी तथा जुआ के धंधों का कारोबार निम्बाहेड़ा में बड़े पैमाने पर अपने पांव पसारता जा रहा है। उक्त अवैध कारोबार शहर के बस स्टैंड, जावद दरवाज़ा, नेहरू पार्क के आस पास क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है जबकि स्थानीय पुलिस अनभिज्ञता जाहिर करती रहती है।

उक्त अवैध सट्टे तथा जुएं का कारोबार स्थानीय पुलिस अनभिज्ञाता कहें या अनदेखी। इसी के चलते इस दिनों बस स्टैंड, जावद दरवाज़ा, नेहरू पार्क के आस पास क्षेत्र में धड़ल्ले से जुए का खेल खुलेआम खेला जा रहा है। जुए-सट्टे की खाईवाड़ी लेने वाले व्यक्ति किसी एक जगह की आड़ में अपने गुर्गो के माध्यम से प्रतिदिन हजारों के बारे-न्यारे करता आ रहा है। वहीं क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी जुए की फड़ लगाने तथा लाखों के वारे-न्यारे किये जाने का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है। पुलिस की नाक के नीचे लगने वाले जुए के फड़ तथा पुलिस की अनभिज्ञता जाहिर करना पुलिस को सवालों के कटघरे में खड़े करने हेतु काफी है। नाम न छापने की शर्त पर कई लोगों द्वारा बताया गया है कि यहां हजारों के दांव लगाये जाते हैं। इसके अलावा एक अन्य का कहना था कि सैंकड़ों परिवार इस दलदल में खत्म हो रहे हैं। कईयों के घर में चूल्हे तक नहीं जल पाते। वहीं सट्टे के संचालक तथा उनके गुर्गो की पौ बारह बनी हुयी है। स्थानीय संवाददाता के अनुसार लोगों का कहना है कि पुलिस से शिकायत की जाती है तो वह कार्रवाई नहीं करती।

भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की डॉ. हर्षवद्धन सिंह से मुलाकात

जयपुर @ जागरूक जनता। भगवा रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन सिंह से उनके निवास पर मुलाकात की। मुलाकात के दौरान संगठनात्मक चर्चा हुई। शर्मा ने हर्षवर्द्धन सिंह से कहा कि चुनाव में भाजपा का साथ देंगे। सिंह ने कहा कि भाजपा सदैव भगवा रक्षा दल के साथ खड़ी रहेगी।

देश के सबसे बड़े गिद्धों को मिला सुरक्षित स्थान, खूंखार जानवर को भी खदेड़ देते हैं

देश में गिद्ध की 9 प्रजातियां, इनमें से 7 भीलवाड़ा की मुरीद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

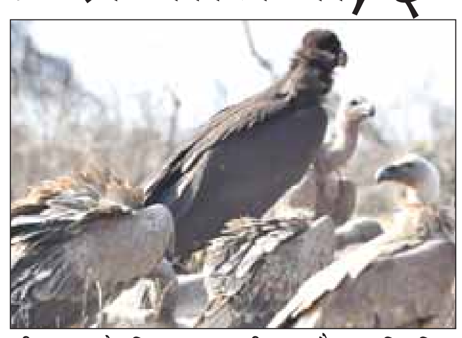

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के ऊपरमाल का जंगल गिद्ध की 9 दुर्लभ प्रजातियों में से 7 के लिए सुरक्षित स्थान बन चुका है। पिछले 2 सालों में बिजौलिया के मेनाल व भडक्या के जंगलों में इन गिद्धों की तादाद तेजी से बढ़ी है। आए दिन यहां सैंकड़ों की संख्या में गिद्ध नजर आ रहे हैं। इस क्षेत्र को अपना नया घर बना रहे इन सात प्रजाति के गिद्धों पर वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर अश्विन टांक दो साल से नजर रख रहे हैं।

देश में इन गिद्धों के लिए ऊपरमाल का जंगल हर तरीके से काफी सुरक्षित व अनुकूल है। सबसे बड़ी बात यह है कि इस क्षेत्र में सिनेरिअस वल्चर, व्हाइट रंपड, हिमालयन ग्रिफर, युरेशियन ग्रिफन जैसी कभी-कभार दिखने वाली प्रजाति भी नजर आ रही है। यह भीलवाड़ा के लिए बहुत बड़ी बात है। जबकि गिद्ध की इन प्रजातियों को लगभग लुप्त मान लिया गया है। पिछले दिनों वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर अश्विन टांक ने गिद्धों के समूह का एक साथ फोटो अपने कैमरे में कैद किया था। जहां अपने भोजन के लिए गिद्ध सियार को खदेड़ते भी नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर ने यह साफ कर दिया है कि जहां देश में गिद्ध विलुप्त होने के कगार पर हैं। वहीं भीलवाड़ा के जंगलों में यही प्रजातियां तेजी से फल फूल रही हैं।

9 प्रजाति पाई जाती हैं भारत में

वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की मानें तो भारत में 9 प्रजाति के गिद्ध में पाए जाते है। इनमें से 7 प्रजाति के गिद्ध बिजौलिया के जंगल में आम देखे जा सकते हैं। चार गर्मी व तीन सर्दी के सीजन के गिद्ध इसमें शामिल हैं।

चारों तरफ से वाइल्ड लाइफ सेंचुरी से घिरा क्षेत्र

गिद्धों के लिए उपरमाल का जंगल काफी सुरक्षित है। इंसानों की पहुंच से दूर ये जंगल कोटा के मुकुंदरा, बूंदी के रामगढ़ व चित्तौड़ के बस्सी वाइल्ड लाइफ सेंचुरी से घिरे हैं। जिसके कारण गिद्धों को यहां सुरक्षा, आवास और भोजन आसानी से उपलब्ध हो जाता है।

पहली बार दिखा भारत का सबसे बड़ा गिद्ध

सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि हाल में अश्विन ने अपने कैमरे में देश के सबसे बड़े गिद्ध के रूप में पहचान रखने वाले सिनेरियस वल्चर की तस्वीरों को अपने कैमरे में कैद किया था। उन्होंने बताया कि पिछले पांच सालों में यह गिद्ध एक से दो बार ही देखा गया है। बिजौलिया के जंगल में इसकी उपस्थिति ज्यादा देखी गई है। यह बढ़ती जैव विविधता को भी दर्शाता है। गिद्ध सबसे ऊंची उड़ान भरने वाला पक्षी है। 1980 के दशक में भारत में सफेद पूंछ वाले गिद्धों की संख्या करीब 80 मिलियन थी। साल 2016 के आंकड़े बताते हैं कि इनकी संख्या 40 हजार से भी कम हो चुकी है।

सूअरों के अवैध बाड़े से संक्रमण फैलने का डर, सुनने वाला कोई नहीं

सूअरों से आमजन परेशान, नगर परिषद खामोश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा @ मयंक अवस्थी। शहर के वार्ड नं 40 के माजीसा कॉलोनी स्थिति सुअरो के एक बाड़े में सूअरों का भारी जमावड़ा है। इससे फैलती गंदगी मोहल्ले वासियों के लिए एक बड़ी आफत बना गई है। लेकिन नगर परिषद की ओर से इस विषय को लेकर के कोई गंभीरता नजर नहीं आ रही है।

जानकारी के अनुसार सूअरों की वजह से कॉलोनी के कई बुजुर्गो को अस्थमा, सांस में दिक्कत, गन्दी बदबू से अर्जी जैसी बीमारियों का शिकार बन रहे हैं। शहर के रहवासी इलाकों मे इस तरह के अवैध बाड़े होने से संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ती ही जा रही है। मौहल्ले के रहवासियों ने बताया कि उपखंड अधिकारी व नगर परिषद प्रशासन को बार बार सूचित करने के बाद भी सूअरों के बाड़े को हटाने कोई कार्रवाई नहीं की। रहवासी इलाके में इस प्रकार से अवैध सूअरखाने बनने से लोग परेशान हैं। यहां पर सूअरों को लाया जाता है जिससे सूअरों कि करकस वह कर्ण वेदी चिखने आवाज से परेशान होकर मोहल्ले वासियों कि दिन का चेन व रात की नींद खराब कर दी है। लेकिन प्रशासन के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

मोहल्ले वाले परेशान, नहीं सुन रहा है प्रशासन

मौहल्ले वासियों ने बताया कि सुअरों के भारी जमा होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सूअरों के चिल्लाने की आवाज और गलियों में मची भगदड़ के कारण घर से बाहर निकलना दुश्वार हो गया। प्रशासन को कई बार बताया है कि रहवासी इलाकों में इस प्रकार से अवैध रूप से सूअरों के बाड़े बनने से दिक्कतें हो रही है लेकिन फिर भी प्रशासन ने इस विषय को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई। आखिर इस विषय पर प्रशासन मौन क्यों है, यह सोचने और समझने की बात है।

फैल सकता है संक्रमण, कहीं गंभीर परिणाम देखने को न मिले

रहवासी इलाके में अवैध रूप से सूअरों का बाड़ा बनाने से गंदगी का आलम फैल चुका है आसपास के घरों के लोगों का रहना अब दुश्वर हो गया है। गंदगी के माहौल में दूषित हवा से लोगों में अस्थमा सहित सांस लेने जैसी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह संक्रमण धीरे धीरे फैलता हुआ नजर आ रहा है। लोग मानसिक रूप से भी परेशान हो रहे हैं। लेकिन नगर परिषद बालोतरा उपखंड प्रशासन की ओर से इस विषय पर कोई गंभीरता नहीं नजर आ रही है। लोगों ने बताया है कि सुअरों के अवैध रूप से बने इस बाड़े के कारण काफी समस्याएं हो रही है।

जयपुर में बनने वाले दुनिया के तीसरे क्रिकेट स्टेडियम की राह हुई आसान

वैभव गहलोत के क्रिकेट स्टेडियम के लिए बिल्डिंग बायलॉज में मापदंड तय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने अब बिल्डिंग बायलॉज में खेल परिसर (स्टेडियम) निर्माण के लिए भी मापदंड तय कर दिए हैं। इसके बाद जयपुर में बनने वाली विश्व स्तरीय स्टेडियम की राह आसान हो गई है। जिन मापदंडों पर सहमति बनी है, उसके तहत कुल भूमि के क्षेत्रफल के 25 प्रतिशत तक ही कवर्ड एरिया होगा। इसके अलावा 0.4 प्रतिशत बिल्ड एरिया रेश्यो मिल सकेगा। जबकि, सेटबैक योजना के अनुसार ही रहेंगे। राज्य सरकार की एक्सपर्ट कमेटी ने मापदण्ड निर्धारित किए हैं, जिसके अधिकारिक तौर पर आदेश जारी होंगे। इस मामले में नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा के निर्देशन में विस्तृत मंथन हो चुका है। इसी आधार पर जयपुर विकास प्राधिकारण स्टेडियम के नक्शे मंजूर कर सकेगा। इसी आधार पर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम का निर्माण कार्य शुरू कर सकेगा। अभी तक बिल्डिंग बायलॉज में खेल परिसर निर्माण के लिए किसी तरह के मापदंड तय ही नहीं थे।

यह रहेगी बंदिश

» भूखंड पर कब्जा दिया जा चुका है। कब्जा लेने के 12 से 18 माह में स्वीकृत मानिचत्र के अनुसार निर्माण शुरू करना होगा।

» कब्जा लेने के 5 साल के भीतर निर्माण कार्य पूरा करना होगा। अतिरिक्त समय की छूट सरकार अपने स्तर पर दे सकेगी।

» स्टेडियम निर्माण पूरा होने के 2 वर्ष बाद अन्तरराष्ट्रीय मैच कराना अनिवार्य होगा।

ANCHOR | गोपालन विभाग की अनूठी और नई पहल

देसी गाय बनी सरोगेट मदर, विदेशी नस्ल को टक्कर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आज देश में हमारी गाय माता अपने अस्तित्व के लिए संघर्षरत है। चाहे वह अपने जीवन की बात हो या संस्कृति की। विदेशी नस्ल हस पर अंदरखाते हमलावर है। अपने अस्तित्व के लिए आज देसी गाय सरोगेट मदर भी बन गई है। इस तरह का अनूठा प्रयोग और नवाचार प्रदेश में हुआ है। हमारी गीर और थारपारकर जैसी उन्नत देसी नस्ल की गाय जहां पहले एक साल में एक बार ही संतान को जन्म देती थी, वो अब सरोगेट मदर के जरिए साल में अगली पीढ़ी के चार से पांच सदस्यों को तैयार कर पा रही है।

पायलट प्रोजेक्ट का आगाज

देसी गौवंश के अनुवांशिक गुणों एवं प्रति गौवंश उत्पादकता में लगातार हो रही गिरावट को देखते हुए गीर व थारपारकर नस्ल के गौवंश सरंक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य में आरकेवीआई रफ्तार योजना के तहत गोपालन निदेशालय और एनडीडीबी ने प्रबंधित संस्था साबरमती आश्रम गौशाला के तकनीकी सहयोग से वीवो फर्टिलाइजेशन एवं भ्रूण प्रत्यारोपण के माध्यम से पायलट योजना शुरू की।

2 साल के लिए 150 भ्रूण का लक्ष्य

जनवरी 2019 से शुरू इस योजना में 2 सालों में 20 एवं 100 कुल 150 भ्रूण प्रत्यारोपण का लक्ष्य रखा गया। 2019 में कुल 13 भ्रूण प्रत्यारोपित किए गए। 2019–20 में 59 और शेष रहे 78 भ्रूण 2020–21 में प्रत्यारोपित किए गए। योजना की कुल लागत 60 लाख रुपए थी। जिसमें लगभग 35–37 लाख व्यय की गई।इस योजना में डोनर एलीट गौवंश जिसकी दुग्ध उत्पादन उस नस्ल में औसत से अधिक हो उसको चुना। इनसे भ्रूण उत्पादित कर सरोगेट मदर (रिसिपियंट) गौवंश में रखे गए। इससे पहले सभी गौवंश का बीमारियों के लिए सैंपल जांचा।

पशुगणना ने बढ़ाई चिंता

2008 में हुई पशुगणना के अनुसार राज्य में थारपारकर नस्ल के 0.22 लाख नर, 1.09 लाख मादा गौवंश, सहित कुल 1.32 लाख गौवंश हैं। इनकी प्रति गौवंश दुध उत्पादकता क्षमता औसतन 1500 से 2000 लीटर और दुग्धकाल 305 दिन हैं। गीर नस्ल के 0.69 लाख नर और 2.59 लाख मादा गौवंश सहित कुल 3.29 लाख गौंवश हैं। प्रति गौवंश दुग्ध उत्पादकता क्षमता औसतन 2000 से 2500 लीटर और दुग्धकाल 305 दिन हैं।

जानिए, गोपालन विभाग की अनूठी और नई पहल

गोपालन विभाग के निदेशक डॉ.लाल सिंह ने बताया कि राज्य में उच्च अनुवांशिक वरीयता (एचजीएम) प्राप्त थारपारकर व गिर नस्लों के गौवंश का पालन करने वाले प्रगतिशील गोपालकों एंव निराश्रित गौवंश को आश्रय देने वाली गौशालाओं में स्वस्थ्य मादा गौवंश पल रही हैं। इनको हीट सिंक्रोनाइजेशन इन विवो निषेचन एवं भ्रूण प्रत्यारोपण दृवारा थारपारकर व गिर की उन्नत गौवंश की नस्ल प्राप्त करने का यह नवाचार सफल रहा।

यहां अलग–अलग नस्ल की गायों में रखे भ्रूण

गोशाला	प्रत्यारोपित भ्रूणों की संख्या
मामडियाई गोशाला पचपदरा बालोतरा बाड़मेर	20
मामडियाई गौशाला सांगढ़, जैसलमेर	12
शिवम डेयरी बिचून जयपुर	02
बृजकामद सुरभि वन गौशाला, जड़खोर भरतपुर	04
सुरभि गौशाला, गिर फार्म, अजमेर	16
रुफिल जोशी डेयरी फार्म, जोबनेर, जयपुर	10
राजदरबार आहलूवालिया फार्म विराटनगर जयपुर	40
दुर्गापुरा गोसेवा संघ जयपुर	10
पीजीआईवीआरआई जयपुर	36

—— कुल 150

श्रीनाथजी प्रभु को लाल घटा का श्रृंगार धराया

श्रीगुसाईंजी के उत्सव की बधाई बैठी, सभी दर्शनों में बजाई जाएगी झांझ

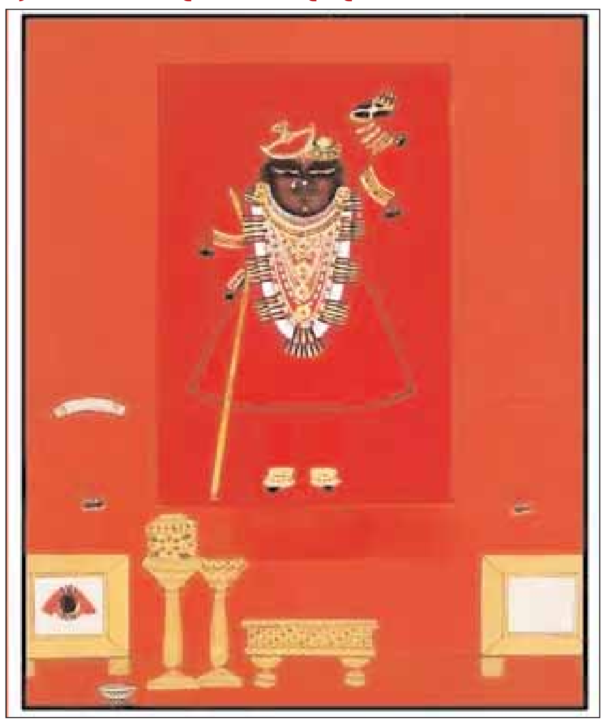

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

राजसमंद। मार्गशीर्ष शुक्ल नवमी (रविवार) को श्रीनाथजी प्रभु की हवेली में तृतीय घटा (लाल) का श्रृंगार धराया गया। इसी के साथ श्रीगुसाईंजी के उत्सव की बधाई बैठ गई। रविवार से अगले 15 दिन तक रोजाना सभी दर्शनों में झांझ बजाई जाएगी। साथ ही श्रीमहाप्रभुजी की, जन्माष्टमी की और श्रीगुसांईजी की बधाईयों का गान किया जाएगा। मुखिया बावा ने लाल घटा पर एक ही रंग (लाल) के वस्त्र, गहने आदि धराए। कीर्तनकारों ने बधाई के पदों का गान किया।

श्रृंगार झांकी में मुखिया बावा ने श्रीजी प्रभु के श्रीचरणों में लाल मोजाजी धराए। श्रीअंग पर लाल दरियाई वस्त्र का सूथन, घेरदार वागा और चोली अंगीकार कराई गई। प्रभु को लाल ठाड़े वस्त्र धराए। श्रीमस्तक पर लाल गोल पाग, सिरपैंच, लाल रेशम का दोहरा कतरा और बायीं ओर शीशफूल सुशोभित किया गया। श्रीकर्ण में माणक के कर्णफूल धराए। प्रभु को छोटा (कमर तक) हल्का श्रृंगार धराया। माणक के सभी गहने धराए। सफेद और गुलाबी फूलों की थागवाली दो मालाजी धराई गई। श्रीहस्त में लाल मीना के वेणुजी और एक वेत्रजी धराए। कंदराखंड में लाल दरियाई वस्त्र की पिछवाई धराई। गादी, तकिया और चरणचौकी पर लाल बिछावट की गई।

राजस्थान का पहला बोन बैंक

5 साल तक प्रिजर्व हो सकेंगी हड्डियां, माइनस 80 डिग्री तापमान में रखा जाएगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। कोटा मेडिकल कॉलेज में प्रदेश का पहला बोन बैंक इस महीने शुरू हो जाएगा। बोन बैंक का निरीक्षण करने के लिए पिछले दिनों जयपुर से डॉक्टर्स आरसी बंसीवाल, सीनियर प्रोफेसर और एसके गोयल एसोसिएट प्रोफेसर की टीम कोटा पहुंची। उन्होंने बोन बैंक में उपकरणों, ट्रांसप्लांट यूनिट का निरीक्षण किया और प्रक्रिया की जानकारी ली। टीम ने बोन बैंक के लिए किये गए सेटअप पर संतोष जताया। अब इसी महीने बोन बैंक शुरू हो जाएगा। यहां 5 साल तक हड्डियां प्रिजर्व रखी जा सकेंगी।

इन अस्थियों को बोन कैंसर, जन्मजात विकृति समेत अन्य रोगियों को रिप्लेस किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने 2018 के बजट में इसकी घोषणा की थी, जिसमें 20 लाख रुपए का बजट दिया था। सीनियर प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक व बोन बैंक के प्रभारी डॉ. राजेश गोयल ने बताया कि बोन बैंक से मरीजों को काफी फायदा होगा। इसके लिए साल 2012 से प्रयास कर रहे थे। आज टीम ने निरीक्षण भी कर लिया है। उम्मीद है कि आगामी 17 दिसंबर तक इसका उद्घाटन भी हो जाएगा।

बोन लेने से रिप्लेस तक यह होगी प्रोसेस

एक्सीडेंट या हादसे में किसी का पैर या हाथ काटना पड़े तो उसकी बोन ली जा सकेगी। मृत व्यक्ति की भी निकटतम संबंधियों की सहमति से बोन ली जा सकती है। बोन का हिस्सा कल्चर टेस्ट के लिए भेजा जाएगा। 30 मिनट तक एंटीबायोटिक सॉल्यूशन में रखा जाएगा। उसे माइनस 80 डिग्री तापमान में रखा जाएगा। इंफेक्शन नहीं पाए जाने पर शेकर वाटर बाथ में रखा जाएगा। फिर दिल्ली के इंस्टीट्यूट में गामा रेडिएशन के लिए भेजेंगे, जहां से स्टरलाइज होकर आएगी। इसके बाद यह बोन्स रेडी टू यूज होगी।

प्रदेश का पहा बोन बैंक होगा

मेडिकल कॉलेज में बना ये बोन बैंक प्रदेश का पहला बोन बैंक होगा। कोटा के अलावा देश में एम्स दिल्ली, टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल मुंबई, मद्रास मेडिकल कॉलेज चेन्नई, मेडिकल कॉलेज नागपुर, रमैया मेडिकल कॉलेज बेंगलुरु, अड्यार कैंसर इंस्टीट्यूट चेन्नई में बोन बैंक संचालित हैं।

इन मरीजों को मिलेगा फायदा

बोन बैंक ऐसे मरीजों के लिए फायदेमंद रहेगा, जिनमें जन्मजात हड्डी संबंधी विकृति हो, कैंसर से हड्डी निकालनी पड़ी हो। इसके अलावा इंफेक्शन से हड्डी गल गई हो। ऐसे रोगियों को उसी शेप में ढालकर हड्डी रिप्लेस की जा सकेगी।

पूरे प्रदेश को मिलेगा फायदा, चलाएंगे जागरूकता अभियान

मेडिकल कॉलेज के अस्थि रोग विभागाध्यक्ष आरपी मीणा ने बताया कि इस बोन बैंक का फायदा केवल कोटा के रोगियों को ही नहीं, प्रदेश के सभी लोगों को मिलेगी। प्रदेश में किसी भी स्थान पर बोन रिप्लेसमेंट की जरूरत पड़ेगी, तो यहां से बोन की व्यवस्था की जाएगी। ये बिल्कुल ब्लड बैंक की तरह काम करेगा। लोगों को अस्थिदान के लिए भी जागरूक किया जाएगा।

दो लाख 26 हजार मतदाता करेंगे 251 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

चुनावी चौसर की बिसात पर मतदान आज

हिण्डौन व श्रीमहावीरजी में 253 बूथों पर 15 दिसम्बर को होगा मतदान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हिण्डौनसिटी। पंचायत समिति हिण्डौन एवं श्रीमहावीरजी क्षेत्र में 253 मतदान केन्द्रों पर होने वाले पंचायत समिति सदस्य पद के चुनाव की चौसर पूरी तरह से बिछ चुकी है। दोनों पंचायत समितियों में 48 वार्डों के सदस्य बनने के लिए 251 प्रत्याशी चुनावी मैदान में ताल ठोक दी है। 15 दिसम्बर को उपखण्ड क्षेत्र के 2 लाख 26 हजार 546 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। सूत्रों के अनुसार हिण्डौन पंचायत समिति क्षेत्र में 148 एवं श्रीमहावीरजी पंचायत समिति क्षेत्र में 81 पोलिंग बूथों को अति संवेदनशील व संवेदनशील श्रेणी के रुप में चिन्हित किया गया है। इन बूथों पर भारी पुलिस जाप्ता के बंदोबस्त किए जाएंगे। बीएलओ से लेकर पटवारी और ग्राम विकास अधिकारियों तक को विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों द्वारा चुनाव प्रक्रिया में हल्की सी चूक होने पर भी बड़ी कार्रवाई की हिदायत दी जा रही हैं।

पिनाका-ईआर रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर स्थित पोखरण रेंज में डीआरडीओ ने पिनाका-ईआर रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण किया। एडवांस नेवीगेशन व कंट्रोल सिस्टम से लैस पिनाका मिसाइल अब सेना में एक दशक से सेवा दे रहे पिनाका की जगह लेगा। दरअसल, डीआरडीओ ने पिनाका रॉकेट लॉन्चर प्रणाली की क्षमता को बढ़ाते हुए इसके उन्नत संस्करण पिनाका-ईआर (विस्तारित रेंज) का सफल परीक्षण किया है। इसके साथ ही पोखरण रेंज पर हुए इस मल्टी बैरल रॉकेट लांचर सिस्टम का परीक्षण पूरा हुआ। डीआरडीओ ने इसे पुणे की आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) व हाई एनर्जी मैटेरियल रिसर्च लेबोरेटरी (एचईएमआरएल) के साथ मिलकर डिजाइन किया है। इस तकनीक को भारतीय उद्योग क्षेत्र को हस्तांतरित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पिनाका- ईआर पिछले एक दशक से सेना में सेवा दे रही पिनाका का उन्नत संस्करण है। इस प्रणाली को नई टेक्नोलॉजी के साथ उभरती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।

जैसलमेर में SANT का सफल परीक्षण : पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में हेलिकॉप्टर से दागी मिसाइल

अब 10 किमी तक दुश्मन को तहस-नहस करेगा 'संत'

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसलमेर। जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज लगातार इतिहास रच रही है। यहां स्वदेसी डिजाइन और तकनीक से विकसित स्टैंड-ऑफ एंटी-टैंक मिसाइल (SANT) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायु सेना (IAF) ने संयुक्त ऑपरेशन में यह सफलता मिली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टीम को बधाई दी है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उच्च तकनीक के साथ स्वदेसी विकास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की ओर मजबूत कदम है।

10 किलोमीटर तक के लक्ष्य को करेगा बेअसर

वायुसेना के लिए विकसित की गई यह मिसाइल हेलिकॉप्टर से 10 किलोमीटर तक के दायरे में दुश्मन को टारगेट करेगी। इस मिसाइल को DRDO की अलग-अलग लैब के साथ कोऑर्डिनेशन और भागीदारी में हैदराबाद के अनुसंधान केंद्र इमारत (RCI) ने विकसित किया है। DRDO के अध्यक्ष जी सतीश रेड्डी ने कहा कि एसएएनटी मिसाइल का सफल परीक्षण स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को और बढ़ाएगा। इससे कुछ दिन पहले DRDO ने ओडिशा स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र से सतह से हवा में मार करने वाली 'वीएल-एसआरएसएएम' मिसाइल का सफल परीक्षण किया था, जो भारतीय नौसेना के अग्रिम पंक्ति के पोतों पर तैनात की जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि टेस्टिंग अपने सभी मिशन को पूरा करने में सफल रही।

स्लो मोशन में वीडियो रिलीज किया

डीआरडीओ ने अपने ट्विटर हैंडल पर इस मिसाइल का स्लो मोशन वीडियो रिलीज किया। इसमें हेलिकॉप्टर से इस मिसाइल को छोड़े जाने की तस्वीरों को देखा जा सकता है। स्वदेशी हथियार निर्माण की श्रृंखला में SANT मिसाइल का टेस्ट तीसरा परीक्षण है। इसके साथ भारतीय वायुसेना के बेड़े में शक्तिशाली हथियारों की तादाद बढ़ेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्वेदशी रक्षा उपकरण व हथियार उन्नत तकनीक के साथ बनाए जा रहे हैं। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ते कदम हैं।

जागरूक खबरें

एमपी बिरला सीमेंट के प्रीमियम ब्रांड सम्राट एडवांस्ड किया लॉन्च

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। यूनिट हेड सुनील सूद बिरला सीमेंट वर्क्स बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कंपनी के चंदेरिया सीमेंट प्लांट में एमपी बिरला सीमेंट के प्रीमियम ब्रांड, सम्राट एडवांस्ड को लॉन्च किया। सम्राट एडवांस्ड सीमेंट को एलपीपी बैग में वैल्यू प्लस सेगमेंट में लॉन्च किया गया। सम्राट एडवांस्ड सीमेंट एक्स्ट्रा फ्रेशनेस के साथ एडीशनल वन-डे स्ट्रेंथ के साथ ही बेहतर फिनिशिंग देने में सक्षम है। सबसे पहले, यह प्रीमियम ब्रांड एमपी बिरला सीमेंट सम्राट की जगह राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश में उपलब्ध होगा। पिछले कुछ वर्षों में, सम्राट ने सीमेंट मूल्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं का भरोसा हासिल किया है। अब, उपभोक्ताओं की मांग को ध्यान में रखते हुए, नमी प्रतिरोधी एलपीपी बैग में सम्राट एडवांस्ड की पेशकश की जा रही है जो उत्पाद को लंबे समय तक ताजा रखेगा। सम्राट एडवांस्ड एमपी बिड़ला सीमेंट की ऑन-साइट सर्विस के भरोसे के साथ आता है, जो विशेषज्ञ सिविल इंजीनियरों द्वारा प्रदान किया जाता है। 'कंक्रीट टेसि्ंटग वैन' से लैस, वे उत्पाद की गुणवत्ता का मार्गदर्शन और प्रदर्शन करते हैं और घर के निर्माण के लिए जरूरत के अनुसार तैयार समाधान प्रदान करते हैं। सीमेंट सम्राट एडवांस्ड लॉन्च के मौके पर सूद ने कहा कि "देश के प्रमुख सीमेंट निर्माताओं में से एक के रूप में अपनी लंबी विरासत के साथ, एमपी बिरला सीमेंट ने हमेशा ग्राहक को अपने कारोबार के केंद्र में रखा है और समझदार ग्राहकों के लिए अलग-अलग सीमेंट की पेशकश करने का लगातार प्रयास करता है। एमपी बिरला सीमेंट समझता है कि घर बनाना प्यार का श्रम है और इसलिए, केवल कंपनी सीमेंट की आपूर्ति पर ही नहीं रुकती है, बल्कि इसके सिद्धांतों के अनुसार, घर बनाने वाले के साथ 'सीमेंट से घर तक' तक भागीदार बनता है। राजा मुखर्जी, वीपी, सेल्स अकाउंट्स, रूपेंद्र मील, स्टेट हेड, सेल्स, राजस्थान और गुजरात, दीपेश शर्मा, हेड सीएसएस, गौहर अली हेड सेल्स, साउथ राजस्थान, राजेश तिवारी जोनल मार्केटिंग हेड, नॉर्थ के साथ ही कई अन्य ने भी समारोह में भाग लिया।

हुकम चंद चौधरी को मिला इंस्पायरिंग युवा अवॉर्ड

बीकानेर @ जागरूक जनता। वर्तमान में जब पूरा विश्व कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा है तो समाज में कुछ ऐसे युवा भी है जिन्होंने अपने जज्बे और जुनून के बल पर बेहतर कार्य करते हुए समाज को एक नई दिशा देने का काम किया है। युथ फ़ॉर यूनीवर्सल एंड वोलिएंट्री एक्शन (युवा) द्वारा ऐसे युवाओं की पहचान कर उन्हें इंस्पायरिंग युवा अवार्ड 2021 दिया गया है। युथ फ़ॉर यूनीवर्सल एंड वोलिएंट्री एक्शन (युवा) समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य करने वाले लोगों को पहचान कर उन्हें उचित सम्मान देने का कार्य कर रहा है। राजस्थान के बीकानेर से इंस्पायरिंग युवा अवार्ड 2021 के लिए हुकम चंद चौधरी का चयन हुआ है। इंस्पायरिंग युवा अवार्ड समाज के उन युवाओं को समर्पित है जिन्होंने अपने कार्यों से एक नई मिसाल कायम की है। हुकम चंद चौधरी प्रारंभिक शिक्षा में अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं और अभी तक 80 से अधिक मोबाइल ऐप बनाकर छात्रों को निशुल्क समर्पित कर चुके हैं। कोराना काल में इनके द्वारा 60 हजार से अधिक छात्रों को अपने वन टू वन ऑनलाइन लर्निंग प्रोग्राम से जोड़कर डायरेक्ट लाभान्वित किया जा रहा है।

क्षेमंकरी माताजी रोड पर एक भी स्पीड ब्रेकर नही, तेज रफ्तार से दौड़ते वाहन

भीनमाल @ जागरूक जनता। भीनमाल के क्षेमंकरी माता रोड एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं होने की वजह से आए दिन हो रहे है हादसे। वाहन चालक अपनी मनमर्जी से वाहन को तेज गति से दौड़ाते हैं। जानकारी के अनुसार स्पीड ब्रेकर नही होने की वजह से कई बार इस रोड़ पर हादसे भी हो चुके है। मगर नगर पालिका प्रशासन अभी तक नहीं चेता है और ना ही कोई स्पीड ब्रेकर या मोड़ पर संकेत बोर्ड लगवाया है। आप को बता दें कि इस रोड़ पर एक स्कूल भी है। मगर अभी तक नगर पालिका द्वार स्पीड ब्रेकर नहीं लगाए गए हैं।

अलवर में शुरू हुआ प्रदेश का पहला नि:शुल्क टेली मेडिसन और आत्मविश्वास केन्द्र

बहु आयामी गतिविधियों का केन्द्र बनेगा आत्मविश्वास केन्द्र-जूली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य के सामाजिक कल्याण व अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने प्रदेश के पहले गैर सरकारी निःशुल्क टेली मेडिसन सेंटर आत्मविश्वास केन्द्र का उद्घाटन अवसर पर कहा कि अलवर जिला मुख्यालय पर यह नवाचार किया जा रहा है। यहां सामाजिक कल्याण विभाग की सभी योजनाएं संचालित होंगी और यह प्रयोग सफल होने पर इसे पूरे प्रदेश में जन-सहभागिता से लागू किया जाएगा।

कैबीनेट मंत्री जूली अलवर जिले में नेक कमाई समूह की ओर से अन्त्योदय फाउंडेशन के सहयोग से संचालित आत्मविश्वास केन्द्र के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर मंत्री जूली ने कहा कि अलवर जिले में सामाजिक कल्याण विभाग की योजनाएं हर गरीब और जरूरत मंद को मिले, इसके लिए स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा। इसके लिए अलवर जिले के हर ब्लॉक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम होंगे। समाजसेवी दौलत राम हजरती ने ऐसी कच्ची बस्तियों में आत्मविश्वास केन्द्र खोलने की उपयोगिता का प्रासंगिकता बताई।

एनईबी हाउसिंग बोर्ड में कुंती अग्रवाल के निर्देशन में संचालित आत्मविश्वास केन्द्र में टेली-मेडिसन सेंटर में मंत्री जूली ने चिकित्सकों से बातचीत की। यहां समाज सेवा के लिए कुंती अग्रवाल, बबली शर्मा और डॉ. कुमुद गुप्ता का सम्मान किया गया। मुख्य संरक्षक मीना तनेजा ने अतिथियों का स्वागत किया। संरक्षक मंजू चौधरी अग्रवाल ने यहां की गतिविधियां बताई। इसी प्रकार दाउदपुर स्थित गुरु नानक कॉलोनी में स्थित आत्मविश्वास केन्द्र पर समाज सेवी गुरुप्रीत सिंह, सोनम कौर और संचालिका जगमीत कौर का सम्मान किया गया। आत्मविश्वास केन्द्रों में डॉ. गोपाल राय चौधरी ट्रस्ट की ओर से महिलाओं के लिए सेनेटरी नेपकीन सहित वस्त्र व गर्म कपड़े प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अन्त्योदय फाउंडेशन के संस्थापक महेन्द्र मेहता ने की। कार्यक्रम में मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। मत्स्य विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव आशुतोष शर्मा ने मंच संचालन किया।

पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली से मेहंदीपुर बालाजी में यातायात व्यवस्था चौपट

अव्यवस्थाओं का आलम :श्रद्धालुओं का पैदल चलना हुआ दूभर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मेहंदीपुर बालाजी। देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र धार्मिक नगरी मेहंदीपुर बालाजी धाम इन दिनों यातायात जाम की समस्या से जूझ रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यहां अतिक्रमण व यातायात पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली लोगों पर भारी पड़ रही है। श्रद्धालुओं के वाहनों के बेतरतीब खड़े रहने से बाजार में दिनभर जाम लगना आम हो गया है। जाम के लिए कुछ दुकानदार भी कम जिम्मेदार नहीं हैं। दुकानदार सामान को दुकान के बाहर रखते हैं। कुछ दुकानदारों ने दुकानों के आगे रेहड़ियां, लगवा रखी हैं। यही वजह है कि हर रोज बालाजी मंदिर मार्ग पर अतिक्रमण बढ़ रहा है।इससे दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, वहीं श्रद्धालुओ व राहगीरों का पैदल चलना भी दूभर हो गया है।बालाजी कस्बे की बदहाल यातायात व्यवस्था सुधारने के यातायात पुलिस के सारे दावे खोखले नजर आ रहे हैं। मुख्य बाजार मे लोगों को पैदल चलने एवं दोपहिया वाहन निकलने तक को जगह नहीं मिल रही। बांदीकुई रेलवे स्टेशन से बालाजी व धर्मशालाओं से यात्रियों को मंदिर के पास तक पहुंचाने के लिए चलने वाले वाहनो ने भी इस व्यवस्था को चौपट करके रख दिया है, जहां सुबह से रात तक जाम के हालात बने रहते हैं।

पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली, पड़ती भारी

यहां यातायात पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते कस्बे में अलसुबह से लेकर रात तक जाम की स्थिति बनी रहती है। निजी वाहन चाहे जिस स्थान पर सवारी लेने रुक जाते हैं। इससे जाम की स्थिति और भयावह हो जाती है। वहीं मुख्य बाजार में जीप स्टैण्ड से लेकर उदयपुरा तिराहे तक ठेलों एवं फुटपाथ पर रखकर सामान बेचने वालों ने अतिक्रमण कर रखा है। जब कोई चौपहिया वाहन बाजार में आ जाता है तो सड़क पर जाम के हालात बन जाते हैं।

ऑनलाइन मोड में देश के 318 केंद्रों पर 16 दिसंबर से 13 जनवरी तक परीक्षा कराई जाएगी

सीटेट के ई-एडमिट कार्ड किए पोर्टल पर अपलोड

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। सीबीएसई केंद्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा (सीटेट) के ई-प्रवेश पत्र वेबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। इस बार ऑनलाइन मोड में देश के 318 केंद्रों पर 16 दिसंबर से 13 जनवरी तक परीक्षा कराई जाएगी। सीबीएसई ने पहली बार दो चरणों में ई-प्रवेश पत्र अपलोड किए हैं। पहले चरण के प्रवेश पत्र में संबंधित परीक्षा वाले शहर और तिथि दी गई है, ताकि अभ्यर्थी अपनी तैयारी कर लें। दूसरे चरण के प्रवेश पत्र में परीक्षा केंद्र का नाम, तिथि और समय का हवाला दिया गया है। परीक्षा सुबह 9.30 से 12 और दोपहर 2.30 से 5 बजे तक दो पारियों में कराई जाएगी।

ANCHOR

मजिस्ट्रेट कॉलोनी में 10 घरों में किया गैस कनेक्शन का शुभारम्भ

3 हजार घरों में पाइपलाइन से पहुंचेगी रसोई गैस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। वस्त्रनगरी में अडाणी ग्रुप की ओर से पाइपलाइन के माध्यम से घर-घर रसोई गैस की योजना पर अमल शुरू हो गया है। शुक्रवार को मजिस्ट्रेट कॉलोनी में 10 गैस कनेक्शन को चालू कर दिया। शहर में आर.सी.व्यास और आर.के.कॉलोनी में भी कनेक्शन देने का कार्य चल रहा है। फिलहाल कंपनी बहुत कम शुल्क में गैस कनेक्शन दे रही है। वह पाइप व मीटर स्वयं के खर्च से लगा रही है। कनेक्शन के लिए 5300 रुपए लिए जा रहे है। इसमें से 5 हजार सिक्यूरिटी राशि है, जो गैस कनेक्शन कट जाने पर वापिस मिल जाएगी।

कम्पनी के स्थानीय प्रतिनिधि राजेश छीपा ने बताया कि घर-घर कनेक्शन के लिए कंपनी की ओर से 5 हजार रुपए प्रति कनेक्शन चार्ज लिया जा रहा है। यह राशि रिफंडेबल होगी। इसके अलावा 300 रुपए प्रति कनेक्शन नोन रिफंडेबल चार्ज लिया जा रहा है। यह शुल्क एसेसरीज का होगा। इसके अलावा जितनी गैस की खपत होगी, उसका भुगतान करना होगा। घरों में गैस पहुंचाने के लिए कांदा गांव के पास गेल इंडिया की ओर से टर्मिनल प्वाइंट बनाया गया है। वहां से अब तक करीब 40 किलोमीटर गैस पाइप डाली जा चुकी है। जबकि घरों के लिए 20 किलोमीटर स्टील पाइप डाली गई है। अडानी की ओर से अब तक 3 हजार लोगों से सम्पर्क किया है। इनमें से करीब दो हजार लोगों ने कनेक्शन के लिए सहमति दी है। करीब 600 घरों में पाइपलाइन से गैस की आपूर्ति शुरू होने वाली है।

कोटा से भीलवाड़ा के कांदा गांव तक 180 किमी लाइन बिछाई है। कांदा में टर्मिनल बनाया है, जहां से भीलवाड़ा के उद्योगों को भी गैस सप्लाई करने का प्लान है। कांदा से पाइपलाइन आगे चित्तौड़गढ़ के चंदेरिया तक जा रही है।

चंदेरिया में हिंदुस्तान जिंक तक गैस पाइप लाइन डाल रखी है। कम्पनी ने अब तक 250 करोड़ का निवेश कर चुकी है। जबकि अगले कुछ सालों में 2 हजार करोड़ रुपए व्यय करेगी।

यह हो रहा है कार्य

- गैस कनेक्शन के लिए कम्पनी की ओर से 5300 रुपए लिए जा रहे हैं। जिसमें से 5000 रुपए सिक्यूरिटी के तौर पर जमा है। कनेक्शन कटने की स्थिति में 5000 वापस मिल जाएंगे।
- कंपनी की ओर से एक घर में एक गैस कनेक्शन ही दिया जाएगा।
- रसोई तक अधिकतम 15 मीटर लंबा पाइप, गैस मीटर एवं वॉल्व लगाकर दिया जाएगा।
- पाइप की इससे ज्यादा लंबाई होने पर प्रति मीटर 220 रुपए व 18 प्रतिशत जीएसटी ली जाएगी।
- गैस की कीमत पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से निर्धारित दर के अनुसार ली जाएगी।
- गैस स्टोव के पास व घर के बाहर वॉल्व लगाए जाएंगे, ताकि गैस लीक होने की स्थिति में उसे आसानी से बंद कर सकेंगे।
- गैस मीटर पर कंपनी के टोल फ्री नंबर चस्पा होंगे, जिन पर कॉल करने के बाद जल्द ही स्पेशल टीम मौके पर पहुंचेगी।

डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23 | R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta

गहलोत 'राज' की तीसरी वर्षगांठ मनाने की तैयारी शुरू, जयपुर में होगा भव्य समारोह

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की गहलोत सरकार 17 दिसंबर को अपने 3 साल पूरे करने जा रही है। तीसरी वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए भव्य रूप से राज्य स्तरीय कार्यक्रम जयपुर में आयोजित होगा। इसके साथ ही 1 सप्ताह तक जिला मुख्यालयों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसके जरिए सरकार अपने 3 साल के कामकाज का लेखा-जोखा जनता के बीच में रखेगी।

प्रदेश की गहलोत सरकार मंत्रिमंडल पुनर्गठन की कवायद पूरी करने के साथ ही अब 2023 की चुनावी तैयारियों में जुट गई है। जिसकी शुरुआत सरकार अपनी तीसरी वर्षगांठ के रूप में करेगी । राजधानी जयपुर में सरकार के 3 साल पूरे होने पर भव्य रुप से जलसा आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रदेशभर से पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा। इसके बाद सभी प्रभारी मंत्रियों को जिलो में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भेजा जाएगा। जिला स्तर पर सरकार के 3 साल की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

गहलोत सरकार के 3 साल की वर्षगांठ को भव्य और यादगार बनाने के लिए सामान्य प्रशासन विभाग पूरी तरीके से तैयारी में जुट गया है। विभाग की ओर से सभी विभागों से सरकार के कामकाज की रिपोर्ट मांगी गई है। घोषणा पत्र में किए गए वादों की रिपोर्ट कार्ड भी सरकार जनता के समक्ष रखेगी। जिसकी सभी विभागों से 22 नवम्बर तक रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट के जरिए बताया जाएगा कि किस तरीके से सरकार ने जो जनघोषणा पत्र सरकारी दस्तावेज बनाया था। उसे समय रहते पूरा किया है और जो शेष काम बाकी हैं। उसे कितने वक्त में पूरा करेगी। खासकर कोरोना कॉल में सरकार की तरफ से यह गए कामकाज की रिपोर्ट तैयार की जा रही है ताकि जब सरकार जनता के बीच में जाए तो अपनी उपलब्धियों को जी ना सके।

जिला प्रभारी मंत्री करेंगे जिलों का दौरा

सूत्रों की माने तो दिसंबर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बाद सभी मंत्री अपने प्रभार वाले जिले में दौरा करेंगे। सभी प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिवों को 1 सप्ताह तक अपने अपने जिले में रहना होगा। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता के बीच में पहुंचाना होगा। इसके लिए जिला स्तर पर प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

मिशन 2023 पर फोकस

प्रदेश में लगातार सरकार बनने के बाद से ही सियासी उठापटक चलती रही। जिसकी वजह से आम जनता के बीच में जो पहुंच सरकार को बनानी चाहिए थी वह नहीं बन पाई, लेकिन अब सरकार ने मंत्रिमंडल पुनर्गठन के बाद यह साफ कर दिया कि अब वह मिशन 2023 पर काम करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण समारोह के बाद इस बात के संकेत भी दिए कि अब सरकार के मंत्रिमंडल पुनर्गठन का काम पूरा हो गया है. अब सभी मंत्री और विधायक मिलकर किस तरह से 2023 में कांग्रेस की सरकार बने इस को लेकर काम करेंगे।

शाह के बाद नड्डा आएंगे जयपुर, कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा चुनाव में भले ही अभी दो साल का वक्त हो, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने अभी से चुनावी तैयारियों का बिगुल बजा दिया है। पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जयपुर आकर गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला तो रविवार को राहुल और प्रियंका ने सोनिया गांधी की उपस्थिति में मोदी सरकार को घेरा है। अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर आ रहे हैं। नड्डा ना केवल संगठनात्मक बैठक लेंगे, बल्कि 8 जिलों को नए पार्टी कार्यालयों की सौगात देंगे। अभी तक उनके आने की तारीख तय नहीं हो पाई है। लेकिन जनवरी में नड्डा की ओर से दी जाने वाली तारीखों के हिसाब से उनके आने का कार्यक्रम तय होगा। हालांकि भाजपा ने उनके प्रस्तावित कार्यक्रमों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। नड्डा जयपुर में पन्ना प्रमुख से लेकर मंडल स्तर तक के पदाधिकारियों की एक बड़ी सभा को संबोधित करेंगे। इसके अलावा संगठनात्मक मजबूती की दृष्टि से भी कई अहम बैठकें लेंगे। उनके राजस्थान आगमन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आपको बता दें कि अमित शाह के जयपुर दौरे के बाद ही नड्डा के जयपुर आने की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। शाह के निर्देश के बाद आक्रोश रैलियों की भी तैयारी भाजपा कर रही है।

8 जिलों में भाजपा के कार्यालय भवन का करेंगे लोकार्पण

नड्डा अपने जयपुर दौरे के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में बनाए जा रहे भाजपा के जिला कार्यालय भवनों का लोकार्पण भी करेंगे। वर्तमान में पार्टी के विभिन्न जिलों में कार्यालय भवन का निर्माण कार्य चल रहा है, इनमें 8 जिले ऐसे हैं जिनका निर्माण कार्य अंतिम स्टेज पर है। इन्हीं आठ जगहों पर लोकार्पण जेपी नड्डा करेंगे।

जयपुर जिले में मकर संक्रांति शीताल अष्टमी का अवकाश घोषित

जयपुर @ जागरूक जनता। जिला कलक्टर अन्तर सिंह नेहरा ने सम्पूर्ण जयपुर जिले में वर्ष 2022 के लिए मकर संक्रांति 2022 एवं शीतला अष्टमी (मेला चाकसू) का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। मकर संक्रांति का अवकाश 14 जनवरी और शीतला अष्टमी का 25 मार्च को अवकाश रहेगा। वर्ष 2022 में मकर संक्रांति का पर्व पंचांग के अनुसार 14 जनवरी 2022 शुक्रवार को पौष मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी की तिथि को मनाया जाएगा। शीतला अष्टमी होली के ठीक आठ दिन बाद मनाई जाती है। इस बार शीतला अष्टमी 25 मार्च 2022 शुक्रवार को है। शीतला अष्टमी के पर्व को बसोड़ा के नाम से भी जाना जाता है। ज्योतिषशास्त्र की मानें तो मां शीतला का पूजन कई प्रकार के दुष्प्रभावों से लोगों को मुक्ति दिलाने के लिए किया जाता है।

इंश्योरेंस सिर्फ 5 मिनट में
Two/Four Wheeler
0141-3587886

विनायक ज्वैलर्स
Retailer of Gold, Diamond & Silver Jewellery
22 K 916 — हॉलमार्क ज्वैलरी
18 K 750 — हॉलमार्क डायमंड ज्वैलरी
970 Certified — Silver Utensiles
राशि रत्न
BIS 100% Hall Marked Jewellery
G-46, Unnati Tower, Central Spine, Vidhya Dhar Nagar, Jaipur
0141-2337548, 0141-2337458, 9414156451

Computer Paradise
Desktop / Laptop / Printer Sale & Service
All Type Accessories • Antivirus Software
Toner Cartridge Refilling • Computer Peripherals
hp lenovo acer intel Tally Canon EPSON DELL
Bhupendra Singh Tanwar
computer.paradise@hotmail.com
9352566707
G-3, Plot No. B-23, L. S. Nagar, Naya Khera, Vidhyadhar Nagar, Jaipur-302039

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

मास्क भी वैक्सीन-मेरा मास्क मेरे साथ

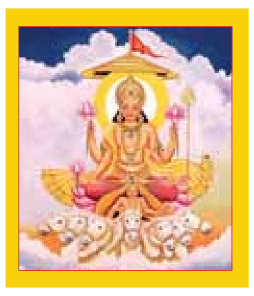

भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net
/jagrukjanta
/jagrukjantanews
jagruk_janta

मार्गशीर्ष, पक्ष - शुक्ल, तिथि - द्वादशी , संवत 2078 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-7, अंक-42, 15 दिसम्बर - 21 दिसम्बर, 2021 मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

जागरूक खबरें

व्यंजन द्वादशी उत्सव आज

जयपुर @ जागरूक जनता। मंदिर श्री सीताराम जी छोटी चौपड़ पर मंदिर महंत श्री नंदकिशोर जी महाराज के सानिध्य में मंदिर प्रांगण में व्यंजन द्वादशी का उत्सव मनाया जाएगा। ठाकुर जी श्री सीताराम जी को शीतकालीन वस्त्र धारण करवाए जाएंगे। ठाकुर जी श्री सीताराम जी के बाजरा, मोट, मूंग, चावल, गड्डे की सब्जी, खीर ,मालपुए, अभी व्यंजनों का भोग लगाया जाएगा। और सभी भक्तों में प्रसादी वितरित की जाएगी। मंदिर के रसिक जनों द्वारा मंदिर प्रांगण में भजनों का आयोजन किया जाएगा।

13 पाक विस्थापित नागरिकों को मिली भारतीय नागरिकता

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के जयपुर में मंगलवार को 13 पाक विस्थापित नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रथम) इकबाल खान ने भारतीय नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान करते हुये सभी को बधाई दी एवं उन्हें जिम्मेदार भारतीय नागरिक बनने की अपील की।

सुविवि में अब 15 जनवरी को आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का रोजगार मेला

उदयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर का रोजगार मेला ओमिक्रोन के प्रभाव को देखते हुए आगे बढाते हुये 15 जनवरी को आयोजित किया जाएगा जिसमें देश विदेश की नामी कंपनियां भाग लेगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अमेरिका सिंह ने बताया कि सुखाड़िया विश्वविद्यालय बेहतरीन शिक्षण के साथ ही रोजगार परक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इसी के क्रम में नई शिक्षा नीति के तहत रोजगार बढ़ाने वाले संकायों का गठन भी किया गया है। रोजगार मेले का आयोजन भी इसी संदर्भ में होगा जिसमें आदिवासी अंचल के हजारों विद्यार्थियों को अच्छी जगह प्लेसमेंट हो सकेगा।

झुंझुनू के अजय ने ताशकंद में जीता गोल्ड

झुंझुनू @ जागरूक जनता। राजपुताना राइफल्स में कार्यरत झुंझुनू के खडोत गांव के अर्जुन अवार्डी अजय सिंह ने ताशकंद में चल रही कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चेम्पियनशिप में 81 किलोग्राम केटेगिरी में स्वर्ण पदक हासिल कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। अजय सिंह ने रविवार को कॉमनवेल्थ वेट लिफ्टिंग चेम्पियनशिप के पुरूष वर्ग में 81 किग्रा भारवर्ग में 322 किग्रा उठाने के सफल प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम करवाया।

जयपुर, उदयपुर समेत 12 जिलों में मिले मरीज, एक्टिव केसों की संख्या 270

प्रदेश में कोरोना के 24 केस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को कोरोना के 24 नए केस मिले हैं। सबसे ज्यादा जयपुर, उदयपुर में 4-4 मरीज मिले। इन दो जिलों के अलावा 10 अन्य जिलों में भी मंगलवार को कोरोना के पॉजिटिव केस आए। वहीं, प्रदेश में आज कुल 13 मरीज रिकवर हुए हैं। कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 270 पर पहुंच गई। राजस्थान में दिसंबर में कोरोना की स्थिति देखें तो पिछले 14 दिन के अंदर अब तक 342 मरीज मिल चुके हैं, जबकि 3 लोगों की जान इस महीने में जा चुकी है। पिछले महीने नवंबर में 30 दिन के अंदर कुल 365 केस आए थे। एक बच्चे की मौत हुई थी।

मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान की रिपोर्ट देखें तो जयपुर, उदयपुर के अलावा बारां, बीकानेर में 3-3, अजमेर, अलवर में 2-2 और राजसमंद, जोधपुर, झुंझुनूं, जालौर, हनुमानगढ़ और चूरू में एक-एक केस मिला है। जालौर जिले में तो 3 महीने के अंतराल के बाद कोरोना का पहला केस आया है। इससे पहले जालोर में आखिरी केस 3 सितम्बर को आया था।

राजस्थान में कोरोना की रिपोर्ट देखें तो अब तक कुल 9 लाख 55,127 लोग इस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं, जबकि 9 लाख 45,899 मरीज अब तक इस बीमारी से रिकवर हो चुके है। वहीं 8,958 लोगों की इस बीमारी से अब तक मौत हो चुकी है। वहीं 270 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है।

जेएलएन मार्ग पर आया लेपर्ड शावक, दो घंटे रेस्क्यू के बाद चिड़ियाघर पहुंचाया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कर्पूरचंद कुलिश स्मृति वन में मंगलवार तेंदुआ का एक शावक मिला। मां से बिछड़ा यह मादा शावक भय से झाडियों में छुपा हुआ था। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने दो घंटे बाद उसे रेस्क्यू कर चिड़ियाघर पहुंचाया। उसका स्वास्थ्य परीक्षण करवा चिकित्सक की निगरानी में रखा गया है। इधर, शावक की मां की तलाश में स्मृति वन में कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं।

वनकर्मियों को अपराह्न 4 बजे कुलिश स्मृति वन में वनकर्मियों को झाडियों में एक लेपर्ड का शावक गुर्राता और सर्दी से कांपता हुआ दिखा। इसके बाद उन्होंने विभाग की रेस्क्यू टीम को सूचना दी। रेस्क्यू टीम के वन्यजीव चिकित्सक अशोक तंवर, सहायक वनपाल सुरेश चौधरी, राजेंद्र सिंह को मौके पर पहुंचने में करीबन डेढ़ घंटा लगा। इतनी देर तक उसे वहां मौजूद वनकर्मी देखते ही रहे और कोई भी उसे रेस्क्यू करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। बाद में रेस्क्यू टीम ने उसे चिडियाघर पहुंचाया।

तीन-चार दिन से भूखा

स्वास्थ्य परीक्षण में शावक के तीन से चार दिन भूखे होने की पुष्टि हुई। भोजन नहीं मिलने से वह कमजोर हो गया था और उसे ठंड भी लग गई थी। चिड़ियाघर लाए जाने पर उसने डाइट ली और पानी भी पिया। उसे पिंजरे में हीटर लगा चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

गुस्से में, गुर्रा रहा लगातार

चिकित्सक तंवर का कहना है कि शावक जब मिला तब गुस्से में था और लगातार गुर्रा रहा था। स्थिति में सुधार होते ही वापस छोड़ दिया जाएगा। इससे पहले उसकी मां की तलाश की जाएगी। जिस हालत में शावक मिला है, लग रहा है कि उसकी मां कई दिन से उसके पास नहीं आई है।

इन्वेस्ट समिट अगले साल, शामिल होंगी 2100 कंपनियां

बेंगलुरु रोड शो में मिले 74,312 करोड़ के प्रपोजल, सिरोही में 4,900 करोड़ का एनर्जी स्टोरेज प्लांट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में जनवरी में होने जा रहे इन्वेस्ट समिट में करीब 2100 कंपनियां शामिल होंगी। सरकार का 12 सेक्टर्स पर फोकस है। जिसमें एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग, ऑटोमोबाइल एंड इलेक्ट्रिक व्हिकल, केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल, ईएसडीएम, लैदर फुटवियर एंड फर्नीचर, आईटी, माइन्स, मिनरल्स एंड सैरेमिक्स, मेडिकल, हैल्थ एंड फार्मा, रिन्युएबल एनर्जी, स्पोर्ट्स, गुड्स एंड टॉय मैन्युफैक्चरिंग, टैक्सटाइल एंड अपैरल, टूरिज्म जैसे सेक्टर्स शामिल है।

जिला लेवल पर चलेगा समिट

इन्वेस्ट समिट का काम इस बार हर जिले के लेवल पर किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री से लेकर जिला कलेक्टर तक जिला स्तर पर इनवेस्टर्स से प्रपोजल ले रहे हैं। साथ ही सरकार के हर विभाग भी 1-15 जनवरी तक खुद का समिट खुद करेंगे। समिट का स्टेट लेवल का कार्यक्रम जहां जेईसीसी में होगा वहीं जयपुर सहित अन्य जिलों के लेवल पर भी समिट की झलक दिखाई देगी।

बेंगलुरु में मिले 74,312 करोड़ के प्रपोजल

बेंगलुरु में सोमवार को हुए इन्वेस्टर्स कनेक्ट प्रोग्राम में 74,312 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें 4 एमओयू और 15 एलओआई शामिल हैं। रोड शो में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग की अगुवाई वाले प्रतिनिधि मंडल ने निवेशकों से चर्चा की।

सिरोही: एनर्जी स्टोरेज प्लांट, **अलवर:** ऑटोमेशन व रोबोटिक्स उत्पाद निर्माण इकाई

बेंगलुरु में मिले प्रस्तावों में नई टेक्नोलॉजी पर आधारित उद्योगों रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टेक्निकल टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी के साथ ही हॉस्पिटैलिटी, स्वास्थ्य और रियल एस्टेट शामिल हैं। इनमें जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी द्वारा सिरोही में 1 हजार मेगावाट का हाइड्रो पंप बेस्ड एनर्जी स्टोरेज प्लांट लगाने का 4,900 करोड रुपए का प्रस्ताव मिला है। एडवर्ब टेक्नोलॉजी द्वारा अलवर के ईएमसी जोन में ऑटोमेशन और रोबोटिक्स संबंधित उत्पाद बनाने की इकाई लगाने का प्रस्ताव मिला है। मैसूर से भी करीब 160 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान एक एनर्जी सरप्लस राज्य बन चुका है। जोधपुर के भाड़ला में 14 हजार एकड़ भूमि पर स्थापित विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क है। रीको द्वारा 360 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा चुके हैं।

5 जगह रोड शो, 5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

5 जगह रोड़ शो में राज्य को अब तक करीब 5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। दुबई से करीब 46,000 करोड़, दिल्ली से 78,700 करोड़, मुंबई से 1,94,950 करोड़, अहमदाबाद से 1,05,000 करोड़ और बेंगलुरु से 74,312 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव शामिल हैं।

> **राजस्थान** निवेश प्रोत्साहन योजना- 2019 में आईटी को थ्रस्ट सेक्टर में शामिल कर विशेष लाभ दिए जा रहे हैं। भविष्य की निवेश जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेक्टर आधारित नीतियां और योजनाएं बनाई जा रहीं हैं।
>
> **- शकुंतला रावत,** उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

दी बार एसोसिएशन जयपुर चुनाव रिजल्ट

कमल किशोर शर्मा अध्यक्ष, मनोज कुमार महासचिव बने

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दी बार एसोसिएशन जयपुर के चुनाव में अध्यक्ष पद पर कमल किशोर शर्मा जीत गए। शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पवन शर्मा को हराकर अध्यक्ष पदा का चुनाव जीता। वहीं महासचिव पद पर मनोज कुमार शर्मा ने जीत दर्ज की। इधर चुनाव की काउंटिंग पूरी भी नहीं हुई को पहले से ही संभावित विजेताओं के समर्थकों ने खुशियां जताना शुरू कर दिया।

अध्यक्ष, महासचिव समेत तमाम पदों पर चुनाव लड़े प्रत्याशी जो जीत के नजदीक पहुंचे उनके समर्थकों ने उन्हें माला पहनाकर, ढोल-नगाड़े बचाकर बधाईयां देनी शुरू कर दी। अध्यक्ष पद पर कमल किशोर को 2130 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर रहे पवन शर्मा को 926 वोट मिले। इसी तरह महासचिव पद पर मनोज कुमार शर्मा को 1566 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर पर पंकज शर्मा को 1050 वोट मिले। अध्यक्ष, महासचिव के अलावा उपाध्यक्ष के 2 पदों पर दीप्ति शर्मा और प्रमोद कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर महेंद्र गहलोत, उप कोषाध्यक्ष पद पर टीनू यादव, सयुंक्त सचिव पद पर सुनील कुमार शर्मा, पुस्तकालय सचिव के पद पर गिरजेश चतुर्वेदी और सांस्कृतिक सचिव पर घनश्यामदास विजय ने जीत दर्ज की है। आपको बता दें कि इन चुनावों में अध्यक्ष, महासचिव समेत तमाम पदों व कार्यकारिणी सदस्यों के लिए कुल 92 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा है, जिसके लिए सोमवार को वोटिंग हुई थी। इन चुनावों में 10,082 वोटर्स में से 5,633 ने वोट डाले थे।

ये जीते कार्यकारिणी में

दी बार एसोसिएशन के चुनाव में कार्यकारिणी के सदस्यों के आए रिजल्ट में कुलदीप शर्मा, श्रवण सिंह, पुष्पेंद्र कुमार भारद्वाज, अनुभा सिंह, कमलेश शर्मा, महेश कुमार शर्मा, अंशुल कौशिक, शहाबुद्दीन गौरी, रमेशचंद्र शर्मा, चंद्रप्रकाश खेतानी, घनश्याम गंगवाल और सूर्यदेव सिंह तंवर ने जीत दर्ज की है।

राास में सांसद किरोड़ीलाल मीणा बोले-

गौ रक्षा को हिन्दुओं का मूल अधिकार बनाएं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान से बीजेपी सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने राज्यसभा में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग रखी। सांसद किरोड़ीलाल ने गौ रक्षा की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि गाय भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। जिसमें गाय को पूजा जाता है। गौ, गीता, गंगा और गायत्री सनातन संस्कृति की पहचान हैं। इसलिए यह वक्त की मांग है। उन्होंने गायों की रक्षा को हिन्दुओं का मूल अधिकार बनाने की भी मांग रखी।

गाय रक्षा को हिन्दुओं का मूल अधिकार बनाया जाए

राज्यसभा में विशेष उल्लेख के दौरान मीणा ने कहा कि जब किसी देश की संस्कृति और उसकी आस्था को ठेस पहुंचती है, तो देश कमजोर होता है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र में लिखा है कि किसी देश को नष्ट करना है, तो पहले उसकी संस्कृति नष्ट कर दो। देश अपने आप ही नष्ट हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर राज्यों में गायों की हत्या पर रोक है। उन्होंने कहा सनातन धर्म में गाय को माता मानकर पूजा जाता है। गाय हिंदू संस्कृति का मजबूत प्रतीक और आस्था का केंद्र है। इसलिए जब कोई भी गौ हत्या कर देता है, तो सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ जाता है। गाय का मांस खाना किसी का मौलिक अधिकार नहीं हो सकता, बल्कि जो लोग गाय की पूजा करते हैं,गाय की रक्षा करना उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है।

5 मुस्लिम शासकों ने भी गौ हत्या पर पाबंदी लगाई

सांसद मीणा ने कहा कि लोग आर्थिक तौर पर भी गाय पर निर्भर रहते हैं। गौ रक्षा किसी धर्म से जुड़ा विषय नहीं है। मुस्लिम शासकों ने भी गाय को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना है। बाबर, हुमायूं और अकबर सहित कम से कम 5 मुस्लिम शासकों ने गौ हत्या पर पाबंदी लगाई थी। किरोड़ीलाल ने मांग रखी कि सरकार गौ हत्या को रोकने के लिए प्रभावी कानून लाए।

ANCHOR | शुरू होगा सूर्यदेव का उत्तरायण काल

सबसे छोटा दिन 21 को, फिर बड़े होंगे

दिन 10 घंटे 18 मिनट 20 सैकंड का और रात 13 घंटे 41 मिनट 40 सैकंड की होगी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। साल का सबसे छोटा दिन 21 दिसंबर को रहेगा, दिन छोटे होने और रात का समय बढ़ने की शुरुआत 11 दिसंबर से ही हो गई है। 21 दिसंबर को दिन 10 घंटे 18 मिनट और 20 सैकंड का होगा और रात 13 घंटे 41 मिनट और 40 सैकंड की रहेगी। ज्योतिषियों की माने तो इसी दिन से सूर्य देव उत्तरायण में जाना शुरू हो जाएंगे। लेकिन शास्त्रों के मुताबिक 14 जनवरी मकर संक्रांति से सूर्यदेव का उत्तरायण काल माना जाएगा। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि हकीकत में सूर्य उत्तरायण में प्रवेश 21 दिसंबर से ही हो जाता है। हालांकि शास्त्रों में 14 जनवरी यानी मकर संक्रांति से उत्तरायण होना माना जाता है। हालांकि दिन का समय घटने और रात का समय बढ़ने का यह सिलसिला 21 दिसंबर के चार दिन बाद यानी 25 दिसंबर से ही फिर से बदलने लगेगा और फिर से रात छोटी होने लगेगी और दिन का समय बढ़ने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। लंबे समय बाद ऐसा हुआ है जब दिन तक यानी 22 से 24 दिसंबर को तीनों दिन व रात का समय एक ही रहेगा।

3 दिन, रात और दिन रहेंगे बराबर

इस बार भी 22 से 24 दिसंबर को दिन का समय 10 घंटे व 18 मिनट व 18 सेकंड का और रात का समय 13 घंटे 41 मिनट और 41 सेकंड की रहेगी। आगामी 21 दिसंबर से ही सूर्य देव का उत्तरायण में प्रवेश शुरू हो जाएगा, शास्त्रों में मकर संक्रांति के बाद से उत्तरायण माना जाएगा।

जागरूक खबरें

सिन्धी समाज ने दी श्रद्धांजलि

उदयपुर @ जागरूक जनता। श्री बिलोचिस्तान पंचायत व श्री सनातन धर्म सेवा समिति के द्वारा सेनानायकों के लिए श्रद्धांजलि सभा रखी। श्री बिलोचिस्तान पंचायत अध्यक्ष नानक राम कस्तूरी ने बताया कि तमिलनाडु के नीलगिरी क्षेत्र में सेना के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में शहीद हुए सीडीएस जनरल बिपिन रावत उनकी पत्नी सहित 11 सेनानायकों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने आज शाम 5:30 बजे श्री सनातन मंदिर में श्रद्धांजलि सभा रखी गई है। जिसमें सिन्धी समाज के प्रताप राय चुप, राजस्थान सिंधी अकादमी पूर्व अध्यक्ष हरिश राजानी, विजय आहुजा, अशोक गेरा, उमेश मनवानी, किशोर झम्बानी, मनोज कटारिया, हेमंत गखरेजा, नरेंद्र कथुरिया आदि पंचायत पदाधिकारी श्रद्धांजलि सभा मे सभी शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की ।

सीडीएस रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

निम्बाहेड़ा @ जागरूक जनता। मुस्कान सोसायटी के तत्वाधान में हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलीकॉप्टर हादसे में भारत के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत व उनकी पत्नी मधुलिका रावत एवं हेलीकॉप्टर में सवार अन्य 11 देश के जांबाजो के शहीद होने पर शोक व्यक्त करते हुए, उन सभी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और स्वर्गीय पुनीत आत्माओं की शान्ति के लिए 2 मिनट का मौन रख कर ईश्वर से प्रार्थना की। "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,वतन पे मिटने वालों का यही बाक़ी निशां होगा" इस वक्तव्य के साथ नगरपालिका अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा ने शहीद हुए सभी वीर सपूतों को स्मरण करते हुए कहा है इनकी देश सेवा और बलिदान को बरसों बरस देशवासी याद रखेंगें।ईश्वर इन वीर सपूतों को अपने चरणों में स्थान दे। श्रंद्धाजलि कार्यक्रम में संस्था संस्थापक भजन जिज्ञासु, एजाज अहमद, नगर पालिका अध्यक्ष सुभाष चंद्र शारदा,मुस्कान सोसायटी अध्यक्ष शमशु कमर, सचिव फैसल खान, टाईगर संस्थान के प्रवक्ता खुर्शिद ऐजाजी पार्षद शबाना खान, पुष्पा वच्छानी, फिरदोस बी, राजेश साण्ड, ओम बाहेती, धर्मपाल जाट,ए पी पी फ़हीम खान बक्शी, प्राचार्य नीतू गुप्ता, डॉ शमा खान,एस एस अग्रवाल, यू एस शर्मा, शांति लाल दायमा, शायर जमील अहमद, एडवोकेट अब्दुल कलाम, मैना आचार्य, नीलम प्रजापति,मदन प्रजापति, शाहिद दस्तक, व्याख्याता अनीता, मधु गुगलिया, फजलुर रहमान, अनिल कुमार चेलावत, सुनील कुमार डूंगरवाल,वीणा बंसल, नफीस यह अहमद, प्रवीण कुमार, अभिषेक,मांगीलाल कुमावत,तहजीब गोरी,प्रमिला चौधरी, हाफिज सोहैल, मेहरून्निसा, नाहिद खान आदि उपस्थित थे।

अविनाश को मिला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में विशिष्ट सम्मान

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर शहर के प्रख्यात गीतकार, फिल्म मेकर और लेखक अविनाश त्रिपाठी को मध्यप्रदेश के खजुराहो में चल रहे, खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया. अविनाश त्रिपाठी को यह सम्मान खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के फाउंडर डायरेक्टर और प्रख्यात अभिनेता राजा बुंदेला के द्वारा दिया गया. गौरतलब है कि अविनाश लगभग दो दशक से शॉर्ट फिल्म निर्माण कर रहे हैं। अविनाश ने 700 से भी अधिक शॉर्ट फिल्म और डॉक्यूमेंट्री का निर्माण और निर्देशन किया है, जो एक तरह का अनोखा कीर्तिमान है. अविनाश विगत दिनों में फिल्म स्क्रिप्ट लेखन, फिल्मी गीत लेखन के साथ-साथ कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय फिल्मों के ज्यूरी और एडवाइजर भी रहे हैं। अविनाश के लिखे गीत को लीजेंडरी गायिका कविता कृष्णमूर्ति, शान , कविता सेठ, अन्वेशा, अभिषेक रे, अनुपमा राग सहित बहुत से प्रसिद्ध बॉलीवुड सिंगर ने गाया है। अविनाश में एमिटी यूनिवर्सिटी में फिल्म अध्यापन का कार्य किया है। फिल्म फेस्टिवल में पहली बार आयोजित किए जा रहे मीडिया विमर्श में भी अविनाश ने "घर और सिनेमाघर" विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि सिनेमा घर में फिल्म देखना एक सामूहिक उत्सव जैसा है और सिनेमा एक अनुभूति की तरह आपके साथ सदैव रह जाता है। ओटीटी के भविष्य को उज्जवल बताते हुए ओटीटी में विषय के विस्तार की बात भी कही। ओटीटी ने स्टार सिस्टम को काफी हद तक तोड़ा है और अनजान चेहरे भी मजबूत कहानियों के साथ दर्शकों की पसंद बन रहे हैं। देश भर से आए। विख्यात फिल्म समीक्षकों ने प्रमुख रूप से अजय ब्रह्मात्ज, हरीश पाठक, नीलकंठ पारटकर, प्रहलाद अग्रवाल, पुष्पेंद्र पाल सिंह, रेखा खान, प्रकाश रे और गजेंद श्रोत्रिय थे। इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में गोविंदा, शब्बीर कुमार, मनोज तिवारी, रंजीत कपूर, वीआईपी, सांसद राम विलास वेदांती और गवर्नर मध्य प्रदेश जैसी कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुई।

प्रो. संजय शर्मा को विश्व रैंकिंग में किया सूचीबद्ध

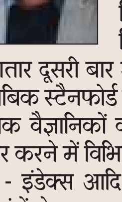

जयपुर @ जागरूक जनता। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिकों की टीम ने एक विस्तृत विश्लेषण किया है। विश्लेषण में भारत के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों को विश्व रैंकिंग में स्थान मिला है। इस सर्वे में रसायन शास्त्र के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. संजय शर्मा को शामिल किया गया है। जेसीईसीआरसी यूनिवर्सिटी के रिसर्च डीन प्रो. संजय शर्मा ने बताया कि लगातार दूसरी बार उन्हें इस सूची में स्थान मिला है। जानकारी के मुताबिक स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की टीम ने दुनिया भर के 1 लाख से अधिक वैज्ञानिकों का डेटाबेस तैयार किया था। इस डेटाबेस को तैयार करने में विभिन्न वैज्ञानिक पैरामीटर्स जैसे उद्धरणों की संख्या, एच - इंडेक्स आदि का ध्यान रखा गया है।अध्ययन में विभिन्न मापदंडों के अनुसार रैंकिंग बनाई गई है। प्रो. शर्मा की माने तो इसमें वैज्ञानिकों को 22 वैज्ञानिक क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया। इस मौके पर जेसीईसीआरसी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन अर्पित अग्रवाल ने विभिन्न एनआईपीईआर और देश के अन्य संस्थानों के साथी वैज्ञानिकों को बधाई दी।

जागरूक जनता
jagrukjanta.com
फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

राहुल के भारत को हिंदुओं का देश बताने पर विवाद

भारत सब भारतीयों का, अकेले हिंदुओं का नहीं, गहलोत ने दी सफाई-ओवैसी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर की रैली में राहुल गांधी के भारत को हिंदुओं का देश बताने और हिंदू बनाम हिंदुत्व की नई परिभाषा पर विवाद हो गया है। बीजेपी के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने ट्वीट कर की प्रतिक्रिया दी है। ओवैसी सहित कई नेताओं के बयानों के बाद रविवार देर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सफाई देने के अंदाज में ट्वीट किया।

राहुल और कांग्रेस हिंदुत्व के लिए ग्राउंड तैयार कर रहे

ओवैसी ने राहुल गांधी के बयान के बाद ट्वीट में लिखा- राहुल और कांग्रेस हिंदुत्व के लिए ग्राउंड तैयार कर रहे हैं। अब वे बहुसंख्यक वाद की फसल काटना चाहते हैं। 2021 में हिंदुओं को सत्ता में लाने का सेक्युलर एजेंडा है, वाह। भारत सब भारतीयों का है।

अकेले हिंदुओं का नहीं है। भारत सभी मत-मतांतरों को मानने वालों और नहीं मानने वालों का भी देश है।

देर रात गहलोत ने लिखा- हिंदू किसी से नफरत नहीं करते

देर रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिंदू वाले बयान पर सफाई के टोन में ट्वीट किया। गहलोत ने लिखा- सत्य, अहिंसा, प्यार, भाईचारा और सहिष्णुता को मानने वाला व्यक्ति हिंदू है। हिंदू किसी से नफरत नहीं करते और सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। हिन्दुत्ववादी हिंसा, असहिष्णुता और घृणा फैलाने में भरोसा रखते हैं। हिंदू और हिन्दुत्ववादी में वही अंतर है, जो गांधीजी और गोडसे में था।

हिंदू सत्य, अहिंसा और सद्भाव में विश्वास रखता है

गहलोत ने आगे लिखा- असल मायने में हिंदू सत्य,अहिंसा और सद्भाव में विश्वास रखता है। कट्टरता और चरमवाद किसी भी धर्म में स्वीकार्य नहीं है। राहुल गांधी की सोच है कि हिन्दू धर्म के मूल स्वरूप को बिगाड़कर हिन्दुत्ववाद के नाम पर BJP-RSS द्वारा की जा रही नफरत और हिंसा की राजनीति का देशहित में अंत होना चाहिए।

राहुल के बयान से मुस्लिम वोटर्स में रिएक्शन की संभावना

राहुल गांधी ने पहली बार कहा कि यह देश हिंदुओं का देश है। हिंदुत्ववादियों का नहीं। ओवैसी ने इसी को मुद्दा बनाते हुए मुस्लिम-अल्पसंख्यक वोटर्स को टारगेट किया है। कई प्रदेशों में मु?स्लिम कांग्रेस का परंपरागत वोट हैं। ओवैसी ने इसी वोट को ध्यान में रखते हुए राहुल गांधी के बयान पर निशाना साधा और हिंदुओं का देश बताने पर सवाल उठाए। कांग्रेस के नेता भी मुस्लिम समुदाय में राहुल के बयान का रिएक्शन जांच रहे हैं।

बागड़ा ब्राह्मण समाज सम्मान समारोह 19 को, किया जनसंपर्क

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। अखिल भारतीय बागड़ा ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में 19 दिसंबर 2021 को आयोजित होने वाले समाज के जनप्रतिनिधि एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 2021 के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं कार्यक्रम संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा ने समाज बंधुओं के साथ आलीसर, बाघाकावास आदि गांव में जन संपर्क कर सम्मान समारोह में अधिकाधिक पधारने का आग्रह किया। समारोह संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि समाज के चहुमुखी विकास के लिए युवा वर्ग की सक्रिय भागीदारी सामाजिक आयोजनों में अनिवार्य है, युवा वर्ग को सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए, इस अवसर, पप्पू शर्मा, मालचंद मेहता, मोती राम प्रधान, मुकेश मेहता, कैलाश चंद शर्मा, हीरालाल शर्मा रमेश शर्मा मुकेश मेहताड्ड-विमलपुरा, आदि समाज बंधु उपस्थित थे। समारोह संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि समाज के जनप्रतिनिधियों प्रधान, सरपंच पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य नगर पालिका, नगर निगम, पार्षद गणों, राजकीय सेवा में चयनित विद्यार्थियों, आईआईटी, नीट में कॉलेज आवंटित विद्यार्थियों सीए एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों का अभिनंदन किया जाएगा।

विराज फाउंडेशन ने आयुर्वेद विभाग में विशेषाधिकारी बनने पर किया सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। विराज फाउंडेशन के द्वारा आयुर्वेद विभाग में डॉ गिरधर गोपाल शर्मा को विशेषाधिकारी बनने पर प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व प्रदेशाध्यक्ष (चिकित्सा प्रकोष्ठ) डॉ भारत राज शर्मा के नेतृत्व में सभी पदाधिकारियों के द्वारा एस एस एम जी हॉस्पिटल, चौमूँ पर माला साफा व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया। डॉ शर्मा ने बताया कि आयुष चिकित्सा पद्धति के उन्नयन हेतु विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार की योजना संचालित की जा रही है, जिन्हें सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। जिससे आम जनता को अधिक से अधिक लाभ पहुंचे। इस दौरान डॉ अजीत सिंह शेखावत, कैप्टन पृथ्वी सिंह, प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश प्रचार प्रसार मंत्री चंद्रप्रकाश शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता (आयुष प्रकोष्ठ) डॉ अविनाश वशिष्ठ, प्रदेश मंत्री (आयुष प्रकोष्ठ) डॉ बंशीधर शर्मा, प्रदेश महासचिव (आयुष प्रकोष्ठ) डॉ पवन तिवाडी, प्रदेशाध्यक्ष (सैनिक प्रकोष्ठ) कैप्टन श्रीराम शर्मा, जिला महासचिव नरेंद्र शर्मा, तहसील प्रवक्ता मुकेश लालाणी, चौमूँ नगर अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत, भवानी शंकर शर्मा, डॉ सुरेंद्र शर्मा, एडवोकेट पुष्पेंद्र भारद्वाज आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिले में प्रथम बार निराश्रित बालकों के लिए केरियर काउन्सलिंग शिविर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। जिला कलेक्टर, उदयपुर के निर्देशानुसार जिले के 21 निराश्रित बालगृहों में 14 से 17 वर्ष तक आयुवर्ग के 120 बालक-बालिकाओं को केरियर सम्बन्धी काउंसलिंग जिला बालकल्याण समिति, उदयपुर द्वारा नारायण सेवा संस्थान बड़ी परिसर में शनिवार को दी गई। निराश्रित बालकों के उज्ज्वल भविष्य व आजीविका चयन में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं उद्देश्य निर्धारित करने के लिए जिला बाल संरक्षण ईकाई व जिला कलेक्टर के निर्देशन में एक दिवसीय केरियर गाइडेंस कार्यक्रम नारायण सेवा में आयोजित हुआ। शिविर में बालकों को अपने भविष्य हेतु कौन-सा रोजगार विकल्प चुनें? एवं कैसे इस हेतु मार्गदर्शन प्राप्त करें? विषय के निशांत जनार्दन राय नागर विद्यापीठ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. लालाराम जाट, डॉ. प्रिंस, डॉ. अंकित त्रिवेदी द्वारा सम्बोधित करते हुए मार्गदर्शन दिया गया। सी.डब्ल्यू.सी. अध्यक्ष ध्रुवकुमार कविया और नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बच्चों को केरियर संवारने की आवश्यक जानकारी एवं प्रेरणा दी। संस्थान के प्रोजेक्ट प्रभारी संजय दवे एवं विभिन्न पदाधिकारियों ने भी बालकों को बेहतर भविष्य बनाने का मार्गदर्शन दिया। मीरा निराश्रित बालगृह, मदर टेरेसा बालिकागृह, राजस्थान बालकल्याण समिति, जीवतराम बालकगृह-झाड़ोल, भगवान महावीर निराश्रित बालगृह, सेवा परमोधर्म बालगृह, जीवनज्योति-सुखेर, अरन्य दर्शन-सेमारी, समीधा संस्थान-सलोरा एवं राजकीय बालक-बालिका गृह आदि के बच्चों सहित सभी गृहों के अधीक्षक समारोह में उपस्थित रहे। बालकों के साथ 'मेरे सपने, मेरा केरियर' विषय पर चर्चा हुई। जिसमें बालकों ने कई प्रश्न किए। जिसका जवाब सी.डब्ल्यू.सी. अध्यक्ष एवं प्रशान्त अग्रवाल ने दिए। कार्यक्रम का संचालन जितेन्द्र वर्मा ने किया।

राज्य स्तरीय बजट पूर्व बैठक में औद्योगिकि विकास के लिए चेम्बर ने सुझाव

राजस्थान में बने अलग से टेक्सटाइल नीति तो होगा विकास, मिलेगा रोजगार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। राजस्थान सरकार के वित्त विभाग की ओर से जयपुर स्थित सचिवालय में बजट पूर्व सुझाव बैठक बीते दिनों आयोजित की गई। इसमें भीलवाडा से मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के महासचिव आरके जैन ने हिस्सा लिया। जैन ने आगामी बजट के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

भूमि कर वापस लेने

वित्त विभाग ने 30 मार्च 2020 से औद्योगिक और खनन भूमि पर भूमि कर लगाया है। 10 हजार वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले उद्योगों पर 2 रुपए प्रति वर्ग मीटर की दर से, वाणिज्यिक भूमि पर 3 रुपए की दर से एवं खनन भूमि पर 2.15 रुपए प्रति वर्ग मीटर से कर लगाया गया है। इससे बड़े कपड़ा, सीमेंट, खनिज, खनन और अन्य उद्योगों पर प्रति वर्ष 2 से 10 करोड़ रुपए का वित्तीय भार आ गया है। पहले ही औद्योगिक इकाइयां भूमि उपयोग को कृषि से औद्योगिक, पट्टा किराया आदि में परिवर्तन के लिए रूपांतरण शुल्क का भुगतान करती हैं। खनन और खनिज उद्योग में ड्रेड रेंट और रॉयल्टी आदि का भुगतान करते हैं। पहले, राज्य में भूमि और भवन कर था जिसे वापस ले लिया गया था। लेकिन अब नया भूमि कर लगा दिया गया है।

फायर सेस 5 लाख से 1 करोड़

स्थानीय निकाय विभाग ने 21 जनवरी 2020 को आदेश जारी कर फायर एनओसी के लिए 15 मीटर तक की ऊंचाई वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए अग्नि उपकर की दर 50 रुपए प्रति वर्ग मीटर लगाया है, जो बहुत अधिक है। पहले सामान्य रूप से औद्योगिक इकाइयां निकायों को वार्षिक फायर एनओसी के लिए 10 हजार रुपए प्रतिवर्ष की भुगतान करती थी। अब नई दरों पर औद्योगिक इकाइयों को 5 लाख से लेकर एक करोड रुपए प्रतिवर्ष तक का फायर सेस भुगतान करना होगा।

राज्य स्तरीय भूजल बोर्ड की स्थापना

केंद्रीय भूजल प्राधिकरण ने 24 सिम्तबर 2020 से सभी उद्योगों पर भूजल उपयोग शुल्क लगाया है। साथ ही भूजल उपयोग के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य किया। भूजल का उपयोग राज्यों की भूवैज्ञानिक स्थितियों पर निर्भर करता है। राजस्थान में सतही जल-नदी जल की उपलब्धता बहुत कम है और उद्योगों को भूमिगत जल पर निर्भर रहना पड़ता है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के प्रावधानों के अनुसार राज्य राज्य स्तर पर भूजल बोर्ड बना सकते हैं। यूपी, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, गोवा जैसे कई राज्यों ने उद्योगों की सुविधा के लिए राज्य स्तरीय भूजल बोर्ड का गठन किया है, लेकिन राजस्थान ने ऐसा नहीं है। राजस्थान में भी ऐसा करना चाहिए।

भू-उपयोग परिवर्तन

औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक भूमि की उपलब्धता है। इसके लिए राजस्थान भू-राजस्व (कृषि भूमि का गैर-कृषि उपयोग के लिए रूपांतरण) नियम 2007 के तहत पूर्व में जिला कलक्टर को भू-उपयोग परिवर्तन के लिए 2 लाख वर्ग मीटर तक के अधिकार थे। इसे 29 जून 2021 से घटाकर 50 हजार वर्ग मीटर कर दिया है। राज्य स्तर पर किसी भी प्रकरण के निस्तारण में काफी समय लगता है। कलक्टर को 4 लाख वर्ग मीटर तक का अधिकार मिले। लघु एवं मध्यम उद्योगों के उत्पाद में परिवर्तन करने, आवंटित भूखण्ड को नियम-9 के तहत विभाजित या उपविभाजित करने, आवंटित भूमि को किराए पर देने के अधिकार रीको के अनुरूप जिला स्तर पर कलक्टर को देने चाहिए।

विद्युत दरों में हो कमी

राजस्थान में बिजली की दर देश में सबसे अधिक है। प्रतिस्पर्धा के दौर में राज्य सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। उद्योगों के लिए विद्युत दरों को कम से कम 2 रुपए प्रति यूनिट से घटाया जाना चाहिए। बिजली की उच्च दर के कारण राजस्थान में कोई नया उद्योग और बड़ा विस्तार नहीं हो रहा है। प्रमुख टेक्सटाइल उत्पादक राज्य मध्यप्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु आदि कई प्रकार की सब्सिडी, बिजली दर में छूट दे रहे है।

- गुजरात में उद्योगों के लिए विद्युत दर 4 रुपए प्रति यूनिट।
- महाराष्ट्र की टेक्सटाइल नीति टेक्सटाइल उद्योग को 2 प्रति यूनिट छूट है।
- मध्य प्रदेश में नए उद्योगों के लिए 2 रुपए प्रति यूनिट सब्सिडी है।
- तेलंगाना में उद्योग के लिए 5 साल तक 2 रुपए प्रति यूनिट की सब्सिडी है।
- पंजाब में उद्योगों के लिए 5 रुपए रुपये प्रति यूनिट की घोषणा की है।
- वर्ष 2019 की सौर नीति के अनुसार सौर विद्युत उत्पादक के लिए कैप्टिव उपयोग पर 7 साल के लिए विद्युत शुल्क से छूट की घोषणा की गई थी। इसे लागू किया जाना चाहिए।

नई टेक्सटाइल नीति

टेक्सटाइल उद्योग देश और राज्य में रोजगार प्रदान करने के लिए कृषि के बाद दूसरा स्थान रखता है। सरकार के सहयोग से गत वर्षों में टेक्सटाइल उद्योग ने विस्तार व आधुनिकीकरण किया है। देश में टेक्सटाइल उद्योग की तुलना में, राजस्थान में उद्योग का समग्र विकास बहुत कम है। स्पिनिंग क्षेत्र में देश में लगभग 5 करोड़ स्पिण्डल की तुलना में राजस्थान में 23 लाख स्पिण्डल ही है। इसी तरह देश में 25 लाख पावरलूम की तुलना में राजस्थान में 30 हजार हैं। राज्य में इस उद्योग के विकास के लिए सहयोग की आवश्यकता है। इसके लिए अलग से टेक्सटाइल नीति बनानी होगी। ताकि राज्य में टेक्सटाइल में निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

"इंडिया इम्पैक्ट समिट" में भाग हेंगे सीगड़ा

कनीना @ जागरूक जनता। सामाजिक कार्यकर्ता एवं बीएमडी क्लब चेयरमैन लक्की राव सीगड़ा दिल्ली में आयोजित "इंडिया इम्पैक्ट समिट" में भाग लेकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। लक्की राव सीगड़ा ने जानकारी देते हुए बताया की इस "इंडिया इम्पैक्ट समिट" का आयोजन 15 दिसंबर को नई दिल्ली में होगा। इस समिट में मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री रहेंगे। इस कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन, शिक्षा, गरीबी, स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर व्यक्तिगत रूप से से चर्चा होंगी एवं सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में धैर्य और नेतृत्व के साथ एक बेहतर भारत निर्माण की योजना पर भी बल दिया जाएगा। वर्तमान परिस्थिति कोविड की दुनिया में होने वाले प्रमुख परिवर्तनों पर देश-विदेशों से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा नई जानकारी भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

ANCHOR

राज्य में बीकानेर, नागोर, बाड़मेर, भीलवाड़ा और अजमेर में घोड़े ज्यादा

रेगिस्तान के 'जहाज' की धरती पर 'अश्व' का बढ़ता दायरा

2179 घोड़े है बाड़मेर में अभी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बाड़मेर। रेगिस्तान को वैसे तो ऊंटों का इलाका माना जाता है लेकिन बाड़मेर में मालाणी नस्ल के घोड़े शान-ओ-शौकत बने हुए है और आज के दौर में जब ऊंट घट रहे है एकबार फिर घोड़ो का क्रेज बढने लगा है। ताज्जुब होगा कि बाड़मेर के एक परिवार के पांच भाई तो पांच अलग-अलग देशों में घुड़सवारी में नाम कमा रहे है तो यहीं के दूरस्थ गांव मगरा के जितेन्द्रड्क्षसह भाटी जकार्ता में हुई एशियाई खेलों में भारत को रजत पदक दिलवा चुके है। मालाणी नस्ल के लिए एक बार फिर नए दौर की शुरूआत हुई है। प्रदेश में ऊंटों की संख्या में 2012 और 2019 की पशुगणना में 34.69 प्रतिश कमी आई है और रेगिस्तान के बाड़मेर जिले में भी ऊंट घटकर 19500 पर ही आ गए है तो इधर घोड़े प्रदेश में 33679 है जो .34 फीसदी ही घटे है। राज्य में बीकानेर,बाड़मेर, नागौर, भीलवाड़ा और अजमेर में घोड़ों की संख्या दो हजार के करीब है। बाड़मेर में अभी 2179 घोड़े है।

बाड़मेर में मालाणी नस्ल

बाड़मेर का सिवाना-बालोतरा-समदड़ी का इलाका मालाणी है जो जोधपुर तक छूता है। यहां पर घोड़ों की मालाणी नस्ल है,जो वफादार, कद काठी में मजबूत मानी जाती है। मालाणी नस्ल के घोड़ों की संख्या में इतनी कमी नहीं आई है,जितनी ऊंटों में आ रही है।

तिलवाड़ा मेला बना घोड़ों का मेला

भारत प्रसिद्ध तिलवाड़ा मेला जो पहले गोवंश और इसके बाद ऊंटों का रहा अब वह घोड़ों का मेला हो गया है और पिछले मेले में 600 से अधिक घोड़ो की यहां बिक्री हुई। अश्वपालक रूपसिंह खारा के पास 7 लाख का घोड़ा है और वे कहते है कि घोड़ों की कीमत बढने के साथ अब घोड़ों के शौकीन भी बढ़ रहे है, इस कारण यह मेला घोड़ों का हुआ है।

पांच भाई-पांचों अलग-अलग देश में

बाड़मेर के रेडाणा गांव के पांच भाई जुंझारसिंह (जापान), जसवंतसिंह (इंग्लैण्ड), तेजसिंह (दुबई), उपेन्द्रसिंह (न्यूजीलैण्ड) और भालेन्द्रसिंह (भारत) में है। जसवंतसिंह कहते है कि उनके परिवार में दादा और पिताजी घोड़े रखते थे और जब उनके मामा ने एक भाई जुंझार सिंह को पहले दुबई भेजा तो पूरा परिवार ही अब घुड़सवारी में पारंगत होने से अलग-अलग देशों में है। वे अब यहां से युवा तैयार कर रहे है।

प्रेरित करते है जितेन्द्रसिंह

बाड़मेर के मगरा गांव के जितेन्द्रसिंह भाटी ने जकार्ता में हुए 2018 के एशियाई खेलों में रजत पदक जीतकर देश का गौरव बने। साधारण परिवार से निकले जितेन्द्रड्क्षसह ने मामा के साथ रहकर घुड़सवारी में पारंगत हुए। अब वे युवाओं के लिए घुड़सवारी को लेकर प्रेरणा स्त्रोत है।

रेडाणा में रेसकोर्स बनने लगा

जिला मुख्यालय के पास में ही रेडाणा के रण में घोड़ों का रेसकोर्स बनने लगा है। यहां पिछले सालों से रेस का आयोजन करवाकर युवा घुड़सवारों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जसवंतड्क्षसह रेडाणा का दावा है कि वे 14 युवाओं को घुड़सवारी में देश के विभिन्न रेसकोर्स में रोजगार दे चुके है।

जोधपुर राजपरिवार का प्रोत्साहन

जोधपुर के पूर्व सांसद गजेसिंह तिलवाड़ा मेले में घोड़ों के प्रोत्साहन के लिए हर साल यहां रेस का आयोजन करवाते रहे है। इस रेस में सिंधी, काठियावाड़ी और मालाणी नस्ल के घोड़े आते है। यहां से महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और अन्यत्र से घोड़ों के व्यापारी घोड़े ले जा रहे है।

सरकार के पास नहीं योजना

मालाणी नस्ल के घोड़ों के संवर्द्धन को लेकर नस्ल सुधार की योजना करीब दो दशक पहले पशुपालन विभाग ने प्रारंभ की थी जिसमें दो घोड़े बीएडीपी योजना में खरीदकर नस्ल सुधार को रखे गए थे,इन दोनों की करीब तीन साल पहले बूढ़े होने पर मौत हो गई। इसके बाद कोई योजना पशुपालन विभाग के पास नहीं है।

अश्वपालन महंगा होता है। इसके लिए सरकार अश्वपालकों को प्रोत्साहित करे। तिलवाड़ा मेले में देशभर से अश्वपालक आए इसके लिए योजना बननी चाहिए। **- रूपसिंह खारा,** अश्वपालक

ऑनलाइन विश्व मानवाधिकार दिवस साहित्यिक महोत्सव में उत्कृष्ट रचनाएं प्रस्तुत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लुधियाना। पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा विश्व मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन विश्व मानवाधिकार दिवस साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका विषय मानवाधिकार का महत्व रखा गया। इस महोत्सव में अर्चना वर्मा (क्यूबेक, कनाडा) सहित देश के अलग-अलग राज्यों के रचनाकारों ने भाग लिया तथा एक से बढ़कर एक मानवता और मानवाधिकार से संबंधित रचनाओं को प्रस्तुत कर महोत्सव की शोभा में चार चाँद लगा दिए। इस महोत्सव में सम्मिलित सभी प्रतिभागी रचनाकार शख्सियतों को ऑनलाइन पुनीत मानवता रत्न सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने आधुनिक समाज में मानवाधिकार के महत्व के बारे में बताते हुए सभी लोगों को विश्व मानवाधिकार दिवस की शुभकामनाएं दी तथा विश्व मानवाधिकार दिवस मनाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु रचनाकारों को मानवाधिकार के प्रति लोगों को जागरूक करने वाली रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने महोत्सव में प्रस्तुत की गई रचनाओं पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर रचनाकारों का मार्गदर्शन तथा उत्साहवर्धन किया तथा समूह द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न ऑनलाइन साहित्यिक महोत्सवों में सम्मिलित होने के लिए हिंदी रचनाकारों को सादर आमंत्रित भी किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट रचना प्रस्तुत करके समूह की शोभा बढ़ाने वालों में प्रमुख नाम कुसुम अशोक सुराणा, चंचल जैन, सुनीता सोलंकी मीना, मुक्ता शर्मा, निर्मला कर्ण, अर्चना वर्मा, सावित्री मिश्रा रचनाकारों के रहे।

जागरूक जनता jagrukjanta.com फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

पश्चिमी राजस्थान में घट गया जीरे का बुवाई क्षेत्र

सरसों की चमक के आगे गेहूं-चना फीके

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पश्चिमी विक्षोभ और उत्तरी हवाओं के दबाव के चलत सर्दी का असर तेज हो गया है। मैदानी भागो में अलसुबह धंधु और कोहरे की चादर नजर आने लगी हैं। उधर, खेतों में भी पीला सोना (सरसों) चमकने लगा है। अगेती सरसों फसल में फूल खिल रहे है। वहीं, चने में भी फलाव आना शुरू हो चुका है। लेकिन, इस साल प्रदेश में मसाला फसलों के रकबे में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। हाड़ौती संभाग में धनिया का क्षेत्रफल सिमट चुका है। कमोबेश यही हालात पश्चिमी में जीरा उत्पादक जिलों के है। पिछले साल जहां बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, जालौर, पाली, जैसलमेर आदि जिलों में जीरे की बुवाई 6 से साढे 6 लाख हैक्टयर में हुई थी। इस साल बुवाई क्षेत्र एक से डेढ़ लाख हैक्टयर कम रहता नजर आ रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में जीरे की बुवाई 4.69 लाख हैक्टयर क्षेत्र में हुई है और जीरा बुवाई का वैज्ञानिक समय किसानों के हाथ से निकल चुका है। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डॉ. प्रदीप पगारिया ने बताया कि इस साल बाड़मेर जिले में जीरा बुवाई में किसानों ने रूचि नहीं दिखाई है। बेहत्तर भावों और कम लागत के चलते किसानों ने रायडा फसल की अच्छी बुवाई की है। इस कारण इस साल जीरा बुवाई क्षेत्र में गिरावट दर्ज हुई है। इधर, रबी फसलों की बुवाई निर्धारित लक्ष्य से 93 फीसदी हो चुकी है। गौरतलब है कि रबी बुवाई के लिए एक करोड 80 हजार हैक्टयर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कृषि विभाग का कहना है कि सभी रबी फसलों का बुवाई क्षेत्र बढ़ रहा है। गौरतलब है कि किसान गेहूं की बुवाई 15 दिसम्बर तक किसान कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार सर्द मौसम गेहूं और चने की फसल के लिए अच्छा है। लेकिन, मौसम में आ रहे बदलाव को देखते हुए सरसों-चना उत्पादक किसानों को सतर्क रहने की जरूरत है। आपको बता दें कि सरसों की बुवाई 28 लाख हैक्टयर के मुकाबले 33.36 लाख हैक्टयर क्षेत्र में हुई है। यह गत वर्ष की समानावधि से ज्यादा है। पिछले साल समानावधि में 22.99 लाख हैक्टयर में सरसों की बुवाई हुई थी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सरसों बुवाई क्षेत्रफल में अब ज्यादा बढ़ोत्तरी होने की उम्मीद नहीं है। गौरतलब है कि चालू रबी सीजन में सरसों ही एकमात्र फसल है, जिसकी बुवाई निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा हुई।

सिमटा हुआ है धनिया-लहसुन

प्रदेश में 1.32 हजार हैक्टयर क्षेत्र में लहसुन की बुवाई हो चुकी है। जो पिछले साल की तुलना में कम है। वहीं, गौर करें धनिया फसल की बुवाई पर तो इस वर्ष किसानों न हाथ नहीं खोले है। इस कारण बुवाई का आंकड़ा गति नहीं पकड़ पा रहा है। प्रदेश में धनिया की बुवाई 34 हजार हैक्टयर क्षेत्र में हुई है। जबकि, प्रदेश में डेढ़ से दो लाख हैक्टयर क्षेत्र में धनिया की बुवाई किसान करते है।

4.69 लाख हैक्टयर में जीरा

पश्चिमी राजस्थान में ज्यादा तापमान और सरसों के अच्छे भाव के चलते जीरे की बुवाई में कमी आई है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएल मेहरिया का कहना है रबी सीजन की फसलों के लिए दस डिग्री से कम तापमान अनुकूल होता है। वैसे 12 डिग्री तापमान तक भी फसलें ग्रोथ करती हैं। कृषि विभाग के अनुसार जीरे की बुवाई 4.69 लाख हैक्टयर में हुई हैं। जीरे की सर्वाधिक बुवाई बाड़मेर जिले में हुई है। इसके अलावा नागौर, जैसलमेर, झुंझुनूं, जोधपुर, जिले में बुवाई हुई है।

चने में उखटा

प्रदेश के सवाईमाधोपुर, दौसा, टोंक सहित दूसरे जिलों में चने की फसल में उखटा और जड़गलन रोग का प्रकोप देखने को मिला है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि चना फसल को जड़गलन और उखटा रोग से बचाने के लिए किसान 500 ग्राम कार्बेण्डाजिम 50 डब्ल्यूपी को 5-6 किग्रा रेत मिलाकर सिंचाई से पूर्व प्रति बीघा की दर से पौधे के जड़ क्षेत्र में भुरकाव करें।

यह करें किसान

पछेती गेहूं की उन्नत प्रजातियों में डब्ल्यूआर 544, एचडी 3237, राज 3765, एचडी 3271, एचडी 3059, एचडी 3117, यूपी 2338, पीबीडब्ल्यू 373 एवं यूपी 2425 शामिल हैं. प्रति हैक्टयर के 125 किलोग्राम बीज की जरूरत होगी। बुवाई से पहले गेहूं के बीज को थायरम 2.0 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से उपचारित करें। इसी तरह जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो वहां पर क्लोरपाईरिफास (20 ईसी) 5 लीटर प्रति हैक्टेयर की दर से पलेवा के साथ या सूखे खेत में छिडक दें।

गोभी फसल की करें निगरानी

इस मौसम में गोभीवर्गीय सब्जियों में पत्ती खाने वाले कीटों की रेगुलर निगरानी करते रहें। बीटी-1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी अथवा स्पेनोसेड दवा -1.0 एमएल को 3 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। आर्द्रता अधिक रहने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि वह गेंदे की फसल में पुष्प सडन रोग के आक्रमण की निगरानी करते रहें।

सर्दी से बचाएं पशुधन

कृषि विज्ञान केन्द्र भीलवाड़ा के प्रभारी डॉ. सीएम यादव ने बताया कि पशुपालकों को पशुओं के लिए अपने घर के आस-पास ओट में एक कच्चा-पक्का पशु आवास बनाना चाहिए। जो कि हवा के रूख के विपरीत हो, आवास को साफ-सुथरा, सूखा रखें। पशुओं को ठण्ड से बचाव के लिए उनके ऊपर बारदाना, बोरी गर्म कम्बल डालकर ओढ़ाकर रखें। ऊंटों -घोड़ों पर झूल डालें, छोटे पालतु बछड़ों को गर्म कपड़े पहना कर ठण्ड से बचाएं। पशुओं को खुले में नहीं छोड़े। पशुओं को संतुलित आहार दिया जाए। जिसमें दाना, गुड़ खल की उचित मात्रा शामिल हो। इन दिनों प्रसव का समय भी होने के कारण ब्याने के बाद पशुओं के बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। मां बच्चे को उचित आवास, आहार प्रदान करें। पशु के बीमार होने पर पशु चिकित्सक से इलाज करवाएं।

15 के बाद कड़ाके की सर्दी

मौसम केन्द्र जयपुर की माने तो राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ का असर नहीं रहेगा। लेकिन, उत्तरी हवाओं के जोर के चलते सर्दी लगातार रंग दिखाएगी। ऐसे में 15 दिसंबर के बाद कड़ाके की सर्दी पड़ने की संभावना जताई जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि शेखावाटी सबसे सर्द रहेगा और फतेहपुर का पारा जमाव बिंदु पर आने के साथ अब माइनस में जा सकता है। उत्तरी हवाओं के चिलते राजस्थान में सर्दी का जोर बढ़ेगा और कई इलाके सवेरे-सवेरे धुंध के ढके रह सकते हैं। उधर, शीतलहर शुरू होने से दिनभर सर्द हवाएं चलेंगी और रात के तापमान में और गिरावट होगी। ऐसे में अगले तीन दिन तक न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज होने का अनुमान है।

फसल बुवाई

रबी फसल की बुवाई एक करोड़ 80 हजार हैक्टयर लक्ष्य के मुकाबले 94.07 लाख हैक्टयर में हो चुकी हैं। जो लक्ष्य का 93.32 फीसदी हैं। अब बुवाई में बढ़ोत्तरी की संभावना गेहूं से हैं। दूसरी फसल का बुवाई समय निकल चुका हैं।

फसल	क्षेत्र	फसल	क्षेत्र
गेहूं	24.22	जौ	2.69
चना	19.66	सरसों	33.36
तारामीरा	1.36	अलसी	0.06

बुवाई क्षेत्र लाख हैक्टयर में।

21 साल की हरनाज बनीं मिस यूनिवर्स 2021

शानदार जबाव देकर भारत को दिलाया ताज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। 70वां मिस यूनिवर्स पेजेंट इस साल 12 दिसंबर को इजराइल में आयाजित की गई। जिसमें मिस यूनिवर्स 2021 का ताज भारत की हरनाज संधू ने अपने नाम कर लिया है। इस प्रतियोगिता के प्रीलिमिनरी स्टेज में 75 से ज्यादा खूबसूरत और प्रतिभाशाली महिलाओं ने भाग लिया था, लेकिन टॉप 3 में तीन देशों अफ्रीका और पराग्वे, भारत की महिलाओं ने जगह बनाई। जिसमें साउथ अफ्रीका और पराग्वे को पीछे छोड़ते हुए भारत की हरनाज संधू ने ब्रह्माण्ड सुंदरी का ताज अपने नाम कर लिया। इस समारोह का हिस्सा बनने भारत से दिया मिर्जा भी पहुंचीं। वहीं, उर्वशी रौतेला ने इस बार Miss Universe 2021 के कॉन्टेस्ट को जज किया।

सभी टॉप तीन प्रतियोगियों से सवाल पूछा गया था कि आप दबाव का सामना कर रहीं महिलाओं को क्या सलाह देंगी? इसपर हरनाज संधू ने जवाब दिया, आपको यह मानना होगा कि आप अद्वितीय हैं और यही आपको खूबसूरत बनाती है। बाहर आएं, अपने लिए बोलना सीखें, क्योंकि आप अपने जीवन के नेता हैं। इस जवाब के साथ ही हरनाज संधू से इस साल का मिस यूनिवर्स 2021 का खिताब अपने नाम कर लिया। आपको बता दें कि हरनाज

संधू पंजाब के चंडीगढ़ की रहने वाली हैं और पेशे से एक मॉडल हैं। हरनाज ने साल 2017 में मिस चंड़ीगढ़ का खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने मिस मैक्स इमर्जिंग स्टार इंडिया का खिताब अपने नाम किया। ये दो प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम करने के बाद हरनाज ने मिस इंडिया 2019 में हिस्सा लिया और तब वह टॉप 12 तक पहुंची थीं। मॉडलिंग के साथ-साथ हरनाज एक्टिंग में भी कदम रख चुकी हैं। हरनाज के पास दो पंजाबी फिल्म 'यारा दियां पू बारां' और 'बाई जी कुट्टांगे' हैं। 21 साल की हरनाज इन सबके साथ अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रही हैं। भारत को सबसे पहले मिस यूनिवर्स 1994 का खिताब सुष्मिता सेन ने दिलाया था। इसके बाद साल 2000 में लारा दत्ता ने इस ताज पर अपना नाम दर्ज किया था। हरनाज भारत की तीसरी मिस यूनिवर्स हैं।

झालावाड़ जिले में इस साल 80 फीसदी बगीचे गुलजार

अच्छी बारिश से संतरों का बम्पर उत्पादन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस साल मानसून की मेहरबानी के चलते झालावाड़ जिले में संतरे के 80 फीसदी बगीचे गुलजार हो उठे है। इससे किसानों को अच्छी आय की उम्मीद बंधी है। किसानों का कहना है कि दो-तीन साल के बाद संतरे की फसल हमारे लिए लाभकारी साबित होगी। गौरतलब है कि कमजोर मानसून के साथ रोग-कीट की अधिकता के चलते पिछले दो साल से किसानों को उचित बहार का इंतजार करना पड़ रहा था। इस कारण कई किसानों ने बगीचों को अनउत्पादक मानकर नष्ट भी कर दिया। लेकिन, इस साल कुदरत की मेहरबानी ने संतरों के साथ-साथ किसानों की आय में मिठास भरने का काम किया है। कृषि वैज्ञानिकां का कहना है कि यह स्थिति अम्बे बहार की है। अभी मृग बहार बाकि है। गौरतलब है कि अम्बे की तुलना में मृग बहार से किसानो को उत्पादन और आय अच्छी मिलती है।

खेत से 25 के भाव

संतरा व्यापारी के अनुसार इस वर्ष संतरे की आवक अधिक है, उसके अनुरूप अभी मांग नहीं निकल पाई है। संतरा मंडी में आने के साथ ही उसका उतना उठाव नहीं हो पा रहा है। यहां से बांग्लादेश की बॉर्डर तक ट्रक से संतरा भेजा जा रहा है। डीजल के दाम बढने से इस बार माल भाड़ा भी तेज है। अभी संतरा फल के दाम में उछाल नहीं आया है। संतरा थोक के भाव 20 से 25 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। यहां से रोजाना 100 से 150 ट्रक संतरा की निकासी होती है, वहीं अभी मांग कम होने से निकासी कम हो रही है।

संतरे की भरपूर पैदावार

कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्यानिकी वैज्ञानिक अरविन्द नागर ने बताया कि संतरा उत्पादन के कारण छोटा नागपुर कहे जाने वाले झालावाड़ जिले में इस वर्ष संतरे की भरपूर पैदावार हुई है। संतरे का आकार भी अच्छा है। इस बार संतरे की फसल में किसी तरह का रोग नहीं लगने से फलाव, गुणवत्ता और रस अच्छा है। संतरे के पौधे में वर्ष में दो बार फल आते हैं। पहले सर्दी में और दूसरा गर्मी के मौसम में। गर्मी के मौसम की फसल मुख्य मानी जाती है, लेकिन इस बार गर्मी के संतरे की पैदावार कम हो पाई थी।

काली मस्सी से रहे सतर्क

डॉ. नागर ने बताया कि संतरा उत्पादक किसानों को फसल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए निरंतर बगीचे पर निगरानी रखने की जरूरत हैं। क्योंकि, दिसम्बर माह के दौरान संतरा की फसल में काली मस्सी रोग का प्रकोप होता है। उन्होंने बताया कि इस रोग के नियंत्रण के लिए किसान इमिडाक्लोप्रिड का आधा एमएल प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

बढ़ाता है इम्यूनिटी

संतरे में उच्च फाइबर और विटामिन सी पाए जाते हैं। इसमें मौजूद फाइबर जल्दी भूख नहीं लगने देता है और पूरे दिन कम खाने में मदद करता है, जबकि विटामिन सी ग्लूकोज को ऊर्जा में बदल देता है और वसा को जलाने में मदद करता है वजन कम करने के लिए रोजाना एक संतरे का सेवन करना चाहिए। संतरे में विटामिन सी सहित अनेक पोषक तत्व होते हैं। गर्भावस्था में आहार में संतरा बहुत फायदेमंद होता है। इसे खाने के साथ ही इसका रस फायदा करता है। शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाता है। शिशु के मस्तिष्क का विकास करता है। कब्ज से राहत दिलाता है, रक्तचाप को नियंत्रित करता है। संतरे में विटामिन ए, बी, सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इस फल के सेवन से स्वास्थ्य को कई लाभ है और अनेक समस्याओं में फायदेमंद है।

सकारात्मक चिंतन को प्रोत्साहन देती हुई जमीन आसमान का भव्य लोकार्पण

जमीन आसमान की सभी कहानियां सत्यम शिवम सुंदरम की साधना पर आधारित-अखिल शुक्ला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अनुकृति प्रकाशन के तत्वावधान में लेखक अशोक अजनबी के कहानी संग्रह जमीन आसमान कहानी संग्रह विमोचन समारोह टोंक रोड स्थित दूरबीन रेस्टोरेंट्स में समारोह पूर्वक किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष राजस्थानी की ख्यातनाम साहित्यकार डॉ शारदा कृष्ण तथा मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी टीकम चंद अंजाना, मुख्य वक्ता डॉ.अखिल शुक्ला अधिवक्ता एवं अध्यक्ष हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान, और विशिष्ट अतिथि अशोक राही ख्यातनाम साहित्यकार निर्देशक एवं स्तंभकार, अनुकृति प्रकाशन की संपादक डॉ जयश्री शर्मा और प्रसिद्ध कवयित्री रेनू शब्दमुखर के द्वारा अशोक अजनबी के कहानी संग्रह जमीन आसमान का भव्य लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच संचालक रेनू शब्दमुखर के आगाज के साथ मंचासीन अतिथियों ने सरस्वती दीप प्रज्वलन किया व कवयित्री डॉ. सुशीला शील ने मधुर कंठ के सरस्वती वंदना के गायन से सभी को मंत्रमुग्ध किया। लेखक अशोक अजनबी ने कहा कि जमीन आसमान उनका पहला संग्रह है जिसमें नजदीक के जीवन से जुड़ी हुई कथा और कहानियों को वर्णित किया है।यह सब जो उन्होंने आसपास देखा है, महसूस किया है, समाज के

हर वर्ग की बात को महसूस कर उसे कहानी में डालने की कोशिश की है ।यह सभी कहानियां नवीन और अलग हैं जो अलग-अलग जिंदगियों के अलग-अलग लोगों से प्रेरित कहानियां हैं। मुख्य अतिथि चर्चित चर्चित साहित्यकार व आईएएस टीकमचंद अनजाना ने भाषा के विविध पहलुओं को व्याख्यित करते हुए समीक्षात्मक टिप्पणी में कहा कि अशोक की कहानियां आस पास के जीवन से जुड़ी हुई सरस कहानियां है जो उनके संवेदनशील हृदय की सोच व कल्पनात्मक मिले जुले रूप को दर्शाती है।

मुख्य वक्ता डॉ अखिल शुक्ला ने कहा कि अशोक अजनबी द्वारा लिखित जमीन आसमान नामक कहानी संकलन की कहानियां सत्यम शिवम सुंदरम की साधना पर आधारित है।ये कहानियां वास्तव में आज के समाज की जरूरत है।संकलन में 12 कहानियां और 27 लघु कथाएं सकारात्मक चिंतन को प्रोत्साहन देती हुई नजर आती है तथा समाज को जिस नैतिकता की आवश्यकता है वे कहीं ना कहीं उस नैतिकता का समर्थन करती हुई नजर आती है। हर कहानी जीवन जीने का संदेश देती है और बताती है समाज को अब किस तरीके से जीवन जीने की आवश्यकता है।

डॉ जयश्री शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि जमीन आसमान कहानी संग्रह वर्ग भेद को मिटाती,नारी सशक्तिकरण, गुरु के प्रति शिक्षा कर्तव्य, नैतिक मूल्यों की रक्षार्थ हेतु समाज को संदेश व सकारात्मक सोच वाली कहानियां है जो लोगों की सोच को निश्चित रूप से नई गति देंगी। यह सभी कहानियां सकारात्मक सोच को प्रसारित करती है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार हिंदू संस्कृति सबको समाहित कर आगे बढ़ती है वैसे ही अशोक अजनबी ने इन कहानियों में अनेक भाषाओं के शब्दों को समाहित कर हिंदी साहित्य को सहज एवं सरल बनाने की कोशिश की है ताकि हर वर्ग का व्यक्ति उसको समझ सके।

ख्यातनाम साहित्यकार अशोक राही जी ने अपने वक्तव्य में अशोक अजनबी की कहानियों की विद्वता पूर्ण समीक्षा करते हुए कहा कि अशोक मुखर्जी ने 40 साल संगीत, वादन संगीत निर्देशन, कंपोजर, विज्ञापनों में संगीत देने के बाद यह कहानी संग्रह के सृजन से कहानीकार का नया स्वरूप उभर कर सामने आया है और इन कहानियों की रचना अशोक जी के मन में बरसों पुरानी चल रही थी क्योंकि सृजन वह है जो संवेदना के आधार पर,जानकारी, ज्ञान या कोई दृश्य या कोई घटना आपके मन में भर जाए और जब उसमें से कुछ बूंद छलक कर बाहर आए तब वह व्यक्ति का सृजन होता है।और यही सृजन इनकी कहानियों का है। अंत में साहित्यकार जीनस कँवर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख मीडियाकर्मी व दूरदराज से आए संगीत प्रेमी व साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

आरएसएस के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने किया संस्कृत पत्रिका का विमोचन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। संस्कृति के उन्नयन तथा भारतीयता के जागरण में संस्कृत पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आने वाले समय में संस्कृत आधारित पत्र-पत्रिकाओं की संख्या बढ़ाने का प्रयास होना चाहिए। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर ने संस्कृत मासिक पत्रिका भारती के मार्गशीर्ष अंक के विमोचन पर रखे। समाजसेवी बाबा साहब आप्टे तथा संस्कृत विद्वान गिरिराज शास्त्री द्वारा सन् 1950 में प्रारंभ की गई भारती देश की एकमात्र संस्कृत पत्रिका है जो विगत 72 वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही है। छोटी काशी कहलाने वाले जयपुर में प्रकाशन के बाद यह देश के विभिन्न संस्कृत शिक्षण संस्थानों तथा पाठकों तक पहुंचाई जाती है। भारतीय संस्कृत प्रचार संस्थान के माध्यम से प्रकाशित होने वाली इस पत्रिका में संस्कृत, साहित्य, गजल काव्य, पुस्तक समीक्षा, संस्कृति, इतिहास, आयुर्वेद, स्त्री विमर्श जैसे विभिन्न विषयों को समाहित किया जाता है।

ANCHOR | टेंडर किए आमंत्रित

टूटी सड़कों के फिरेंगे दिन, जल्द भरेंगे गड्ढे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जालोर। जिले के सांचौर-चितलवाना उपखंड क्षेत्र से गुजरने वाली नेशनल हाईवे-68 जल्द ही गड्ढों से मुक्त होंगी। इसको लेकर NHI ने 41.58 करोड़ रुपए का टेंडर आमंत्रित कर दिया हैं। नेशनल हाईवे लंबे समय से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण गड्ढों में तब्दील हो चुकी थी। जिसको लेकर लगातार शहरवासी इसकी मरम्मत करवाने की मांग कर रहे थे। इसको लेकर अब विभाग ने टेंडर आमंत्रित कर दिया है, इसी महीने तक इसका मरम्मत काम अब शुरू होने वाला है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

के क्षेत्रिय ऑफिस की ओर से बुधवार को नेशनल हाईवे-68 के बाड़मेर जिले के गांधव ब्रीज से सांचोर होते हुए गुजरात बॉर्डर तक (259.300 किमी से 297.200 किमी) कुल लंबाई 37.900 किमी के रिकार्पेटिंग के लिए राशि 40 करोड़ 54 लाख 23 हजार 554 रुपए के ई-टेण्डर आंमत्रित किए गए है।11 जनवरी 2021 को निविदा खोली जाकर जल्द ही निर्माण काम करवाया जाएगा। नेशनल हाईवे-68 की स्थिति से करवाया अवगत सांसद पटेल ने नई दिल्ली में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में मुलाकात के दौरान एनएचएआई के उच्चाधिकारियों को बताया था। पश्चिमी राजस्थान के जालोर जिले से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-68 निकलता है। राजस्थान के बाड़मेर जिले के गांधव ब्रीज से गुजरात बोर्डर तक (259.300 किमी से 297.200 किमी) अर्थात कुल लम्बाई 37.900 किमी है। जो कांडला से पठान कोट को जोड़ता है। इस हाईवे सड़क पर जगह-जगह पर बहुत गहरे गड्ढे पड़े है, यह भी कह सकते है कि अब हाईवे पर गड्ढे नहीं बल्कि खड्डों में हाईवे रह गया है।

> मैंने स्थानीय लोगों की मांग एवं नेशनल हाईवे-68 की स्थिति को मध्यनजर रखते हुए पिछले सप्ताह नई दिल्ली में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एवं एनएचएआई के उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया था। उन्होंने एक सप्ताह में आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर रिकार्पेटिंग के लिए निविदा आमंत्रित करने का आश्वासन दिया था। उसी के अनुरूप NH-68 के करीब 38 किमी गांधव से गुजरात बोर्डर तक रिकार्पेटिंग के लिए 41.54 करोड़ की निविदा सूचना जारी की है।
>
> **- देवजी एम पटेल,** सांसद, जालोर-सिरोही

बड़ी दीक्षा आज, लोड़े साजन विकास केंद्र कोट परिसर में होगा आयोजन

नहीं लुभा सकी दुनिया की मोह-माया, अरबों की संपत्ति छोड़ जैन भिक्षु बन गए 13 दीक्षार्थी

कोई स्टूडेंट, कोई करोड़पति तो कोई इंजीनियर,सीए

11 मुमुक्षु बाल ब्रह्मचारी युवा है जो 18 से 30 वर्ष की उम्र वाले है

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर @ मेहराम गहलोत। धर्म नगरी पीपाड़ शहर के इतिहास में पहली बार 13 दीक्षार्थियों ने एक साथ ली दीक्षा। पीपाड़ शहर जैन समाज में पहली बार 13 जनो ने मोहमाया त्यागकर वैराग्य की राह पर चलते हुए अध्यात्म की राह पकड़ी है।जैन धर्म के शीर्ष मुनियों ने उन्हें दीक्षा दी। सांसारिक जीवन छोड़ वैराग्य की राह पर श्रद्धा, दीक्षा से पहले दुल्हन की तरह सजी, खाया मनपसंद खाना व दूल्हा-दुल्हन की तरह सजे और फिर त्याग दीं सब सांसारिक चीजें।

जहां एक ओर पूरी दुनिया धन-ऐश्वर्य के पीछे भागती है, वहीं हमारे बीच के ही कई लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने अरबों की संपत्ति और सारा कुछ छोड़कर साधु-साध्वी या भिक्षु बनने का फैसला ले लिया। राजस्थान जोधपुर मारवाड़ की तेजस्वी व ओजस्वी, जप-तप, धर्म-कर्म गुणों से परिपूर्ण पीपाड़ शहर की माटी में जैन समाज की और से एक रत्न संघ ने 9 दिसंबर को एक अनोखा इतिहास लिखा, जिसमें महाराष्ट, कर्णाटक, राजस्थान, और मध्यप्रदेश के 13 मुमुक्षु एक ही स्थान पर एक साथ एक ही गुरुदेव के श्रीमुख से दीक्षा ग्रहण की। दीक्षा कार्यक्रम के व्यवस्था प्रमुख धनेन्द्र चौधरी ने बताया की पूज्य आचार्य भगवंत हीराचंद्र म.सा. ने पीपाड शहर जिला जोधपुर राजस्थान मे दिनांक 9 दिसंबर को दीक्षा महोत्सव घोषित किया जिसमें बुधवार 15 दिसंबर को बड़ी दीक्षा का आयोजन किया जाएगा इसमें गुरुवर का 1 घंटे का विशेष पाठ होगा । पूज्य आचार्य श्री हीराचंद्र म.सा. एवं भावी आचार्य पूज्य श्री महेंद्रमुनि म.सा. सहित अनेक साधु साध्वीयों के सानिध्य मे आचार्य श्री के मुखारविंद से सामूहिक रूप से कई भव्य आत्माओ की दीक्षा हुई है। अब तक रत्न संघ में 31 संत और 95 सतिया है धर्मनगरी पीपाड़ शहर में सामूहिक दीक्षा महोत्सव मे दीक्षा ग्रहण करने वाले 13 मुमुक्षुओ के नाम प्राप्त हुए। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांतिलाल धारीवाल समारोह के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी धनरूपचंद मेहता बतौर शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय श्री जैन रत्न हितैषी संघ के प्रकाश टाटिया ने की।

प्रचार-प्रसार मंत्री सचिन मूथा ने बताया कि 11 मुमुक्षु 20 से 30 वर्ष की आयु के हैं। नागपुर/जलगांव के गेलड़ा परिवार से 4 मुमुक्षु ने एक साथ दीक्षा ली हैं। इनमें पति-पत्नी-पुत्र के साथ भतीजी (भाई की पुत्री) शामिल हैं। चार दिवसीय कार्यक्रम में घृतपान के साथ, अभिव्यक्ती संध्या, 8 दिसंबर को वरघोड़ा (शोभायात्रा) सुबह 8:30 शहर के मुख्य मार्गो से निकाला गया और वीर परिवारों का अभिनन्दन समारोह दोपहर 01:00 बजे आयोजित हुआ, 9 दिसंबर 11:30 बजे प्रवचन एंव दीक्षा का मुख्य आयोजन संयोजक लोड़े साजन विकास केंद्र कोट परिसर में आयोजित हुआ। जिसमें धनरूपचंद, अमित कुमार, अभिजीत कुमार, प्रेमचंद, अक्षय कवाड़, श्रेणिक कटारिया, सुरेंद्र चौधरी, निर्मल चौरड़िया, बुधमल बोहरा, मनोज मुथा, अशोक भण्डारी, अखिल लुणावत सहित समाज के कई लोग और पदाधिकारी सेवा में जुटे हुए रहे।

दीक्षा से पूर्व अपने जीवन का स्मरण किया पेश

दीक्षा से पूर्व वीर परिवार के अभिनंदन समारोह में सभी मुमुक्षुओ ने अपने जीवन का संक्षिप्त परिचय देते दीक्षा लेने का कारण बताया और सभी दीक्षार्थियों ने अपने परिवार से क्षमा याचना की और इस मार्ग को अपनाने के लिए अनुमती प्रदान करने पर उसके सभी परिवार जनो का आभार जताया। जीवन की आपाधापी में शायद ही ऐसा कोई हो जो धन और वैभव कमाना न चाहता हो। मगर एक समय आता है जब जीवन में सब कुछ पा लेने के बाद भी एक खालीपन सा रहता है और तब मन शांति ढूंढता है। शायद उसी मानसिक शांति और अध्यात्म की चाह में ऐसे कई लोग हैं, जो साधु-साध्वी या जैन भिक्षु बनने का फैसला कर चुके हैं। आपको मिलवाते हैं ऐसे ही कुछ लोगों और परिवारों से जो सारा धन-ऐश्वर्य छोड़कर दीक्षा ग्रहण करेंगे और सब कुछ छोड़कर भिक्षु बन गए। जिसमें 4 दीक्षार्थी बन्धु और 9 दीक्षार्थी बहिने है।

संस्कृत यूनिवर्सिटी

वीसी ने रजिस्ट्रार के पावर छीनकर वित्त नियंत्रक को दिए

...कहा-छुट्टियां बहुत लेते हो, काम नहीं हो रहे हैं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत यूनिवर्सिटी में लगातार कई महीने से विवादों का सिलसिला नहीं थम रहा है। पहले रजिस्ट्रार के सभी पावर लेकर वित्त नियंत्रक को देने का मामला सामने आया था। ज्यादा छुट्टियां करने का हवाला देकर यूनिवर्सिटी के परीक्षा नियंत्रक से सभी अधिकार ले लिए गए हैं।

यूनिवर्सिटी में जनवरी में होने वाले चौथे दीक्षांत समारोह से पहले कुलपति ने स्थायी परीक्षा नियंत्रक नरेंद्र चतुर्वेदी से कार्यभार छीनकर वित्त नियंत्रक उमेद सिंह को सौंप दिया है। एक ओर, राजभवन ने दीक्षांत समारोह के लिए 19 जनवरी की तिथि तय की है, वहीं यूनिवर्सिटी में परीक्षा नियंत्रक पद को लेकर मामला गरमा गया है। गौरतलब है कि पहले भी कम एडमिशन और अन्य मुद्दों को लेकर विवि में विवाद हुए हैं।

वीसी ने लिखा-मार्च 2022 में सेवानिवृत्ति...परीक्षा कार्यों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा

कुलपति ने परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार वित्त नियंत्रक को देने के लिए आदेश जारी किए। इसमें कहा गया है कि परीक्षा नियंत्रक नरेन्द्र चतुर्वेदी की निकट समयावधि में सेवानिवृत्ति 31 मार्च 2022 में है। चतुर्वेदी के अधिकांश समय अवकाश पर रहने के कारण परीक्षा आयोजन, परिणाम और दीक्षांत समारोह से संबंधित प्रकरणों पर आवश्यक कार्यवाही निष्पादन में विलम्बता व समय पर अपेक्षित कार्यवाही नही होने से परीक्षा कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए चतुर्वेदी के स्थान पर परीक्षा संबंधी काम, पद से संबंधित सभी कार्यभार गोपनीय कार्यों सहित वित्त नियंत्रक उमेद सिंह को दिए जाते हैं। उधर, कुलपति के आदेश के विरोध में यूनिवर्सिटी के दो सहायक कुलसचिवों ने वित्त नियंत्रक को परीक्षा नियंत्रक बनाए जाने के निर्णय का विरोध किया है। उन्होंने कुलपति को पत्र लिखकर मांग की है कि परीक्षा नियंत्रक का दायित्व यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक या अशैक्षणिक विभाग के स्थायी कर्मचारी को ही दिया जाना चाहिए। इनका कहना है कि पूरी प्रक्रिया में स्थायी कर्मचारियों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। इस प्रक्रिया पर दोबारा विचार हो।

वीसी के आदेश का विरोध

वीसी के आदेश के जवाब में परीक्षा नियंत्रक नरेंद्र चतुर्वेदी ने कुलपति को पत्र लिख डाला। उनका कहना था 4 महीने बाद होने वाली सेवानिवृत्ति के कारण कार्यभार लेना सही नहीं है। स्वास्थ्य कारण से परीक्षा में विलंब का भी विरोध किया। चतुर्वेदी ने लिखा है कि गोपनीय मुद्रण का कार्य कुलपति की देखरेख में उनके विश्वसनीय व्यक्ति को सौंपे जाने की बात उठाई है।

विश्वविद्यालय में तीनों पद संभाल चुके वित्त नियंत्रक

उमेद सिंह वित्त नियंत्रक हैं। इससे पहले भी वीसी ने रजिस्ट्रार के अधिकार वित्त नियंत्रक को दिए थे। राजभवन के आदेश के बाद मामला शांत हुआ था। परीक्षा नियंत्रक का चार्ज भी वित्त नियंत्रक को दिया गया है।

मैं नियुक्त ही परीक्षा नियंत्रक के पद पर हुआ हूं। इसलिए मैं अपनी बात कुलपति को कह चुका हूं। बहरहाल, मैं किसी भी तरह के विवादों में नहीं पड़ना चाहता।
- नरेन्द्र चतुर्वेदी, परीक्षा नियंत्रक

इनवेस्ट राजस्थान समिट

प्रदेश में 288 कंपनियां करेंगी 4.24 लाख करोड़ रुपए का निवेश

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इनवेस्ट राजस्थान समिट के लिए सरकार ने अभी तक करीब 4.24 लाख करोड़ रुपए के एमओयू और एलओआई (लैटर ऑफ इंटेंट) किये हैं। इनमें जिन इनवेस्टर्स को जमीन नही चाहिए ऐसे 70 प्रतिशत इनवेस्टर्स के साथ एमओयू किये गए हैं। वहीं जिन्हें सरकार को प्रोजेक्ट के लिए जमीन देनी पड़ेगी उनके साथ एलओआई किये जा रहे हैं। ताकि ये धरातल पर उतर सकें। अब तक दिल्ली, अहमदाबाद, मुम्बई में रोड शो हो चुके हैं 13 दिसंबर को अब बैंगलोर में रोड शो करके राजस्थान के लिए इनवेस्ट प्रपोजल लाने की तैयारी है। अब तक 202 एमओयू और 86 एलओआई किये जा चुके हैं। जिला स्तर पर भी 1- 15 जनवरी तक समिट किए जाएंगे।

Invest Rajasthan
20-21 Jan 2022 › JAIPUR
Committed. Delivered.

चीन से दूरी, यूएस से संपर्क

सरकार ने दुबई, यूएसए, फ्रांस, जर्मनी, यूके, सिंगापुर, जापान और साउथ अफ्रीका में इनवेस्टर्स से संपर्क किया है। वहीं ताईवान, मलेशिया, इंडोनेशिया से वीसी के जरिए संपर्क किये जा रहे हैं। लेकिन समिट के लिए चीन से संपर्क नही किया जाएगा।

महानगरों से किए जाने वाले निवेश

दुबई	: 45,000 करोड़ के एमओयू
दिल्ली	: 78,788 करोड़ के एमओयू
अहमदाबाद	: 1,05,700 करोड़ के एमओयू
मुम्बई	: 1,94,838 करोड़ के एमओयू

सरकार के यही प्रयास हैं कि राजस्थान में इनवेस्टमेंट बढ़े और युवाओं को रोजगार मिले। जिला स्तर पर भी प्रयास किये जा रहे हैं। अन्य देशों, राज्यों के इनवेस्टर्स से संपर्क किया जा रहा है।
-शकुंतला रावत, उद्योग मंत्री राजस्थान

जूड़ो प्रतियोगिता में मनोज ने कांस्य पदक प्राप्त कर किया नाम रोशन

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बा स्थित राजकीय एलबीएस पी.जी.महाविद्यालय के बीए तृतीय वर्ष के विद्यार्थी मनोज गुर्जर पुत्र भागीरथ गुर्जर ने 60 किलोग्राम राजस्थान विश्वविद्यालय अन्तर महाविद्यालय जूड़ो प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त कर महाविद्यालय सहित माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर मंगलवार को महाविद्यालय में छात्र मनोज को सम्मानित किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.रेणु माथुर ने मनोज के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस मौके पर टीम मैनेजर डॉ.प्रीतम राज ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाते हुए भविष्य में खेल के प्रति अपने समर्पण को और मजबूत बनाने की प्रेरणा दी। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ.मधु नागर,खेल प्रभारी प्रो.मालीराम मीणा एवं डॉ. बाबूलाल मीणा ने विजेता छात्र को बधाई दी। वहीं मनोज ने भविष्य में नेशनल खेल के लिए अपने आपको तैयार करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी व्यक्त की है।

बायो रिसर्ज प्रमुख हीरो प्रोडक्ट्स के साथ भारत में पसार रहा है पैर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। त्वचा की देखभाल, बालों की देखभाल, स्वास्थ्य देखभाल, शिशु देखभाल, सौंदर्य देखभाल और आर्गेनिक वैलनेस के लिए भारत के अग्रणी ऑनलाइन आयुर्वेद स्टोर ने अपने प्रमुख हीरो प्रोडक्ट्स की एक प्रमुख श्रृंखला पेश की है, जैसे कि लाइटवेट टैबलेट, विभिन्न उपचारों के लिए लिटवेट हर्बल टी, शिलाजीत हेयर पैक, पद्मकेश हेयर पैक और आयुर्वेदिक माउथवॉश।

इस उपलक्ष पर विनोद अग्रवाल, एमडी और सीईओ, बायो रिसर्ज ने कहा - हम अपने सभी आयुर्वेदिक उत्पादों, विशेष रूप से इन प्रमुख उत्पादों को पेश करते हुए बेहद खुश हैं, जो सभी बाजारों के लिए 100 प्रतिशत शुद्ध और प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से निर्मित हैं। हम एक शीर्ष आयुर्वेदिक ऑनलाइन स्टोर के रूप में बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए आयुर्वेद की समग्र और जादुई क्षमता में विश्वास करते हैं।

आयुर्वेद, अन्य ट्रीटमेंट्स या थेरेपी के विपरीत, लक्षणों के बजाय बीमारी के कारण का इलाज करने पर केंद्रित है। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि इन बायो रिसर्ज प्रोडक्ट्स को नियोजित करके, हम लंबे समय से चली आ रही गलत धारणा को दूर कर देंगे कि आयुर्वेद धीरे-धीरे काम करता है। ये हाई क्वालिटी वाले जड़ी-बूटियों के एक्सट्रेक्ट और सही जड़ी-बूटी के कॉम्बिनेशन से बनाए जाते हैं, और ये तुरंत काम करते हैं। हमारा अंतिम उद्देश्य आम दिन-प्रतिदिन के स्वास्थ्य और सौंदर्य संबंधी मुद्दों का स्थायी समाधान खोजना है।

21 दिसम्बर को जारी की जाएगी चयनित फिल्मों की अन्तिम सूची

14वें जिफ में इस बार चायना बनेगा गेस्ट कंट्री

चायना में साल 2021 में बनी 19 फिल्मों की होगी स्क्रीनिंग

अब तक 52 देशों की 2 40 फिल्मों का किया जा चुका है चयन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गुलाबी नगर से शुरू होकर देश.दुनिया के सिनेमा फलक पर पहचान बनाने वाला जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जिफ इस साल अपनी स्थापना के चौदहवें वर्ष का जश्न माने की तैयारी में है। जिफ के फाउंडर डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि इस बार फेस्टिवल 7 से 11 जनवरी तक हाईब्रिड मोड में होगा। फेस्टिवल में गेस्ट कंट्री से आने वाले फिल्म निर्माताओं के सम्मान के अलावा उस देश की फिल्मों की विशेष रूप आमन्त्रित अतिथियों के समक्ष स्क्रीनिंग की जाती है। इस साल चौदहवें समारोह में चायना को गेस्ट कंट्री के रूप में मनोनीत किया गया है। फेस्टिवल के दौरान 8 से 11 जनवरी तक चायना में निर्मित 19 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी। खास बात ये है कि इनमें से अधिकांश फिल्में वर्ष 2021 के दौरान बनाई गई हैं इस वजह से भारत के सिने प्रेमी अनेक फिल्मों के तो वर्ल्ड प्रीमियर तो कुछ के इंडियन प्रीमियर के गवाह बनेंगे।

JIFF JAIPUR INTERNATIONAL FILM FESTIVAL

ये फिल्में होंगी खास

इस दौरान डेंग वेई की डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म फादर, हाई ली यू की ग्रीटिंग्स, वेंग की फीचर फिक्शन लव लोबोरेटरी, जियो फेंग लॉग की फीचर फिक्शन सॉरी आई फॉरगिव यू, हैन जेंग की शॉर्ट फिक्शन समर टैंगो ऐसी फिल्में होंगी जिन्हें देखना सिने प्रेमियों के लिए सुनहरा अवसर होगा।

अब तक हुआ 52 देशों की 240 फिल्मों का चयन

जिफ के फाउंडर डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि इस पांच दिवसीय समारोह के लिए अब तक 52 देशों की 240 फिल्मों का चयन किया जा चुका है। 21 दिसम्बर को इसकी तीसरी और अंतिम सूची जारी की जाएगी जिसमें विभिन्न देशों की करीब 20 फिल्मों का और चयन किया जाएगा। इस तरह इस समारोह में इस बार कुल 260 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी।

इंटरनेशनल ज्यूरी ने किया चयन

इस साल कुल 52 देशों से 2100 फिल्में प्राप्त हुई थी जिसमें से इन फिल्मों का चयन 28 सदस्यों की इंटरनेशनल फिल्म चयन समिति ने किया है। इनमें 2 सदस्य भारत से तो 26 सदस्य अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, पोलैंड, इंग्लैण्ड आदि देशों से हैं। फेस्टिवल के लिए डेलीगेट्स रजिस्ट्रेशन जारी है। फेस्टिवल की सभी गतिविधियों में प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है। जिसके लिए जिफ की ऑफिशियल वेबसाइट www.jiffindia.org पर रजिस्ट्रेशन जारी है।

द राजस्थान इन्टरनेशनल स्कूल में गीता महोत्सव आयोजित

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे से होकर गुजर रहे राजमार्ग पर स्थित द राजस्थान इन्टरनेशनल स्कूल में मंगलवार को गीता महोत्सव (गीता जयंती) समारोह का आयोजन किया गया।प्रधानाचार्या शालिनी चौधरी ने कहा कि भगवद् गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो जीवन को नई राह दिखाता है। जिसमें जीवन की हर समस्या का समाधान उपलब्ध है। विद्यार्थियों को भगवत गीता कर्म की प्रधानता,समय नियोजन, अहंकार से मुक्ति,उत्कृष्ट संगति व व्यर्थ चिंता न करने का संदेश देती है। बर्सर विकास चौधरी व शैक्षिक संयोजक डॉ.सुधा सिंह ने कहा कि श्रीमद् भगवद् गीता के प्रत्येक श्लोक में ज्ञान का अनूठा प्रकाश है।हमें अपनी पुरातन संस्कृति और धार्मिक रचनाओं को पूरा आदर देना चाहिए और उनका अनुकरण भी करना चाहिए। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान शिक्षक राकेश गौड़ एवं डॉ.राजेश यादव ने विद्यार्थियों को गीता जयंती के महत्व व उसके ज्ञान से अवगत करवाया।वहीं छात्र उत्कर्ष बंसल ने प्रधानाचार्या एवं अन्य शिक्षकों को भगवद् गीता की प्रति भेंट की।

सरकार के तीन साल पूरे होने पर होगा आयोजन

'आई एम शक्ति-उड़ान' योजना का होगा शुभारम्भ

मंत्री ममता भूपेश ने ली तैयारियों पर बैठक

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के मौके पर 18 दिसंबर से कई आयोजन होंगे। इस दौराना महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 'आई एम शक्ति-उड़ान' योजना की लॉन्चिंग होगी। इसकी तैयारियों को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने आज सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निरोगी राजस्थान के संकल्प के साथ ही स्वस्थ व स्वच्छ नारी की संकल्पना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में हम 'उड़ान' योजना का शुभारम्भ करने जा रहे है। इसके तहत राजस्थान की लगभग 1 करोड़ महिलाओं को लाभांवित किया जाएगा। साथ ही किसी भी कारण से अपनी नौकरी छोड़ चुकी महिलाओं को पुनः नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 'जागृति बैक टू वर्क' योजना को भी लॉन्च किया जाएगा। भूपेश ने कहा कि इंदिरा गांधी मातृ पोषण योजना महिला नीति व आई एम शक्ति योजना के तहत लाखों महिलाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया है। राज्य स्तरीय समारोह में इंदिरा महिला शक्ति की योजनाओं की प्रगति के साथ ही आई एम शक्ति उड़ान योजना की लॉचिंग, चार जिलों में वन स्टॉप सेंटर के भवन लोकार्पण एवं अन्य योजनाओं और उपलब्धियों के प्रस्तुतीकरणके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यह है योजना

आई एम शक्ति उड़ान योजना के प्रथम चरण में प्रदेश की 28 लाख किशोरियां तथा महिलाएं लाभांवित होंगी। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 282 ब्लॉक में प्रत्येक ब्लॉक पर 5 चिन्हित् आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 10 से 45 वर्ष तक आयु की प्रत्येक किशोरी व महिला लाभार्थी को प्रतिमाह 12 सेनेटरी नैपकिन का नि:शुल्क वितरण किया जाएगा। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मनाया नो व्हीकल डे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में देश की सीसा जस्ता और चांदी उत्पादक की प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान जिंक के ढाई हजार से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नो व्हीकल डे मना कर ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा सहित सभी इकाइयों के एसबीयू डायरेक्टर और वरिष्ठ अधिकारियों ने पैदल, साइकिल और स्टॉफ बस से पहुंच कर सभी को ऊर्जा संरक्षण की प्रतिबद्धता को पूर्ण करने का संदेश दिया। कंपनी के प्रधान कार्यालय सहित जावर माइंस, राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, रामपुरा आगुचा माइंस और कायड माइंस में 2500 से अधिक कर्मचारियों और बिजनेस पार्टनर ने नो व्हीकल डे मना कर ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया।

युवक कांग्रेस के संस्थापक स्वर्गीय संजय गांधी की जयंती मनाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चौमूं। युवक कांग्रेस के संस्थापक कांग्रेस नेता स्वर्गीय संजय गांधी की जयंती बस स्टैंड चोमू स्थित संजय पार्क में विधानसभा चोमू युवक कांग्रेस के अध्यक्ष अनुज आत्रेय के नेतृत्व में मनाई गई। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चोमू के अध्यक्ष लालाराम बलेसरा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य मुकेश शर्मा राजस्थान प्रदेश युवक कांग्रेस कमेटी के सचिव महेंद्र लांबा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिषेक सैनी जिला कांग्रेस कमेटी देहात के उपाध्यक्ष छीतरमल जलूथरिया नगर पालिका पार्षद कन्हैयालाल थावरिया उत्तम गोठवाल महेश मीणा संजय योगी ओबीसी विभाग नगर अध्यक्ष राजा बाबू सेन नगर युवक कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष किशोर जमालपुरिया ओबीसी विभाग तहसील महासचिव सुशील कुमावत प्रभात मोडिया कैलाश पंचोली मुरलीधर जलूथरिया रामदयाल ठेकेदार सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संजय गांधी की फोटो के समक्ष पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की । यह संजय पार्क जिसमें श्रद्धांजलि का कार्यक्रम रखा गया यह है संजय गांधी जी की स्मृति में है बनाया गया था जिसमें कांग्रेस पार्टी के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं । इसके उपरांत भारतीय सेना के सी डी एस बिपिन रावत उनके परिजन तथा अन्य साथियों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई ।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का निकाला रोड-शो

पॉल्यूशन घटाने के लिए ग्रीन व्हीकल्स का प्रमोशन, केन्द्र सरकार ने JVVNL को बनाया नोडल एजेंसी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्र सरकार के साथ ही अब राजस्थान सरकार भी बिजली से चलने वाले वाहनों को प्रमोट करने में जुट गई है। प्रदेश की सोलर एनर्जी पॉलिसी में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देने पर फोकस किया गया है। केन्द्र सरकार के ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी ने राजस्थान में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की पब्लिसिटी के लिए जयपुर में एनर्जी कंजरवेशन एवेयरनेस वीक के तहत रोड शो किया। जिसमें इलेक्ट्रिक कार और टू व्हीलर्स की रैली निकाली गई। ग्रीन नम्बर प्लेट लगीं ये साइलेंट गाड़ियां जवाहर सर्किल से जेएलएन मार्ग होकर विद्युत भवन पहुंची। जवाहर सर्किल पर डिस्कॉम एमडी नवीन अरोड़ा ने खुद इलेक्ट्रिक टू व्हीलर चलाकर रैली को हरी झण्डी दिखाई।

जयपुर डिस्कॉम को केन्द्र सरकार ने बनाया नोडल एजेंसी

जयपुर डिस्कॉम के एमडी नवीन अरोड़ा ने बताया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर की राज्य नोडल एजेन्सी जयपुर डिस्कॉम है। आम जनता में बिजली बचाने के लिए जागरूकता फैलाने के साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए यह रोड शो किया है। जिसमें 30 टू व्हीलर और फोर व्हीलर शामिल हुए। पेट्रोल और डीजल व्हीकल्स से हवा में घुलते कार्बन को घटाने के लिए ग्रीन ट्रांसपोर्ट को अपनाने का संदेश दिया गया है। राजस्थान सरकार ने सोलर एंड विंड और हाईब्रिड पालिसी 2019 में कई प्रोविजन किए हैं। राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेरिटी अथॉरिटी ने भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को प्रमोट करने के लिए अलग अलग कैटेगिरी की बिजली रेट्स की टैरिफ तय की हैं। जिसमें कम रेट पर चार्जिंग का प्रोविजन किया है।

जागरूक खबरें

प्रतिभा खोज समारोह केजीटी 2021 में 5 जिलों के 90 गांवो के बच्चों ने लिया भाग

कनीना (हरियाणा) @ जागरूक जनता। बच्चों की प्रतिभा निखारने और प्रर्दशित करने के उद्देश्य से समाज सेवी संस्था बाबा भैंया सेवा दल बीबीएसडी द्वारा गांव ककराला में केजीटी-2021 प्रतियोगिता का आयोजित किया गया। जिसमें 6 जिलों के 90 गांवो के बच्चों ने हिस्सा लिया तथा प्रतियोगिता को 5 हिस्सो में विस्तारित किया गया। जिसमें लेवल 1,2 के लिए ड्राइंग कला, लेवल3,4 के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता तथा लेवल 5 के लिए कला प्रदर्शन प्रतियोगिता सम्मलित की गई। इस संस्था ने चित्रकला, प्रश्ननोत्तरी व कला प्रदर्शन आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से जल बचाओ, बेटी बचाओ, पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छ भारत शिक्षित हो हर व्यक्ति आदि पर विभिन्न कला कौशल से बच्चों ने समाज को अमूल्य मैसेज दिए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम सुरेन्द्र सिंह, विशिष्ठ अतिथि डॉ प्रेमराज, डॉ विक्रम सिंह रहे। कार्यक्रम में अनेक संस्थाओं का सहयोग रहा। विजेताओं को पुरुस्कृत भी किया गया।

यूरिया के लिए सड़क जाम, थानाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर खुलवाया जाम

श्रीविजयनगर @ जागरूक जनता। स्थानीय किसानों में यूरिया खाद उपलब्ध नहीं होने के कारण आक्रोश है किसानों ने धान मंडी के मुख्य गेट के पास से श्रीविजयनगर-रायसिंहनगर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलने के बाद थानाधिकारी रामनारायण चोयल पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे थानाधिकारी की ओर से किसानों से समझाइश कर मौके पर जाम खुलवाया गया जानकारी के अनुसार बीते लगभग 2 सप्ताह से यूरिया की किल्लत के चलते किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है यूरिया खाद के लिए किसान अलसुबह धानमंडी में पहुंचकर टोकन के लिए कतार लगाकर खड़े हो जाते हैं इसके बाद टोकन मिलने पर भी किसानों को यूरिया खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सुबह से दोपहर तक टोकन की कतार व यूरिया के लिए कतार में खड़े रहने के बाद भी यूरिया उपलब्ध नहीं होने के कारण अचानक किसानों में आक्रोश फैल गया आक्रोशित किसानों ने रोड जाम कर दी थानाधिकारी ने समझाइश कर सड़क मार्ग खुलवाया। यूरिया की किल्लत के चलते बार-बार किसानों की ओर से सड़क मार्ग को प्रभावित किया जा रहा है परंतु इस सबके बाद भी स्थानीय प्रशासन की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा था स्थानीय प्रशासन इन समस्याओं को लेकर मौन धारण किए बैठे हैं। सड़क मार्ग जाम होने के बाद पुलिस की ओर से ही स्थिति नियंत्रण की गई मौके पर कोई भी स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा।

कांस्टेबल ओमप्रकाश बावरिया का ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में निधन, सैन्य सम्मान से अन्तिम संस्कार

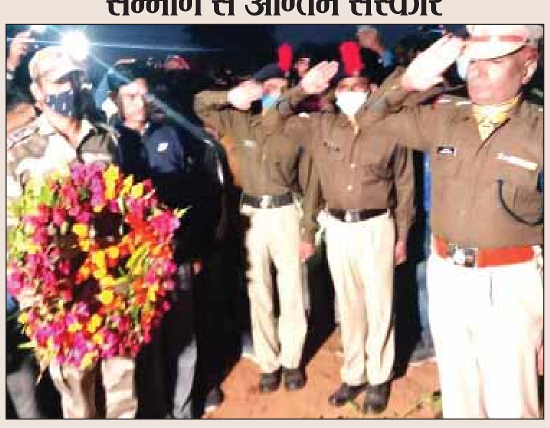

कोटपूतली @ जागरूक जनता। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत पाथरेड़ी की ढ़ाणी किरतपुरा निवासी सीआईएसएफ कांस्टेबल ओमप्रकाश बावरिया का सोमवार 13 दिसम्बर की देर रात्रि को राजधानी नई दिल्ली में ड्यूटी के दौरान सड़क दुर्घटना में निधन हो गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक जवान नई दिल्ली के इन्दिरा गाँधी इन्टरनेशनल एयरपोर्ट के बाहर अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। एयरपोर्ट के बाहर धोला कुंआ स्थित सरदार पटेल मार्ग पर एक ट्रक उन्हें टक्कर मार गया।घायल जवान ओमप्रकाश को तुरन्त अस्पताल ले जाया गया।जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।वहीं मृतक जवान का मंगलवार शाम पैतृक ग्राम पाथरेड़ी में सैन्य सम्मान से अन्तिम संस्कार किया गया।ओमप्रकाश के पिता जयराम का भी कुछ वर्ष पूर्व देहांत हो गया था।वे अपने पीछे माता प्रभाती देवी, पत्नी मन्जू देवी,पुत्र अजय व अभय सहित भरा पुरा परिवार छोड़कर गये हैं। जवान के अन्तिम संस्कार के वक्त माहौल देशभक्ति के नारों से गुंजायमान हो गया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान गृह राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक राजेन्द्र सिंह यादव के प्रतिनिधि मधुर सिंह यादव,पूर्व विधायक सुभाष चंद शर्मा, लोकतांत्रिक जदयू के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास यादव,सरपंच रामस्वरूप कसाना,पूर्व सरपंच लालसिंह शेखावत एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद् के जिला सचिव पूरणमल बावरिया सहित अन्य लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी - दिलीप सिंह

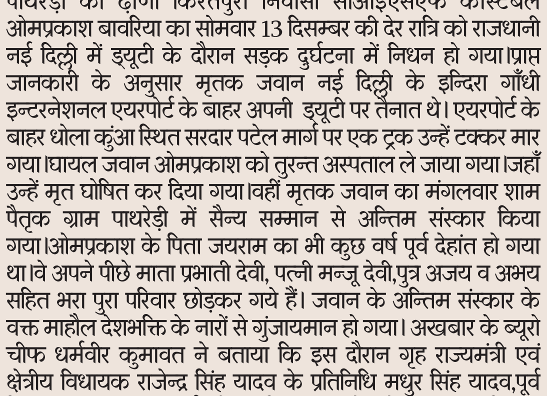

कोटपूतली @ जागरूक जनता। राजस्थान पुलिस द्वारा महिलाओं के लिए चलाये जा रहे जागरूकता अभियान सुरक्षा सखी के तहत पंचायती राज विभाग के कार्यक्रम राजस्थान ग्रामीण विकास परिषद् (राजीविका) की सरूण्ड कलस्टर फिल्ड अधिकारी धर्मा देवी का उत्कृष्ठ कार्य करने पर सरूण्ड थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत द्वारा प्रशस्ती पत्र व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है।इसके साथ ही इस मौके पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जागरूकता अभियान के संयोजक रवि शर्मा के नेतृत्व में थानाधिकारी दिलीप सिंह शेखावत एवं कार्यवाहक डीएसपी ईश्वर सिंह का भी कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मान किया। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान राजीविका फिल्ड अधिकारी ओमवती देवी, मुनेश यादव जगदीशपुरा, सपना सैन कंवरपुरा, आशा देवी, रीना शर्मा,कमलेश मीणा,भावना शर्मा, समाजसेवी विकास सैनी कंवरपुरा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजस्थान ग्रामीण विकास परिषद् प्रतिनिधि धर्मा देवी का किया गया सम्मान

नेताओं ने बताया सबसे बड़ी जीत यूरिया के लिए प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी

'किसान विजय यात्रा' का श्रीविजयनगर में भव्य स्वागत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्रीविजयनगर। बीते लंबे समय से चल रही किसानों की मांग पूरी होने के बाद अब किसानों की ओर से दिल्ली की सीमा पर लगने वाले बॉर्डर को खाली कर दिया गया आंदोलन को स्थगित किए जाने के बाद अब किसान अपने घरों को लौट रहे हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले एक वर्ष से अधिक समय के कड़े संघर्ष के बाद केंद्र सरकार की ओर से कृषि संबंधी तीनों कानून वापस लेने की खुशी में मंगलवार को नई धान मंडी में स्थित व्यापार मंडल व्यापार संघ ट्रक यूनियन पर स्थानीय किसान संगठनों की ओर से किसान विजय यात्रा का नई धान मंडी पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान किसान नेताओं ने इसे किसानों की बड़ी जीत बताया। किसान नेताओं ने इसे देश ही नहीं दुनिया का बड़ा आंदोलन बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जीत हर वर्ग की है। जिन्होंने किसान आंदोलन को अपना व्यापक समर्थन देकर भारत सरकार को झुकने पर मजबूर किया। इस अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। आंदोलनकारी किसान नेताओं ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि देश के किसान संगठनों व किसानों की एकजुटता के कारण केंद्र की सरकार को किसानों के सामने झुकना पड़ा।

राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए किसान नेताओं ने यूरिया की उपलब्धता नहीं होने पर प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी दी। किसान नेताओं ने सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश भर में यूरिया की किल्लत के कारण किसान परेशान है इसके बाद भी प्रदेश की सरकार की ओर से कार्यक्रमों का आयोजन कर केंद्र का विरोध किया जा रहा है। जल्द यूरिया की सही सप्लाई नहीं होने पर किसानों की ओर से यूरिया के लिए आंदोलन करने की घोषणा की गई। सम्मान समारोह में दिल्ली बॉर्डर पर इस क्षेत्र के किसानों द्वारा एवं आंदोलन में सहयोग करने वालों को सिरोपे भेंट कर सम्मानित किया गया एवं सहयोग देने के लिए सभी का आभार प्रकट किया गया।

इस मौके पर रणजीत सिंह राजू, विक्रमजीत सिंह, दरबार सिंह, प्रीतम सिंह कामरा, व्यापार मंडल व्यापार संघ ट्रक यूनियन प्रधान प्रेम खख, किसान नेता राजा हेयर, गुरप्रीत सिंह पड्डा, ब्रह्मदीप सिंह खख, गुरप्रीत सिंह थिंद, रविंदर ढिल्लो, अमृतपाल सिंह नंदा आदि किसान, व्यापारी, मजदूर उपस्थित थे।

भंसाली करवाएंगे हाडेचा में पशु चिकित्सालय भवन और विद्यालय के भवन का निर्माण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

साँचोर। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि से भेंट कर अपने विद्यालय के जर्जर भवन के निर्माण एवं पशु चिकित्सालय भवन के निर्माण की जताई इच्छा। कलेक्टर नम्रता वृष्णि की प्रेरणा से भामाशाह बाबूलाल भंसाली हाडेचा में एक पशु चिकित्सालय भवन एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन का निर्माण करवाएंगे।

जिले में कोरोना काल में आमजन के लिए विभिन्न प्रकार की सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध करवाने वाले आबू रोड स्थित भंसाली इंजिनियरिंग पॉलीमर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बाबूलाल मिश्रीमल भंसाली ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा हाडेचा स्थित इसी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से की है। इस विद्यालय का भवन 50 वर्ष से भी अधिक पुराना है एवं अब जर्जर हो चुका है। वर्तमान में विद्यार्थियों की बढती संख्या को देखते हुए भवन के आधुनिकीकरण एवं विस्तार की अत्यधिक आवश्यकता है जिसे देखते हुए बाबूलाल भंसाली ने जालोर जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि से भेंट कर विद्यालय भवन के निर्माण की इच्छा जताई। विद्यालय भवन बनने से विद्यार्थियों को सभी तरह की शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही मूक पशुओं के लिए अपने विशेष स्नेह के कारण भंसाली हाडेचा में राजकीय पशु चिकित्सालय भवन का निर्माण भी करेंगे इस भवन में चिकित्सकों के लिए आवास का निर्माण भी किया जाएगा एवं आधुनिक उपकरणों द्वारा जांच व इलाज की व्यवस्था होगी जिससे हाडेचा एवं आसपास के नेहड क्षेत्र के पशुओं को चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी।जालोर जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने भामाशाह बाबूलाल भंसाली द्वारा करवाये जा रहे इन भवनों के निर्माण के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कोरोना काल में भंसाली द्वारा जिलेवासियों के लिए उपलब्ध करवाई गई विभिन्न सुविधाओं एवं सहायता के लिए साधुवाद दिया। गौरतलब है कि भामाशाह भंसाली ने कोरोना काल में समय समय पर जिलेवासियों को ऑक्सीजन प्लांट,ऑक्सीजन सिलेंडर, अस्पताल सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाई है।

छेड़छाड़ का मामला

कलक्टर ने लगाई धारा 144

जालोर @ जागरूक जनता। राजस्थान के प्रसिद्ध जालोर किले में स्थित मजारों से हाल ही असामाजिक तत्वों की ओर से की गई छेड़छाड़ की घटना के बाद जिला प्रशासन ने किले सीढ़ियों से लेकर उसके संपूर्ण परिसर में धारा 144 लागू कर दी है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसके आदेश जारी किये हैं। आदेशों में कहा गया है कि किले की सीढ़ियों से लेकर संपूर्ण किले परिसर तक कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का विस्फोटक पदार्थ,रासायनिक पदार्थ,आग्नेय अस्त्र और शस्त्र लेकर ना तो प्रवेश करेगा और ना ही घूम सकेगा।

जिला कलक्टर ने बताया कि यह आदेश ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल, सैनिक, अर्द्धसैनिक बल और होमगार्ड में तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। सिख समुदाय के व्यक्ति उनकी धार्मिक परम्परा अनुसार कृपाण धारण कर सकेंगे। इसके साथ ही यह आदेश शस्त्र अनुज्ञापत्र नवीनीकरण के लिये आदेशानुसार शस्त्र निरीक्षण करवाने अथवा शस्त्र पुलिस थाने में जमा करवाने के लिए जाने वालों पर भी लागू नहीं होगा। राजस्थान पुलिस एक्ट 2007 की धारा 44 के तहत व विहित शर्तो के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक जालोर की पूर्वानुमति के बिना कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रतिबंधित स्थल पर किसी भी प्रयोजन के लिए जुलूस, रैली, सभा आदि धरना आदि का आयोजन नहीं करेगा। प्रत्येक व्यक्ति को पहचान पत्र लेकर जाना अनिवार्य होगा। शाम 6 बजे से सुबह 8 बजे तक आवागमन निषेध रहेगा। जिला कलक्टर के मुताबकि केवल वृद्ध, अपाहिज और बीमार व्यक्ति लाठी का उपयोग सहारे लेने के लिए ले सकेंगे।

यह है पूरा मामला

गत 10 दिसंबर को कुछ असामाजिक तत्वों ने किले में स्थित बरसों पुरानी मजारों में तोड़फोड़ कर दी थी। उसके बाद पुलिस और प्रशासन सतर्क हो गया। घटना को अंजाम किसने दिया इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस घटना को मध्यनजर रखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये जालोर किले परिसर में आगमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह आगामी आदेश तक लागू रहेगा।

कोविड के ओमीक्रॉन नियंत्रण हेतु करे कोविड अनुरुप व्यवहार-डॉ भूपेंद्र शर्मा

भिवानी @ जागरूक जनता। गांव चांदवास निवासी आयुर्वेद विशेषज्ञ एम.डी (आयुर्वेद) डॉ भूपेंद्र शर्मा चांदवास ने कहा कि कोविड के अनुरुप ही नियमो का पालन करके ओमिक्रॉन वायरस के प्रकोप से बचा जा सकता है। डॉ शर्मा ने कहा कि सामाजिक दूरी की पालना ,मास्क का प्रयोग तथा हाथो को सेनेंटाइजर/ साबुन इत्यादि से साफ करते रहे। उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कोविड वैक्सीनेशन जरुर लगवाये तथा अपने आसपास के क्षेत्र के लोगो को भी कोविड वैक्सीनेशन लगवाने के लिए प्रेरित करे। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने वाले आहार पदार्थो का सेवन करे। हल्का बुखार, मांसपेशियों मे दर्द,बदन दर्द,थकावट, सांस लेने मे परेशानी इत्यादि लक्षण होने पर नजदीकी चिकित्सालय मे परामर्श करे। स्वयं कोविड बचाव नियमो का पालन कर अन्य लोगो को भी जागरुक करे।

भाटी बने दूसरी बार अध्यक्ष, बोस सचिव व बादल भाई वाल्मीकि भीनमाल प्रभारी नियुक्त

बहुजन स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फाउंडेशन की कार्यकारिणी का गठन

भीनमाल @ जागरूक जनता। बहुजन स्पोर्ट्स डेवलपमेंट फाउंडेशन जालौर की कार्यकारिणी का मंगलवार को गठन किया गया। जिसमें खानपुर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता टीकमाराम भाटी को दूसरी बार जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। वही गणपत डाभी भागलभीम को उपाध्यक्ष, रविंद्र रोहिण भीनमाल को कोषाध्यक्ष, ओखाराम बोस जुंजाणी को सचिव नियुक्त किया गया। इसी प्रकार एडवोकेट सुखराम बोस राऊता, दिनेशकुमार हिंगड़ा रुचियार, मदनलाल राणा भीनमाल, प्रकाश काबावत भीनमाल, वरधीचंद पंचाल करड़ा, फरमान खान, रवि धारु, डायालाल काबावत व श्रवणकुमार राणा जूनिबाली को विशेष सलाहकार नियुक्त किया गया। यूनिस खान को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई।

प्रत्येक ब्लॉक से प्रभारी व सहप्रभारी नियुक्त

इसी प्रकार जालोर से धीरज गुर्जर, भीनमाल से बादल भाई वाल्मिकी, रानीवाडा से लक्ष्मण रांगी करड़ा, सायला से अरविन्द पारंगी खेतलावास, सरनाऊ से कांतिलाल परमार, जसवंतपुरा से घेवाराम पारीक साविधर, आहोर से ईश्वर सोलंकी, सांचौर से महेंद्र सिंघल लियादरा, चितलवाना से अशोक राणावत मूली, बागोड़ा से घेवाराम पारिख को ब्लॉक प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई। इसी प्रकार जालोर से जनक मेघवाल व आकाश सरगरा, भीनमाल से याकूब खान व गोरखाराम, रानीवाडा से विक्रम दांतवाड़ा व छगन देलदरी, सायला से जयंतीलाल बजरंगी व सुजाराम डांगी, सरनाऊ से रविन्द्र भाटीप व भरत राणा, जसवंतपूरा से सुरेश गजीपुरा व राहुल गर्ग, आहोर से दिनेश साकरणा व देवाराम चूण्डा, सांचौर से शैतान कुमार पंचाल व दिनेश कुमार विरोल, चितलवाना से विक्रम राठौड़ व पिंटू राणावत, बागोड़ा से प्रवीण एम्पावत व भरत बोस राऊता को ब्लॉक सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई।

ये है टेक्नो फ्रेंडली दौर, ई-मोड पर शिफ्ट हो रहे लोग

कोरोना संक्रमण के बाद से विश्व स्तर पर दुनिया डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो रही है। अब ज्यादातर कार्य ई-मोड में किए जा रहे हैं।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कोविड-19 ने भले दुनिया की आर्थिक व्यवस्था को ध्वस्त किया हो लेकिन कई मायनों में यह डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए मददगार साबित हो रहा है। भारत सहित विश्व के सभी देशों में लोग टेक्नोफ्रेंडली बन रहे हैं। अब पेमेंट से लेकर शादी-समारोह के आयोजन, निमंत्रण और अन्य कार्य डिजिटल होने लगे हैं। चंद सेकंड-मिनट में लोग घर बैठे कोई भी काम आसानी से कर सकते हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खास कार्य

- नेफ्ट और ई-बैंकिंग से पेमेंट आदान-प्रदान
- शादी-जन्मदिन, दीक्षांत और अन्य निमंत्रण
- भीम एप, पेटीएम और अन्य एप्स से भुगतान
- ट्विटर हैंडल, फेसबुक पर लाइव प्रसारण
- समारोह में लाइव बातचीत-चैटिंग

फंक्शन में पाएं खुद लाइव

अजमेर में बैठकर हम और आप किसी भी शादी, समारोह, मीटिंग में लाइव शामिल हो सकते हैं। फेसबुक लाइव, गूगल मीट, वॉट्सएप और टेलीग्राम कॉलिंग, वीडियो शूट, मेटा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मददगार बन चुके हैं। नौजवान, बच्चे, बुजुर्ग और वर्किंग क्लास लोग घर, दफ्तर या कहीं भी बैठकर लाइव बातचीत, संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

एंड्रोयड मोबाइल में दुनिया कैद

महज 5-7 साल पहले तक मोबाइल सिर्फ फोटो खींचने, कॉलिंग करने और सुनने का माध्यम था। लेकिन अब एंड्रोयह मोबाइल में पूरी दुनिया कैद है। यह बैंकिंग, ई-कॉमर्स, मेडिकल, इंजीनियरिंग, एज्यूकेशन क्षेत्र के लिए तो बेहद उपयोगी साबित हुआ है। सोशल प्लेटफॉर्म पर तो लाखों मैसेज, वीडियो, चैट-फोटो एक्सचेंज हो रहे हैं।

डिजिटल कारोबार-जॉब्स (2022 में)

- ऑनलाइन गेमिंग-5 मिलियन डॉलर
- डिजिटल कंटेंट राइटिंग-2.5 मिलियन डॉलर
- सर्विस सेक्टर -7.5 से 8.5 प्रतिशत
- मोबाइल-आईटी सेक्टर-8.5 से 10.5 लाख
- घरेलू सर्विस सेक्टर-48.2 से 55.2 प्रतिशत
- सरकारी सेवाओं में जॉब्स-5.5 से 7.0
- कॉरपोरेट सेक्टर में नए जॉब ट्रेंड्स-7.5 से 9.5 प्रतिशत

(स्त्रोत: एमडीएस यूनिवर्सिटी मैनेजमेंट विभाग)

व्यवसाय या नौकरी के लिए वांछित योग्यता के साथ-साथ टेक्नोफ्रेंडली बनना बेहद जरूरी है। देश भर में लोग धीरे-धीरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट हो रहे हैं। पारिवारिक समारोह, ऑफिस कल्चर और जॉब कल्चर भी ई-मोड के अनुसार बदलने शुरू हो चुके हैं।
-डॉ. आशीष पारीक, सह आचार्य मैनेजमेंट विभाग, मदस विवि

चिरंजीवी बीमा योजना

5 परिवार जोड़ने पर मिलेंगे 500 रुपए

प्रदेश में शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन के लिए चलेगा अभियान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर प्रदेश में हर परिवार को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए मुख्यमंत्री ने 36 करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान की मंजूरी दी है। अभियान का उद्देश्य सभी प्रदेशवासियों को यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज का लाभ उपलब्ध देना है ताकि बीमार होने की स्थिति में उन्हें एम्पैनल्ड सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज मिल सके। राज्य सरकार की ओर से चलाए जाने वाले इस विशेष अभियान में आशा सहयोगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, पंचायतकर्मी जैसे फील्ड स्तर पर सेवाएं दे रहे हैं। वे कार्मिक रजिस्ट्रेशन से वंचित लोगों का सर्वे करेंगे। सर्वे के बाद इन परिवारों को योजना से जोड़ने के लिए नजदीकी ई-मित्र पर रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। योजना में रजिस्ट्रेशन करवाने पर संबंधित कार्मिक को प्रति पांच परिवार 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। प्रोत्साहन राशि के लिए कम से कम पांच परिवारों का रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। पांच से अधिक रजिस्ट्रेशन पर 100 रुपए प्रति परिवार अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाएगा।

1 जुलाई से पहले तक कोविड इलाज पर एक बारीय व्यय पुनर्भरण की मंजूरी

सीएम ने कोविड से संक्रमित ऐसे राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स जिन्होंने गैर अनुमोदित चिकित्सालयों में उपचार कराया हैं, उन्हें भी चिकित्सा व्यय के पुनर्भरण के लिए एक-बारीय शिथिलन देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही, गैर अनुमोदित चिकित्सालय में उपचार कराने पर अधिकतम इंडिकेटिव स्टे पीरियड 20 दिन रखने का निर्णय किया है। इसका लाभ उन्हीं कार्मिकों-पेंशनरों मिलेगा, जिन्होंने कोविड का 30 जून 2021 तक या इससे पहले गैर अनुमोदित हॉस्पिटल में उपचार लिया है।

सीएम आज सीडीएस रावत व अन्य सैन्य अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे

सीएम गहलोत दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत व अन्य अधिकारियों-कार्मिकों को शनिवार सुबह 10.30 बजे अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। आमजन भी देश के इन वीर सपूतों को श्रद्धासुमन अर्पित कर सकेंगे।

ANCHOR **चालानी कार्रवाई से वाहन मालिक परेशान**

पुराने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने के विवाद में फंसे वाहन मालिक, दूसरे राज्यों में हो रहा चालान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दो साल पहले परिवहन विभाग ने वाहनों में हाई सिक्योरिटी (एचएस) नंबर प्लेट लगाने के आदेश जारी किए थे। हालांकि अभी भी पुराने वाहनों पर नंबर प्लेट बदलकर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने का काम शुरू नहीं हो सका है। ऐसे में दूसरे राज्यों में जाने पर वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं। पड़ोसी राज्यों में वाहनों की मॉनिटरिंग की जा रही है और वाहनों पर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट जांची जा रही है। ऐसे में एचएस नंबर प्लेट नहीं लगने के कारण प्रदेश से दूसरे राज्यों में जाने वाले वाहनों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी दिल्ली और हरियाणा जाने वाले वाहन चालकों को हो रही है। इन राज्यों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं होने रोजाना प्रदेश के सैकड़ों वाहनों के चालान काटे जा रहे हैं। टैक्सी ऑपरेटर्स को भी परेशानी अधिक हो रही है। इधर, आरटीओ राजेश वर्मा का कहना है कि सितंबर 2017 से मार्च 2019 तक हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन होने के कारण वाहनों पर एचएस नंबर प्लेट नहीं लगाई गई। ऐसे में इन वाहनों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाए। फिलहाल मामले को दिखवाता हूं।

पुराने वाहन पर नंबर प्लेट कौन बदले?

दो साल पहले जारी केंद्र की पॉलिसी के बाद हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट अनिवार्य है। नए वाहनों पर एचएस नंबर प्लेट वाहन कम्पनियां डीलर्स को देती हैं। पॉलिसी के मुताबिक, सभी वाहनों पर एचएस प्लेट जरूरी है। प्लेट लगाने वाली कंपनियों में विवाद के बाद परिवहन विभाग ने यह काम वाहन डीलरों को दे दिया। लेकिन गाड़ी की नंबर प्लेट टूटने पर एचएस नंबर प्लेट नहीं लगाई जा रही है।

मेरी गाड़ी 5 दिन की बुकिंग में दिल्ली-पंजाब गई थी। एचएस प्लेट नहीं होने से 500 रु. का चालान कट गया। गलती सरकार की है और परेशानी हमें भुगतना पड़ रहा है। **-हनुमान,** ट्रैवल एजेंट

सरकार एचएस नंबर प्लेट लगाने की व्यवस्था करे। लोग दूसरे राज्यों में चालान भरने से परेशान हो चुके हैं। समाधान जल्दी हो। **-भगवान सिंह,** टैक्सी ड्राइवर

जयपुर समारोह में हैरिटेज सांस्कृतिक संध्या

केसरिया बालम पधारो म्हारे देश...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर समारोह के तहत हैरिटेज नगर निगम की ओर से राजस्थानी संस्कृति के साथ रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मंगलवार को सिटी पैलेस में हैरिटेज सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इसमें कलाकारों ने राजस्थानी लोकगीतों पर प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही बटोरी। लोक कलाकारों ने केसरिया बालम, ब्रज की होली, कालबेलिया नृत्य, घूमर नृत्य, भवाई, बंजारा-बंजारी और चरी नृत्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का आगाज नगर निगम हैरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर, आयुक्त अवधेश मीना, उप महापौर मोहम्मद असलम फारुकी और अतिरिक्त आयुक्त सत्तार खान ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद गौरव लोककला संरक्षण संस्थान के कलाकारों ने तेरी जय जय हो गणेश गणेश वंदना प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने मांड गायन प्रस्तुत कर केसरिया बालम पधारो म्हारे देश प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने चरी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद और रंग दे, म्हाने और रंग दे..., चम चम चुनरी और होलिया में उड़े ये गुलाल... जैसे लोकगीत प्रस्तुत किए। लोक कलाकारों ने केसरिया बालम, ब्रज की होली, कालबेलिया नृत्य, घूमर नृत्य, भवाई, बंजारा-बंजारी और चरी नृत्य प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक संध्या के अंत में सभी लोक कलाकारों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर निगम हैरिटेज के आयुक्त अवधेश मीना, अतिरिक्त आयुक्त सत्तार खान, विभिन्न जोन के उपायुक्त सहित नगर निगम अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न वार्डों के पार्षद मौजूद रहे।

बीवीजी प्रतिनिधियों पर बरसीं महापौर

कार्यशैली सुधारो नहीं तो कार्रवाई के लिए तैयार रहो

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम की कार्यवाहक महापौर शील धाभाई ने मंगलवार को स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 तैयारी की समीक्षा बैठक की। बैठक में धाभाई ने बीवीजी कंपनी के पदाधिकारियों को जमकर लताड़ लगाई और कहा कि यह कार्यशैली बर्दाश्त के बाहर है।

धाभाई ने कहा कि सफाई व्यवस्था बिगड़ी हुई है, लेकिन बीवीजी कंपनी के प्रतिनिधि कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देते। ना ही उनके द्वारा कोई संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। जोन के सुपरवाइजर को उनके क्षेत्र की जानकारी नहीं है। महापौर ने कंपनी प्रतिनिधियों को आगाह किया कि यदि वह अपनी व्यवस्थाएं और संसाधन सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं करेंगे तो इस कार्यशैली को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगा और कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपमहापौर पुनीत कर्णावट, गैराज समिति अध्यक्ष विनोद चौधरी, लाइसेंस समिति अध्यक्ष रमेश सैनी अध्यक्ष लाइसेंस समिति, स्वास्थ्य एवं सफाई समिति अध्यक्ष रामस्वरूप मीना, उपायुक्त स्वास्थ्य के साथ समस्त मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक उपस्थित थे।

फील्ड में उतरें सफाई निरीक्षक, लोगों को करें जागरुक

धाभाई ने मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को निर्देशित किया कि वे नियमित अपने-अपने क्षेत्र का दौरा करें और सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाएं। सभी सीएसआई जो भी मुख्य बाजार हैं उनमें राउंड लगाकर माइक से सफाई के लिए लोगों को जागरुक करें। प्रत्येक दुकानदार अपनी दुकान के आगे दो डस्टबिन रखें जिसमें गीला और सूखा कचरा अलग अलग रखें। जो दुकानदार नियमों का पालन नहीं करें, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

फिर कचरा डिपो खत्म क्यों नहीं हुए ?

गैराज समिति चेयरमैन रमेश सैनी ने बीवीजी प्रतिनिधियों को पूछा गया कि यदि उनके द्वारा डोर टू डोर पूर्ण रूप से किया जा रहा है तो कचरा डिपो बन ही क्यों रहे हैं इससे साफ जाहिर है कि आपके द्वारा डोर टू डोर कचरा संग्रहण का कार्य नियमित नहीं किया जा रहा।

ये भी दिए सुझाव

- » उपमहापौर ने सुझाव दिया की समस्त मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों की गाड़ियों में जीपीएस लगवाए जाएं, जिससे उनके क्षेत्र में दौरा करने की जानकारी कंट्रोल रूम को मिल सके
- » गैराज समिति अध्यक्ष विनोद चौधरी ने सुझाव दिया कि जो संसाधन निगम गैराज द्वारा वार्ड या जोन में दिए जाएं, उनका पूरा प्रयोग करें।

दिव्य काशी-भव्य काशी कार्यक्रम का प्रसारण देख लोग हुए भाव-विभोर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पीपाड़ शहर के नेतृत्व में आज दिनांक 13 दिसंबर 2021 को स्थानीय खाखी जी की बगेची में मुख्य अतिथि संत श्री हीरामुनी महाराज के सानिध्य में सभी कार्यकर्ताओं ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिव्य काशी, भव्य काशी प्रोग्राम का सीधा प्रसारण देखकर, कार्यक्रम मनाया गया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वाराणसी स्थित विश्वनाथ धाम कारिडोर के उद्घाटन का लोगों ने वचुर्अल प्रसारण देखा। वर्चुअल प्रसारण सोमवार को पूरे जिले में देखा गया। कार्यक्रम को देखने के दौरान शहर से गांवों तक आयोजित प्रसारण में लोग बीच-बीच में हर हर महादेव का जयकारा लगा रहे थे।

पीपाड़ शहर खाकी जी की बगेची स्थित महादेव मंदिर आकर्षण का केन्द्र बना था। भाजपा नगर इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत में सभी ने महादेव मंदिर में भगवान शिव की भव्य आरती से की। इस अवसर पर महंत हीरामुनी महाराज का माला व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया, व महाराज ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया, व भाजपा पार्टी को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बताया, व इस मौके पर उपस्थित जिला महामंत्री धनराज सोलंकी, मंडल अध्यक्ष रामकिशोर भूतड़ा, कार्यक्रम संयोजक सुगनाराम सैनी, सहसंयोजक धर्मेंद्र सोनी, मंडल उपाध्यक्ष मगराज पुरोहित, मंडल सोशल मीडिया प्रभारी अरविन्द सोनेल, युवा मोर्चा अध्यक्ष चेतन प्रकाश मारोठिया, स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष किशन सोनी, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रभाकर टाक, रामनिवास गहलोत, पार्षद कैलाश सेन, पीयूष शर्मा, गोमती देवी जीनगर, कल्याण टाक, किसान मोर्चा अध्यक्ष सुखदेव सैनी, पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र टाक, पूर्व मंडल मंत्री कल्याण कच्छावाह, मंडल मंत्री बंसीलाल लखारा, दिनेश टाक सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजस्थान में 17 से गिरेगा तापमान, 15 से नया पश्चिमी विक्षोभ होगा सक्रिय

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में तापमान का उतार-चढ़ाव 16 दिसंबर तक जारी रहेगा और उसके बाद फिर से तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा। कई स्थानों का तापमान माइनस में जाने की संभावना है। उस दौरान कई स्थानों पर पुराने रेकार्ड भी टूट सकते हैं। मौसम विभाग की माने तो 17 दिसंबर से दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज होगी। उधर, राजस्थान के कुछ इलाकों में शीतलहर जारी रहेगी।

रोडवेज संचालक मंडल की 297वीं बैठक में लिया निर्णय

रोडवेज में 398 पदों पर होगी सीधी भर्ती, कर्मचारियों के सातवें वेतनमान पर भी सहमति

खाली भूमि पर लगेंगे ई-चार्जिंग स्टेशन-पेट्रोल पम्प

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रोडवेज में 398 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही रोडवेज की खाली पड़ी भूमि पर पेट्रोल पम्प, डीजल पम्प, सीएनजी पम्प एवं इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यह निर्णय रोडवेज संचालक मंडल की 297वीं बैठक में लिया गया। रोडवेज सीएमडी संदीप वर्मा की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक मंगलवार को आयोजित की गई थी। बैठक में डीजल खपत कम करने पर रोडवज कर्मियों की सराहना भी की गई। रोडवेज कर्मियों ने प्रति किलोमीटर 5.03 से 5.13 प्रतिलीटर औसत कर दो करोड़ रूपए की प्रतिमाह बचत की है।

सातवां वेतनमान पर भी सैद्धांतिक सहमति

बैठक में रोडवेज कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ 1 जनवरी 2022 से देने पर बोर्ड ने सहमति दी। साथ ही इस पर होने वाले वार्षिक खर्च 150 करोड़ रूपए की अतिरिक्त सहायता के लिए राज्य सरकार से भी निवेदन किया जाएगा।

ये निर्णय भी लिए गए

- » राज्य स्तरीय जोधपुर बस स्टैंड को राज्य स्तरीय बनाया जाएगा। इसके लिए 68 करोड़ रूपए का व्यय किया जाएगा।
- » कार्यशाला के तकनीकी कर्मचारियों के रात्रि भत्तों को पांच रूपए से बढ़ाकर 30 रूपए किया गया। साबुन भत्ते को भी 4 रूपए से बढ़ाकर 30 रूपए किया गया।
- » राज्य सरकार के अनुरूप 16 वर्ष की आयु में मृतक आश्रित नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे।
- » फर्म को ब्लैक लिस्ट करने के संबंध में सीएमडी को अधिकृत किया गया।

पुलिस की नि :शुल्क यात्रा बढ़ा रहा रोडवेज का घाटा

राजस्थान रोडवेज की बसों में पुलिसकर्मियों को निःशुल्क यात्रा करवाना रोडवेज को भारी पड़ रहा है। रोडवेज को मुनाफे की जगह घाटा हो रहा है। इसी साल जनवरी माह से शुरू की गई इस योजना से रोडवेज को एक साल में दो करोड़ रूपए का घाटा हुआ है। पहले से ही घाटे से जूझ रही रोडवेज को कुछ मुनाफा करवाने के लिए रोडवेज के अधिकारियों ने इस योजना को शुरू किया था।

ऊर्जा मंत्री भाटी ने बांटे राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

ऊर्जा मंत्री का आह्वान, बचत के लिए बच्चों को भी करें प्रेरित

विद्युत भवन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह

ऊर्जा मंत्री का आह्वान, बचत के लिए बच्चों को भी करें प्रेरित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस पर मंगलवार को ऊर्जा मंत्री भवंर सिह भाटी ने ऊर्जा संरक्षण का आह्वान किया, साथ ही ऊर्जा संरक्षक में बच्चों को भी जागरूक करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है, ऐसे में हर व्यक्ति को ऊर्जा की बचत करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी भूमिका का निर्माण करना चाहिए।

ऊर्जा मंत्री भवंर सिह भाटी मंगलवार को विद्युत भवन में आयोजित राज्य स्तरीय राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। समारोह में प्रदेश में ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 23 उद्यमियों और संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि आज राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है। राजस्थान में सौर ऊर्जा की असीम संभावना है इसके चलते बड़े कॉरपोरेट घराने भी आज राजस्थान की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रदेश की सौर ऊर्जा नीति के जरिए ज्यादा से ज्यादा निवेश राजस्थान में हो इसका भी प्रयास है। वहीं ऊर्जा विभाग के एसीएस डॉक्टर सुबोध अग्रवाल ने बताया कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में यह साल राजस्थान के लिए गोल्डन वर्ष रहा है। राजस्थान की भीषण गर्मी और रेतीले धोरे हमारी कमजोरी थी, लेकिन अब यह सौर ऊर्जा के जरिए हमारी ताकत बन चुकी है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इस साल 2021-22 में रिकार्ड 2200 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयत्रों की स्थापना की गई है। अग्रवाल ने बताया कि राजस्थान में 13,386 मेगावाट क्षमता सौर ऊर्जा के प्रोजेक्ट स्थापित है जबकि 35,599 मेगावाट क्षमता के निर्माणाधीन है। कार्यक्रम को राजस्थान डिस्कॉम चेयरमैन भास्कर ए सावंत ने कहा कि इकोलोजीकल बैलेंस बनाए रखने के लिए ऊर्जा बचत समय की मांग और आज की आवश्यकता हो गई है। उन्होंने बताया कि आज दुनिया के सामने एटोमिक वार या आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस से भी अधिक कोई खतरा है तो वह इकोलोजिकल इंबैलेंस से हैं। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के महाप्रबंधक सुनित माथुर ने बताया कि राज्य में 2009 से ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ऊर्जा संरक्षण पुरस्कारों का वितरण किया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत में आना चाहिए।

इन्हें मिले पुरस्कार...

समारोह में ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उद्योग, एनर्जी फोरम, होटल, सरकारी भवन, ऊर्जा अंकेक्षक, थर्मल पॉवर स्टेशन और आमजन श्रेणी में 'राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार' प्रदान किए गए।

पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल के नेतृत्व में महँगाई हटाओ रैली में कार्यकर्ताओं ने लिया भाग

अपार जोश,उत्साह एवं जय घोष के नारों के साथ युवा कांग्रेस कार्यकर्ता पहुँचे जयपुर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। देश भर में व्याप्त महँगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी द्वारा रविवार को जयपुर में आयोजित की गई महँगाई हटाओ रैली में भाग लेने के लिए क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल के नेतृत्व में जयपुर कूच किया।इस दौरान युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में अपार जोश, उत्साह नजर आया।जहाँ कार्यकर्ताओं ने जमकर जय घोष के नारे लगाये। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ता राजमार्ग स्थित पटेल ऑयल कम्पनी से रैली के रूप में जयपुर पहुँचे।रैली का नेतृत्व कर रहे भीम पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने देशभर में युवाओं व छात्रों को भ्रमित करने का कार्य किया है।आज महंगाई चरम पर है वहीं युवा बेरोजगार हैं।हम सबको एकजुटता के साथ इसका जवाब देना होगा।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान राजस्थान यादव सेना के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवीर यादव,कांग्रेस आईटी सैल के शाहरूख टांक,पार्षद प्रतिनिधि दीपक कटारिया,पार्षद विष्णु भाटी,राकेश सैनी,युवा नेता अशोक राज पटेल, कृष्ण सैनी,राजवीर सराधना सहित अन्य कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

हांसियावास में युरिया खाद के वितरण के दौरान आपस में उलझे ग्रामीण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। क्षेत्र में डीएपी की तरह युरिया खाद के लिए भी किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।उल्लेखनीय है कि हाल ही में डीएपी खाद की किल्लत से ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ी थी। ऐसी ही समस्या निकटवर्ती ग्राम हांसियावास में देखने को मिली।जहाँ ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड के भवन पर ग्रामीणों को युरिया खाद का वितरण किया जाना था। अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस वितरण के मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ खाद लेने के लिए एकत्रित हो गई।इस दौरान अपनी बारी के इंतजार में ग्रामीण किसान आपस में ही उलझ पड़े।जिस पर पुलिस को बुलाने की नोबत आ गई और माहौल को शांत करवाया गया एवं पुलिस की मौजूदगी में ही खाद का वितरण हुआ।

प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021

नगर पालिका भवन में शिविर आयोजित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में चलाये जा रहे प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के तहत स्थानीय नगर पालिका मंडल द्वारा सोमवार को नगर पालिका भवन में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 10 पत्रावलियां कृषि भूमि नियमन,01 पत्रावली स्टेट ग्रान्ट एक्ट, 4 पत्रावली 69 (क) की प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 15 पत्रावलियां प्राप्त हुई।स्वायत्त शासन विभाग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एनपी शर्मा द्वारा शिविर का निरीक्षण किया गया।शर्मा ने शिविर का निरीक्षण करते हुए अभियान के दौरान किए गए कार्यों की प्रशंसा की।इसके साथ ही लम्बित पत्रावलियों के निस्तारण के निर्देश भी दिए।उल्लेखनीय है कि प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 में पट्टे जारी करने में नगरपालिका कोटपूतली राज्य की पालिकाओं में प्रथम स्थान पर है। इस मौके पर पर्यवेक्षक एनपी शर्मा,पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि एडवोकेट दुर्गा प्रसाद सैनी,उपाध्यक्ष अशोक शरण बंसल द्वारा 35 पट्टे वितरित किए गए।अखबार के ब्यूरो चीफ धर्मवीर कुमावत ने बताया कि इस दौरान कनिष्ठ अभियंता अनिल जोनवाल,कनिष्ठ सहायक रोहित शर्मा, फायरमैन कैलाश चंद मीणा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ANCHOR | धर्म-कर्म

आज से मलमास शुरू, मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net/.com

जयपुर। कोराना काल के मध्यनजर गत देवउठनी एकादशी के अबूझ सावे पर पिछले वर्षो के की तुलना में सबसे ज्यादा शादी समारोह हुए तथा इस बीच चारो तरफ बैड-बाजों और शहनाई से इलाका गूंजायमान रहा। इस दौरान सौहार्द वातावरण के साथ कई जोड़े परिणय सुत्र में बंधे। इस साल का आखिरी सावा 13 दिसंबर को है। सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करने के साथ ही 15 दिसंबर से मलमास शुरू हो जाएगा। इसके कारण मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। मलमास 14 जनवरी 2022 तक रहेगा। ऐसे में अब आगामी 14 जनवरी 2022 के बाद से ही मांगलिक कार्य शुरू होंगे। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि सूर्य जब धनु राशि में प्रवेश करते हैं, उस मास को धनु मलमास कहा जाता है। मलमास में शुभ मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि से 15 दिसंबर से मलमास प्रारंभ हो जाएगा। ये पौष शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि 14 जनवरी 2022 तक रहेगा। इस दौरान गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत, शादी, सगाई आदि कार्य करना वर्जित है। हालांकि इस दौरान आध्यामिक अनुष्ठान कर्म बढ़ जाता है और दान-पुण्य, धार्मिक स्थलों पर तीर्थ स्नान, ग्रह दोष उपाय आदि अनुष्ठान कर सकते है। बता दे कि वर्ष 2021 का अंतिम सावा 13 दिसम्बर सोमवार को है। मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की द्वादशी बुधवार से मलमास प्रारम्भ हो जाएगा। जो आगामी एक माह तक पौष शुक्ल पक्ष द्वाद्वशी 14 जनवरी 2022 तक रहेगा। पंडित सत्यनारायण के अनुसार इस बीच सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। पौराणिक धार्मिक मान्यता के अनुसार खरमास में सूर्य धीमी गति से चलता है। इसलिए इस दौरान किए गए किसी भी मांगलिक कार्य का शुभ फल नहीं मिलती है। एक माह बाद सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेगा। इस दिन 14 जनवरी 2022 को मकर संक्रांति पर्व मनाया जाएगा है। इस दिन पवित्र नदियों और जलस्रोतो में स्नान तथा मंदिरों में विग्रह की पूजा-अर्चना के बाद लोगों के दान पुण्य के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।